{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 07 अक्टूबर 2026
अश्विन कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 17
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	72,382.47
निफ्टी	-	22,555.75
सोना	-	1,57,755
चांदी	-	2,35,000
डॉलर	-	96.33

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

योगी सरकार के चार वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना के आरोप तय

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने चार साल पहले पारित अपने एक आदेश का अनुपालन न करने के मामले में योगी सरकार के चार वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना के आरोप तय किए हैं। खंडपीठ ने कहा कि इन अधिकारियों ने ऐसा कोई दस्तावेज पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि 19 जुलाई 2022 के कोर्ट के आदेश का आंशिक रूप से भी अनुपालन किया गया है। कोर्ट ने पाया कि अधिकारी कोर्ट के आदेश का पालन करने के इच्छुक नहीं दिख रहे हैं।

न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की पीठ ने यह कार्रवाई सुरेशचंद्र वर्मा के मामले में 2022 में दिए फैसले के अनुपालन से जुड़ी 37 अवमानना याचिकाओं पर की। उस फैसले में कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को लागू शासनादेशों के तहत लाभ देने से संबंधित आदेश निरस्त करते हुए वेतन का पुनर्निर्धारण, बकाया वेतन का भुगतान और संशोधित पेंशन भुगतान आदेश जारी करने का निर्देश दिया था। चार माह में लाभ न देने पर सात फीसदी साधारण ब्याज देने को भी कहा था।

अब पश्चिम बंगाल हो जाएगा पश्चिम बंगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की चर्चा एक बार फिर जोर पकड़ चुकी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया है कि राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा में नाम बदलने से जुड़ा विधेयक पेश कर सकती है। इसके तहत अगले विधानसभा सत्र में पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से पश्चिम बंगा करने का प्रस्ताव रखे जाने की प्रबल संभावना है। भाजपा नेता के अनुसार, राज्य को उसके गौरवशाली इतिहास और समृद्ध बंगाली पहचान के साथ फिर से जोड़ने के मुख्य उद्देश्य के तहत यह कदम उठाया जा रहा है।

अपनी पार्टी बनाएंगी पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल

लखनऊ। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से इस्तीफा देने के बाद दिव्या मित्तल ने राजनीति के मैदान में उतरने का औपचारिक ऐलान कर दिया है, जिससे उत्तर प्रदेश की आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की सियासी सरगर्मी और तेज हो गई है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह किसी स्थापित राजनीतिक दल में शामिल होंगी या अपनी नई पार्टी बनाएंगी, लेकिन सूत्रों के अनुसार वह किसी मौजूदा दल में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया मोर्चा खोलेगा, जिससे चुनावी समीकरणों में और अधिक जटिलता आएगी।

एसआईआर विवादः फॉर्म-6 बना गले की फांस...मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक पहली बार 20 विपक्षी पार्टियों का मार्च...पुलिस ने बीच में ही रोका...

सड़क पर 300 सांसद खड़े, ज्ञानेश से मिलने पर अड़े

नई दिल्ली। एसआईआर विवाद में फॉर्म-6 पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की मुसीबत बढ़ा दी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 20 विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यह पहली बार है, जब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़कों पर विपक्षी नेता प्रदर्शन कर रहे हैं। इंडिया ब्लॉक का 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' सुबह 10 बजे संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ, लेकिन पुलिस ने आगे बढ़ने नहीं दिया गया। पुलिस ने मार्च रोका और राहुल-प्रियंका को हिरासत में लेकर बस में बैठाया। दोनों बस से उतरकर आकाशवाणी परिसर में पहुंचे और पेड़ के नीचे धरने पर बैठ गए। इससे पहले अखिलेश सिंह समेत कई सांसदों को हिरासत में लिया गया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- ज्ञानेश, इट्स डन ब्रो, टाइम टू रिजाइन (ज्ञानेश, हो गया भाई, इस्तीफा देने का समय आ गया है)। एसआईआर के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी दिल्ली के आकाशवाणी भवन परिसर में धरने पर बैठे हैं। राहुल ज्ञानेश कुमार से मिलने के लिए अड़े हैं। उन्होंने कहा कि वे बिना मिले कहीं नहीं जाएंगे। अगर दिल्ली पुलिस को यहां प्रदर्शन से परेशानी है, तो उन्हें दूसरी जगह दे सकती है। राहुल गांधी का दावा है कि विपक्ष के 300 सांसद सड़क पर खड़े हैं।

धरने पर बैठे राहुल और प्रियंका गांधी ने आकाशवाणी भवन में बरगद के पेड़ के नीचे चटाई बिछा ली है। इनका दावा है कि जब तक ज्ञानेश कुमार से मिलने नहीं दिया जाएगा, वे लोग वहां से नहीं उठेंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि दिल्ली पुलिस लोकतंत्र के हत्यारों को बचाने की कोशिश कर रही है। हालात ऐसे हैं। जो लोग शांतिपूर्ण विरोध कर रहे हैं, उन्हें उठाकर ले जाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने आकाशवाणी भवन के बाहर बड़ी तादाद में फोर्स की तैनाती शुरू कर दी है। सीआरपीएफ, महिला पुलिस समेत प्राइवेट बसों को भी रखा गया है। राहुल गांधी ने कहा कि आकाशवाणी भवन परिसर में प्रदर्शन जारी रहेगा। अगर दिल्ली पुलिस को यहां प्रदर्शन से असुविधा है तो पुलिस उन्हें दूसरी जगह उपलब्ध करा सकती है। संविधान हमें प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। राहुल ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने वोट चोरी में भाजपा की मदद की है, उनसे मिलकर ही जाऊंगा। हमारे साथ 300 सांसद हैं, हमारी बात न सुनना देश का अपमान है।

कोई भी बच नहीं पाएगा

राहुल गांधी ने आगे कहा कि हम न सिर्फ बीजेपी मुकाबला करेंगे, बल्कि उन्हें खत्म कर देंगे। हमारे देश के साथ जो किया गया है, वह देशद्रोह है। कोई भी बच नहीं पाएगा। मंगलवार को संसद मार्ग से निर्वाचन आयोग मुख्यालय तक विपक्षी गठबंधन इंडिया के सांसदों के मार्च को पुलिस रोक लिया। इसके बाद विपक्षी सांसद नीति आयोग के दफ्तर के सामने धरने पर बैठ गए। जिसके बाद उनमें से कई लोगों को हिरासत में ले लिया गया।

मैं यहां लोकतंत्र को बचाने के लिए खड़ा हूं

राहुल गांधी ने कहा कि हम सिर्फ भाजपा का मुकाबला नहीं कर रहे हैं, हम उन्हें खत्म कर देंगे। भाजपा क्या कहती है, इसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं यहां भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिए खड़ा हूं। मेरे साथ 300 सांसद भी यहां आए हैं जो लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। अमित शाह, नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार ने देश में लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। पूरा देश इस बात से सहमत है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि देश के युवा इसे समझते हैं और इससे सहमत हैं। यहां तक कि पुलिसकर्मी भी इससे सहमत हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मोहन भागवत ने वोट चोरी के जरिए देश पर कब्जा कर लिया है, और ज्ञानेश कुमार ने इसमें उनकी मदद की है। उन सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हमारे देश के साथ जो किया गया है, उसे देशद्रोह कहा जाता है; कोई भी बच नहीं पाएगा।

सांसदों को ज्ञानेश कुमार से मिलने से रोका

राहुल गांधी ने कहा- 300 लोकसभा और राज्यसभा के सांसद आए थे। हम चाहते थे ज्ञानेश कुमार और उनके दो चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे। पुलिस ने हमें रोका। चुनाव आयोग से 50 गज दूर बैठाकर रखा है हमें जाने नहीं दे रहे हैं। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं। ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। अगर जनप्रतिनिधियों से चुनाव आयोग नहीं मिलेगा तो लोकतंत्र का क्या मतलब है। सवाल पूछने पर राहुल ने नाराजगी जताई और कहा कि क्या में आपको भाजपा का कार्यकर्ता लगता हूं। भाजपा जो बोले मुझे उसमें कोई इंटरेस्ट नहीं है। मैं लोकतंत्र बचाने यहां खड़ा हूं। अमित शाह, नरेंद्र मोदी, ज्ञानेश कुमार और मोहन भागवत ने देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। देश के युवा ये बात जानते हैं। चुनाव को मोदी-शाह ने हाइजैक किया है और ज्ञानेश कुमार ने उनकी मदद की है। यहां पुलिस वाले भी यही कर रहे हैं। इनमें से कोई भी बचकर नहीं जाएगा। जो इन्होंने देश के साथ किया है, वह देशद्रोह है।

चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के संसद से चुनाव आयोग तक मार्च को बीच में ही रोके जाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयुक्त हमसे क्यों नहीं मिल रहे हैं? पुलिस हमें चुनाव आयोग जाने से क्यों रोक रही है और धमका रही है। राहुल गांधी ने कहा कि संसद से हमारे साथ 300 सांसद चुनाव आयोग जाना चाहते थे। हालांकि, उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। हम करोड़ों भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आखिर 300 सांसदों को क्यों रोका गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से मिलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने हमें यहीं रोक दिया। हम चुने हुए प्रतिनिधि हैं, लेकिन हमें नहीं पता कि हमें यहां क्यों रोका गया है। हमें समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है, जबकि चुनाव आयोग का दफ्तर यहां से सिर्फ 50 मीटर दूर है। विपक्ष के 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं, लेकिन वे डरे हुए हैं। देश में क्या हो रहा है? लोकतंत्र का क्या मतलब है अगर चुनाव आयोग चुने हुए प्रतिनिधियों से ही न मिले?

विपक्षी सांसदों को पुलिस ने हिरासत में लिया

पुलिस की ओर से रोके जाने के बावजूद, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और दीपेंद्र हुड्डा स्वागत द्वार से आकाशवाणी भवन परिसर में दाखिल हुए। बाद में उन्हें एक पेड़ के नीचे बैठे देखा गया। विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिए जाने के बाद धरना खत्म हो गया। हालांकि राहुल, प्रियंका समेत कई कांग्रेस नेता अब भी आकाशवाणी भवन में ही हैं। इससे पहले निर्वाचन सदन की तरफ बढ़ने से रोके जाने के बाद, विपक्षी सांसदों ने विरोध में सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया। जल्द ही राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी पुलिस बैरिकेड पर चढ़ गए, जबकि हिरासत में लिए जाने के लिए प्रियंका गांधी को वहां खड़ी एक बस में ले जाया गया। हालांकि प्रियंका को जल्द ही बस से उतरते हुए देखा गया और वह आकाशवाणी भवन के गेट पर अपने भाई राहुल के पास पहुंच गईं।

वायुसेना के नए प्रमुख बने आशुतोष दीक्षित

-20 तरह के लड़ाकू जहाज उड़ाने में माहिर, कारगिल जंग में भी शामिल रहे

नई दिल्ली। आशुतोष दीक्षित वायुसेना के नए प्रमुख होंगे। वह 31 अक्टूबर को एयर चीफ मार्शल के कार्यभार ग्रहण करेंगे। वह अभी वाइस एयर चीफ मार्शल हैं। उन्होंने 1 जुलाई 2026 को यह पदभार संभाला था। आशुतोष दीक्षित कारगिल जंग में भी शामिल थे। उन्होंने फाइटर जेट से घुसपैठियों पर बम गिराए थे। वह 20 तरह की लड़ाकू विमान उड़ाने में माहिर हैं। आशुतोष दीक्षित एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह लेंगे। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह 30 सितंबर 2024 को वायुसेना प्रमुख बने थे। वह 31 अक्टूबर को रिटायर्ड हो रहे हैं। वह ऑपरेशनल फाइटर स्क्वाड्रन और फ्रंटलाइन एयर बेस की कमान भी संभाल चुके हैं।

एयर मार्शल दीक्षित को करीब 40 साल का सर्विस अनुभव है। उन्होंने मिराज-2000, मिग के अलग-अलग वर्जन, जगुआर, तेजस, हॉक, आईएल-78, एएन-32, किरण, एचपीटी-32 और एवरो जैसे कई विमानों को उड़ाया है। वे एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं। उन्होंने अब तक 3500 घंटे से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक, कोप-इंडिया और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों और सैन्य अभ्यासों में हिस्सा लिया है। भारतीय वायुसेना में स्वदेशी एलसीए तेजस और दूसरे स्वदेशी विमान प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है। एयर मार्शल दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को आईएएफ की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज (बांग्लादेश) और नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र हैं।

सीएम के चंडीगढ़ कैंप ऑफिस में सीबीआई की रेड

मोहाली और संगरूर भी पहुंची टीमें; भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच

चंडीगढ़। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के चंडीगढ़ स्थित कैंप ऑफिस में मंगलवार शाम छापा मारा। सीबीआई की टीमें मोहाली और संगरूर भी पहुंचीं। यह कार्रवाई पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बाद की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने सीएम आफिस में ट्रांसफर-पोस्टिंग और करप्शन के आरोप लगाए थे। ईडी ने सीएम के ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन को मुख्य आरोपी बनाया था पर पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर नहीं दर्ज की। मामला हाईकोर्ट पहुंचा और 5 अक्टूबर को हाईकोर्ट ने ओएसडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सीबीआई जांच का आदेश दिया।

पंजाब सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट में सुनवाई करने की मांग की, जिसे खारिज कर दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को चिट्ठियां भेजकर कथित भ्रष्टाचार और सरकारी कामकाज में दखल के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। ईडी की जांच में ट्रांसफर-पोस्टिंग, सरकारी टेंडर, नीतिगत फैसलों, जमीन के इस्तेमाल में बदलाव और दूसरे सरकारी कामों को प्रभावित करने के आरोप सामने आने की बात कही गई है। जुलाई और अगस्त 2026 में भेजे गए पत्रों को लेकर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में भी मामला पहुंचा। सीबीआई रेड के बाद सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा पंजाब की वजह से मुझे बदनाम करना चाहती है। जनता से मिल रहे प्यार को देखकर भाजपा घबरा गई है।

ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर टेंडर तक

ईडी के मुताबिक, जांच में मिले चैट और अन्य सामग्री में अधिकारियों की पोस्टिंग, तबादलों और सरकारी पदों पर नियुक्ति से जुड़ी बातचीत का उल्लेख है। मार्कफेड के टेंडर, अधिकारियों की पोस्टिंग, लाइसेंस और अन्य सरकारी मंजूरियों को प्रभावित करने के आरोप भी लगाए गए हैं। ईडी ने भ्रष्टाचार निवारण कानून के साथ-साथ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी से जुड़ी धाराओं के तहत अपराध बनने की बात कही है।

सीबीआई जांच के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची पंजाब सरकार

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पंजाब के डीजीपी को लिखी गई चिट्ठी से जुड़े मामले में पंजाब सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो से करवाने का आदेश दिया था। इसी आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने शीर्ष अदालत का रुख किया है। पंजाब की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने मामले में तत्काल सुनवाई की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट को मिले नए जज, सीजेआई सूर्यकांत ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को तीन नए न्यायाधीश मिले। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल, न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 3ः30 बजे आयोजित किया गया। समारोह का लाइव प्रसारण भी किया गया। आम तौर पर सुप्रीम कोर्ट में नए न्यायाधीशों का शपथ ग्रहण सुबह 10ः30 बजे होता है, यानी उस समय जब शीर्ष अदालत कामकाज के लिए बैठती है। इस बार समारोह का समय अलग रहा। तीनों न्यायाधीश इससे पहले अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 28 सितंबर को हुई बैठक में तीनों के नामों की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश पर तेजी से फैसला लेते हुए सोमवार को तीनों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी।

फिटमेंट कमिटी ने बैंकों को मिलने वाली जीएसटी छूट खत्म करने की सिफारिश की

बैंकों को सोना-चांदी खरीदना पड़ेगा महंगा!

नई दिल्ली। जीएसटी फिटमेंट कमिटी ने बैंकों और नॉमिनेटेड एजेंसियों को सोना, चांदी और प्लेटिनम के इंपोर्ट पर मिलने वाली आईजीएसटी छूट को खत्म करने की सिफारिश की है। इस कदम से ऐसे इंपोर्ट पर 3 फीसदी आईजीएसटी लगेगा। यह छूट 2017 में जीएसटी काउंसिल की सिफारिश के बाद सोने के लिए शुरू की गई थी, ताकि कीमती धातुओं का इंपोर्ट करने वाले बैंकों और नॉमिनेटेड एजेंसियों के लिए व्यापार आसान हो सके। बाद में इसे चांदी और प्लेटिनम के इंपोर्ट तक भी बढ़ा दिया गया।

अभी, सोने का इंपोर्ट प्रतिबंधित है और इसकी अनुमति खास चैनलों के जरिए ही है। इनमें डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड द्वारा बताए गए बैंक और नॉमिनेटेड एजेंसियां, इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के जरिए योग्य ज्वैलर्स, और इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के जरिए योग्य इंडिया-यूएई टैरिफ रेट कोटा होल्डर्स शामिल हैं। फिटमेंट कमिटी की यह सिफारिश जीएसटी छूट नोटिफिकेशन और योग्य बैंकों की लेटेस्ट डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड लिस्ट के बीच अंतर के कारण आई है।

क्यों खत्म हुई छूट

सोना और चांदी इंपोर्ट करने के लिए योग्य बैंकों की लिस्ट 31 मार्च तक मान्य थी। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने 17 अप्रैल को एक पब्लिक नोटिस जारी करके 1 अप्रैल से 31 मार्च की अवधि के लिए योग्य बैंकों की लिस्ट की जानकारी दी। हालांकि, संबंधित जीएसटी छूट नोटिफिकेशन को नए डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड लिस्ट के हिसाब से अपडेट नहीं किया गया। जिसकी वजह से फिटमेंट कमिटी के डॉक्यूमेंट के अनुसार, 1 अप्रैल से बैंकों को आईजीएसटी छूट नहीं मिल रही है। लिस्ट 15 के तहत आने वाली नॉमिनेटेड एजेंसियों के लिए छूट जारी है, क्योंकि उस लिस्ट को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड द्वारा समय-समय पर रिन्यू करने की जरूरत नहीं होती।

जरूरी नहीं महंगा होगा सोना और चांदी

कमिटी ने अब लिस्ट 13, 14 और 15 के तहत आने वाले बैंकों और नॉमिनेटेड एजेंसियों द्वारा सोना, चांदी और प्लेटिनम के इंपोर्ट पर आईजीएसटी छूट को खत्म करने की सिफारिश की है। छूट खत्म होने के बाद, ऐसे इंपोर्ट पर 3 प्रतिशत आईजीएसटी लगेगा। हालांकि, इस कदम का मतलब यह जरूरी नहीं है कि योग्य इंपोर्टर्स के लिए अंतिम टैक्स कॉस्ट में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। फिटमेंट कमिटी ने कहा है कि बैंक और नॉमिनेटेड एजेंसियां, चुकाए गए आईजीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने और उस क्रेडिट का इस्तेमाल करने की हकदार होंगी। कमेटी ने एक्सपोर्ट-लिंक्ड सप्लाई स्कीम के तहत नॉमिनेटेड एजेंसियों द्वारा सोना, चांदी और प्लेटिनम की सप्लाई से जुड़े मौजूदा जीएसटी नोटिफिकेशन्स में जरूरी बदलावों का भी प्रस्ताव दिया है। इसने डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड की 'हैंडबुक ऑफ प्रोसीजर्स' के अपेंडिक्स 4बी (जिसमें समय-समय पर संशोधन होते रहते हैं) के आधार पर नॉमिनेटेड एजेंसियों की परिभाषित करने की सिफारिश की है।

अभिजीत दीपके का आरोप

सीजेपी कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोक रही पुलिस

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस नोटिस दिए जा रहे हैं और उन्हें 10 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले सीजेपी के प्रस्तावित आंदोलन में शामिल न होने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक देश, एक चुनाव अब सिर्फ एक नारा रह गया है और असली मकसद एक देश, एक राजनीतिक पार्टी बनाने का है।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करेंगी।

10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर आंदोलन की तैयारी

दीपके ने महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीजेपी ने 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन करने का एलान किया है। इस प्रदर्शन के जरिए पार्टी मुख्य

चंद्रपुर पुलिस के नोटिस का किया दावा

दीपके का दावा है कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी के कुछ कार्यकर्ताओं को नोटिस दिया है। इन नोटिस में कथित तौर पर उनसे 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर होने वाले आंदोलन में शामिल नहीं होने को कहा गया है। इतना ही नहीं, पुलिस ने उनसे दिल्ली जाने और आंदोलन में शामिल होने के लिए होने वाले खर्च के पैसों के स्रोत के बारे में भी सवाल किए हैं।

महाराष्ट्र पुलिस देश में सबसे अच्छी, लेकिन यह दुखद

दीपके ने कहा, मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र पुलिस देश की सबसे अच्छी पुलिस है और दिल्ली पुलिस को उससे सीखना चाहिए। लेकिन यह दिल दुखाने वाली बात है कि चंद्रपुर पुलिस ने सीजेपी कार्यकर्ताओं को नोटिस देकर जंतर-मंतर के आंदोलन में शामिल न होने को कहा। उन्होंने यह भी पूछा कि जंतर-मंतर जाने का खर्च कहां से आएगा।

पुलिस को कैसे पता कि आंदोलन हिंसक होगा?

सीजेपी संस्थापक ने पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर पुलिस पहले से यह कैसे तय कर सकती है कि आंदोलन हिंसक हो जाएगा।

कुछ ना कहना

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएँ

151 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 06 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर कुमार सत्यम निर्देशन में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर एमआर कोल एवं एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 151 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में शाला प्रबंधन समिति शासकीय माध्यमिक शाला टंटाटोला द्वारा भवन और किचन शेड जर्जर होने से बारिश में छत से पानी टपकने और प्लास्टर गिरने की शिकायत की गई। इस प्रकरण में जनपद सीईओ परसवाड़ा एवं बीआरसी को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत केशलेवाड़ा की पूजा बोरकर सचिव अंकिता जामरे द्वारा विवाह प्रमाण पत्र जारी नहीं करने की शिकायत लेकर आयी थी। पूजा का कहना था कि 17 अप्रैल 2025 को उसका प्रदीप बोरकर से विवाह हुआ था, लेकिन पति द्वारा आवश्यक दस्तावेज नहीं देने के कारण पंचायत से प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। विवाह प्रमाण पत्र के अभाव में उसके 7 माह के पुत्र प्रियांश का आधार कार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेज बनवाने में परेशानी हो रही है। अत: पूजा ने शीघ्र उसका विवाह प्रमाण पत्र बनवाने की माँग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरनापुर के शिक्षक यू.एल. भारद्वाज सेवानिवृत्ति के बाद लंबित स्वत्वों का भुगतान नहीं होने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें केवल ग्रेच्युटी और जीआईएस की राशि प्राप्त हुई है। जीपीएफ, अर्जित अवकाश, नोशनल इंक्रीमेंट संशोधन और 35 वर्षीय समयमान वेतनमान की राशि अब तक लंबित है। अत: उन्होंने शीघ्र लंबित राशि का भुगतान कराने और पेंशन संबंधी लाभ दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट के वार्ड क्रमांक 28, 29 और 30 के नागरिक राशन दुकान को पुराने स्थल के नजदीक स्थापित करने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वर्तमान में जानकी विहार रेलवे लाइन के पास नहर किनारे दुकान संचालित हो रही है, जिसकी दूरी अधिक होने के कारण परेशानी हो रही है। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को दूरी व यातायात के कारण राशन लेने में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अत: उन्होंने राशन दुकान को इतवारी बाजार स्थित सेठिया शाला की खाली पड़ी बिल्डिंग में स्थानांतरित करने की मांग की है। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बिरसा जनपद के ग्राम पंचायत अचानकपुर निवासी शत्रुघ्न प्रसाद दुबे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। उसका कहना था कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और पूजन-पाठ से होने वाली आय से ही परिवार का पालन-पोषण करते हैं। शत्रुघ्न का कहना है कि उसके पास स्वयं का पक्का मकान नहीं होने से परिवार को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अत: उसे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बिरसा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

बैहर जनपद पंचायत से सेवानिवृत्त लेखापाल बिमेश्वर माहुले ने सीपीएफ खाते में जमा 5 लाख 47 हजार 500 रुपये का भुगतान नहीं होने की शिकायत की। उनका कहना था कि 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने राशि भुगतान के लिए अधिकारियों को आवेदन दिया था, लेकिन अब तक राशि नहीं मिली। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारी के इलाज के लिए राशि की आवश्यकता है और भुगतान में देरी से उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अत: सीपीएफ खाते में जमा राशि का शीघ्र भुगतान कराया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम बैहर को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट के ग्राम पंचायत पेंडरई निवासी उमेश मांद्रे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। उमेश ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है और उसके पास रहने के लिए स्वयं का मकान नहीं है। योजना का लाभ लेने के लिए पंचायत में कई बार आवेदन करने के बावजूद उसका नाम स्वीकृत नहीं किया जा रहा है। अत: उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शीघ्र मकान स्वीकृत कराया जाए। इस प्रकरण में परियोजना अधिकारी पीएम आवास जिला पंचायत को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

खैरलांजी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पांजरा निवासी तुलसी कुमार मनरेगा के तहत कपिलधारा कुआं निर्माण की तकनीकी स्वीकृति नहीं मिलने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि कपिलधारा कूप निर्माण के लिए ग्राम पंचायत में प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित होने के साथ ग्रामसभा प्रस्ताव, नक्शा और तकनीकी प्रतिवेदन भी अधिकारियों को सौंपा गया था, किन्तु खैरलांजी और कटंगी ब्लॉक के अधिकारी ब्लॉक सीमा को लेकर उन्हें गुमराह कर रहे हैं। अत: उन्होंने मामले की जांच कर खेत में कपिलधारा कुआं निर्माण की तकनीकी स्वीकृति प्रदान करने की मांग की है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ खैरलांजी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

किरनापुर तहसील के ग्राम दहीगड़वा निवासी मनोज सिंह मोरे अतिवृष्टि के कारण मवेशी बांधने का गौठान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के पश्चात मुआवजा राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। उसने बताया कि गौठान गिरने से उसके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अत: उसे नियमानुसार मुआवजा राशि प्रदान की जाए। इस प्रकरण में किरनापुर तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में बालाघाट के वार्ड क्रमांक 4 के स्थायी निवासी नूरी मस्जिद के सामने, पीछे और बाजू में सीमेंट सड़क व नाली निर्माण की मांग लेकर आये थे। सड़क और नाली नहीं होने से बुजुर्गों, बच्चों सहित अन्य लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस प्रकरण में नगर पालिका सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम बुढैनाखुर्द के रविंद्र कावरे शिकायत लेकर आये थे कि उनकी बहू माया पति कृष्णा कावरे को 15 सितम्बर 2026 को जिला चिकित्सालय बालाघाट में प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉ. श्रद्धा बारमाटे एवं डॉ. स्वाति मेश्राम द्वारा उसका ठीक से ईलाज नही किया गया जिसके कारण उन्हें प्रायवेट अस्पताल में सीजेरियन ऑपरेशन से प्रसव कराना पडा है और इसमें 35 हजार रुपए का खर्च आया है। रविंद्र का कहना था कि वह बहुत गरीब है और इतना खर्च वहन नही कर सकता है। अत- उसे इस राशि का मुआवजा दिलाया जाए। इस प्रकरण में सिविल सर्जन को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने कहा गया है।

कल मां जगत जननी के जयकारों से गूंजेगा मार्ग

कायदी से डोंगरगढ़ तक निकलेगी 151 फीट लंबी चुनरी यात्रा, नवरात्रि पर्व पर भक्ति और आस्था का भव्य संगम, शीतला माता मंदिर कायदी से कल 8 अक्टूबर को सुबह 7 बजे होगा पदयात्रा का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मां जगत जननी के प्रति अटूट आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा एक बार फिर देखने को मिलेगा। पावन शारदीय नवरात्रि पर्व के अवसर पर ग्राम कायदी से मां बम्लेश्वरी धाम डोंगरगढ़ तक

151 फीट लंबी चुनरी यात्रा एवं विशाल डोंगरगढ़ पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु मां के चरणों में आस्था और श्रद्धा की चुनरी अर्पित करने के संकल्प के साथ पदयात्रा में शामिल होंगे। नवरात्रा के दो दिन पहले यात्रा का शुभारंभ 8 अक्तूबर को सुबह 7 बजे ग्राम कायदी स्थित शीतला माता मंदिर से होगा। धार्मिक जयकारों, भजन-कीर्तन और मां के नाम के गुणगान के बीच श्रद्धालु 151 फीट लंबी चुनरी लेकर डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी के दरबार की ओर प्रस्थान करेंगे।बब्बर सेना अध्यक्ष रूद्र सिंह लिल्हारे एवं डॉ. अभिजीत सिंह बाटे ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मां जगत जननी के पावन नवरात्रि पर्व को पूरी श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में कायदी के माता मंदिर से भव्य चुनरी यात्रा निकाली जा रही है।

इन मार्गों से गुजरेगी चुनरी यात्रा

यात्रा सुबह 7 बजे शीतला माता मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम कायदी का भ्रमण करेगी। इसके बाद यात्रा कायदी मुख्य चौक, जोड़ापाट, गर्रा होते हुए आगे बढ़ेगी। शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए पदयात्रा ग्राम कोसमी पहुंचेगी।कोसमी में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रूखमणी मुकेश माहुले के कार्यालय में श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी। भोजन के पश्चात श्रद्धालु पुन: मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ की ओर प्रस्थान करेंगे।

श्रद्धा की चुनरी-मन में मां का नाम

151 फीट लंबी चुनरी यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मां के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था, समर्पण और विश्वास का प्रतीक होगी। पदयात्रा में शामिल श्रद्धालु मां जगत जननी से परिवार की सुख-समृद्धि, क्षेत्र की खुशहाली और सभी के मंगल की कामना करते हुए डोंगरगढ़ पहुंचेंगे।आयोजकों ने क्षेत्र के श्रद्धालु भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में इस पावन चुनरी यात्रा एवं डोंगरगढ़ पदयात्रा में शामिल होकर मां बम्लेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।जय माता दी के जयकारों और भक्ति की गूंज के साथ कायदी से डोंगरगढ़ तक निकलने वाली यह यात्रा नवरात्रि पर्व में आस्था और श्रद्धा का एक यादगार अध्याय बनेगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर विद्यार्थियों को खिलाई कृमि नाशक दवा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़खड़ी के शासकीय हाई स्कूल में ६ अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विद्यार्थियों को कृमिनाशक दवा खिलाई गई। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरलांजी के बीएमओ डॉ.खिलेंद्र पाल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कक्षा ९ वीं एवं १० वीं के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके उपरांत जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मधु शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में विद्यार्थियों को कृमिनाशक दवा का सेवन कराया

गया। इस दौरान विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं तथा स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से हाथ धोने, स्वच्छ भोजन एवं पानी का सेवन करने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से बचाव के प्रति जागरूक करना एवं उनके बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर के पी नागेंद, अनमोल नगपुरे, संतोष मसूरकर, गुणवंत लिल्हारे, धन्वंता राणा, प्रभारी प्राचार्य श्रीमती विश्वात्मा मेश्राम, धनेन्द्र कुमार मस्करे, गजानंद तीतरमारे, लोकेश तिवारी,इनोहर ऊके, श्रीमती हीरा उइके, करिश्मा बिसेन, राधेश्याम लिल्हारे सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

एसआईआर में छूटा नाम दस्तावेज देकर मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे पात्र मतदाता

बीएलओ घर-घर पहुंचकर एकत्र करेंगे दस्तावेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान अनमैप्ड अथवा तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस जारी होने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने से जिन पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से रह गए हैं, उनके नाम पुन: मतदाता सूची में दर्ज कराने की प्रक्रिया की जाएगी। इसी कडी में मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने 06 अक्टूबर को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से निर्वाचन अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री डी.पी. बर्मन उपस्थित थे।

एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान अनमैप्ड अथवा तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस जारी होने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने से जिन पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से छूट गए हैं, उनके नाम पुन- मतदाता सूची में शामिल करने बीएलओ द्वारा घर-घर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान पात्र व्यक्तियों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए जा सकें। इसके साथ ही रैन बसेरों, श्रमिक बस्तियों तथा बेघर एवं वंचित वर्ग के व्यक्तियों के नामांकन के लिए आवश्यकतानुसार विशेष शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। एसआईआर के दौरान किसी कारणवश मतदाता सूची में नाम जुड़ने से रह गए पात्र व्यक्ति बीएलओ के संपर्क अभियान के दौरान आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। मतदाता सूची में नाम जोडने के लिए किसी भी आवेदक को फार्म-6 के साथ कोई घोषणा पत्र नही देना है।

18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा भी करा सकेंगे नाम दर्ज

ऐसे युवा, जिनकी आयु 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे भी अपने नजदीकी मतदान केंद्र के बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 भरकर प्रस्तुत कर सकते हैं। पात्र नागरिकों एवं नए मतदाताओं से अपील की गई है कि वे बीएलओ के घर-घर संपर्क अभियान के दौरान आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। जिले के सभी 06 विधानसभा क्षेत्रों के 1785 मतदान केन्द्रों पर 07, 08 एवं 09 अक्टूबर को बीएलओ द्वारा शिविर लगाकर पात्र मतदाता के नाम जोड़ने के लिए फार्म -06 भरवाया जाएगा। 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नये मतदाता के नाम मतदाता सूची में शामिल करने एडवांस में फार्म -06 भरवाए जाएंगे।

ईसीआईनेट के माध्यम से ऑनलाईन भरा जा सकता है फार्म-06

मतदाता अपने मोबाईल पर ईसीआईनेट एप्प के माध्यम से या ऑनलाईन मतदाता सूची में उसका नाम शामिल है या नही यह पता लगा सकता है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नही है वे ऑनलाईन भी ईसीआईनेट एप्प के माध्यम से फार्म-6 भरकर आवेदन कर सकते है। ऑनलाईन आवेदन करने का सबसे बडा लाभ यह होता है कि आवेदक को अपने बीएलओ के पास नही जाना पडता है, बल्कि ऑनलाईन फार्म भरते ही वह बीएलओ की आईडी में दिखाई देने लगता है। ऐसे युवा जो 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है या 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले हैं उनसे अपील की गई है कि वे ईसीआईनेट एप्प का उपयोग कर ऑनलाईन फार्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराये।

In The Court Of Manish Kumar Singh,I Civil Judge Senior Division,District Court,Balaghat
Presiding Officer:- मनीष कुमार सिंह

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000030/2026)

मिलेश्वरी अडमे.................................आवेदक
Vs
आम जनता.......................................अनावेदक

Process Id-/2026
पेशी तारीख- 28/10/2026

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मिलेश्वरी अडमे पता ग्राम कोचेवाडा तहसील लामता जिला बालाघाट ने अपने पति मृतक स्व अनिल कुमार अडमे की ग्रेज्यूटी आदि की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 28 October 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 28 October 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 05 October 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दें-
1. यदि किसी कारणवश कक्षा तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

संभाग स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी का शानदार प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। संभाग स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता २०२६ में सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संस्था का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रतिभावान छात्र अनीश हनवत ने तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। यह उपलब्धि विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र सहारे के कुशल नेतृत्व एवं निरंतर प्रोत्साहन का परिणाम है। प्राचार्य श्री सहारे के द्वारा समय समय पर विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। विद्यार्थियों को संभाग स्तर की प्रतियोगिता के लिए तैयार करने एवं प्रतियोगिता स्थल तक ले जाने में मार्गदर्शक शिक्षक श्रीमती अन्नू राहंगडाले का विशेष योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाला प्रभारी सी नागरिका का भी विशेष सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने अनीश हनवत की इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें

आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएँ दीं। संभाग स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता का आयोजन नोडल अधिकारी,संयुक्त संचालक एवं पंडित लज्जा शंकर झा के प्राचार्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांदीपनि विद्यालय खैरलांजी के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय परिवार, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। यह सफलता विद्यालय में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

अंडर-15 एवं अंडर-22 क्रिकेट चयन प्रक्रिया 10 अक्टूबर को

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिला क्रिकेट संघ बालाघाट द्वारा आगामी क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। संघ के सचिव निशांत मिश्रा ने बताया कि अंडर-15 एवं अंडर-22 आयु वर्ग के खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया 10 अक्टूबर 2026 को मुलना स्टेडियम, बालाघाट में शाम 4 बजे से आयोजित होगी। चयन प्रक्रिया में पात्र खिलाड़ी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अंडर-15 आयु वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की जन्मतिथि 1 सितंबर 2011 से 30 अगस्त 2013 के बीच होना आवश्यक है। वहीं अंडर-22 आयु वर्ग के लिए खिलाड़ी की जन्मतिथि 1 सितंबर 2004 के बाद की निर्धारित की गई है। खिलाड़ियों की पात्रता का निर्धारण निर्धारित जन्मतिथि के आधार पर किया जाएगा। जिला क्रिकेट संघ ने पात्र खिलाड़ियों से चयन प्रक्रिया में निर्धारित समय पर मुलना स्टेडियम पहुंचने की अपील की है। खिलाड़ियों को चयन के दौरान आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जन्मतिथि एवं अन्य जरूरी जानकारी का सत्यापन किया जा सके। संघ ने खिलाडियों से समय की पाबंदी के साथ चयन प्रक्रिया में शामिल होने का आग्रह किया है। जिला क्रिकेट संघ के अनुसार यह चयन प्रक्रिया आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण है। संघ ने जिले के पात्र युवा क्रिकेट खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में चयन प्रक्रिया में शामिल होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की अपील की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

पांच साल भोजन पकाया, अब बिना नोटिस बाहर! डेढ़ दर्जन महिलाओं पर टूटा रोजगार का संकट

एकलव्य कन्या छात्रावास उकवा का मामला, स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने प्रबंधन पर मनमानी का लगाया आरोप, चौथी बार कलेक्ट्रेट पहुंचकर लगाई गुहार पुराने समूह को काम देने की मांग

पदमेश न्यूज। बालाघाट। बैहर विधानसभा क्षेत्र के उकवा में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के कन्या छात्रावास में करीब पांच वर्षों से भोजन बनाने का काम कर रहीं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को अचानक काम से हटा दिए जाने का मामला अब कलेक्ट्रेट तक पहुंच गया है। रोजगार छिनने के बाद करीब डेढ़ दर्जन महिलाओं के सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार को महिलाएं चौथी बार कलेक्ट्रेट पहुंचीं और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर उन्हें दोबारा भोजन बनाने का काम दिए जाने तथा पूरे मामले की जांच कराने की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि उन्हें न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही काम से हटाने का कोई लिखित कारण बताया गया। अचानक रोजगार से बाहर किए जाने को लेकर महिलाओं में खासा आक्रोश है।

ज्ञापन देने पहुंची सागर स्व-सहायता समूह और नवीन जागृति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि वे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा के कन्या छात्रावास में अप्रैल 2022 से भोजन बनाने का कार्य कर रही थीं। महिलाओं के अनुसार करीब 20 सदस्य इस काम से जुड़ी थीं और इसी रोजगार के सहारे उनके परिवारों का भरण-पोषण चल रहा था। उनका कहना है कि 25 जुलाई 2026 से स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें अचानक भोजन बनाने के कार्य से हटा दिया गया। जब महिलाओं ने इसका कारण जानने का प्रयास किया तो उन्हें कथित तौर पर केवल इतना बताया गया कि ऊपर से आदेश आया है और अब शिक्षकों के माध्यम से भोजन व्यवस्था संचालित की जाएगी। महिलाओं का सवाल है कि यदि वास्तव में ऊपर से कोई आदेश आया था तो उन्हें उसका लिखित आदेश या उसकी प्रति क्यों नहीं दिखाई गई। समूह की सदस्य शाहिना अली ने बताया कि काम से हटाए जाने के कुछ समय बाद छात्रावास में भोजन बनाने का कार्य समीपस्थ गांव की अन्य महिलाओं से कराया जाने लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पुरानी व्यवस्था का विरोध करने के बाद पूर्व समूह की केवल दो महिलाओं को ही काम पर रखा गया, जबकि बाकी महिलाओं को रोजगार से वंचित कर दिया गया। शाहिना अली का कहना है कि वर्षों तक छात्रावास में भोजन बनाने का काम करने के बाद अचानक बिना नोटिस और स्पष्ट कारण बताए रोजगार से बाहर करना महिलाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने स्कूल के कुछ शिक्षकों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि नई व्यवस्था के लिए कोई शासकीय आदेश था तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। महिलाओं का कहना है कि वे किसी विशेष व्यक्ति के विरोध में नहीं हैं, बल्कि उनका संघर्ष अपने रोजगार और अधिकार को लेकर है। कलेक्ट्रेट पहुंची महिलाओं ने बताया कि इस संबंध में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त को भी शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि रोजगार छिन जाने के बाद परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। महिलाओं ने कलेक्टर से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, भोजन व्यवस्था में बदलाव के संबंध में जारी आदेश की वास्तविकता सामने लाई जाए और यदि पुरानी व्यवस्था में समूह की महिलाओं द्वारा कार्य किया जा रहा था तो उन्हें दोबारा रोजगार दिया जाए। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि वे अपनी मांग को लेकर पीछे हटने वाली नहीं हैं और जरूरत पड़ने पर आगे भी प्रशासन के समक्ष अपनी आवाज उठाती रहेंगी।

शासन के नियम अनुसार ही छात्रावास का संचालन हो रहा हैं - शकुंतला

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग शकुंतला डामोर ने बताया की एकलव्य आवासीय विद्यालयों का संचालन केंद्र शासन के द्वारा किया जाता है। केंद्र शासन के आदेश के अनुसार ही स्कूल और छात्रावास में भोजन व्यवस्था का संचालन स्कूल प्रबंधन द्वारा कराया जाता है। हमारा इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। समूह की महिलाओं द्वारा काम से बंद किए जाने को लेकर मिलकर चर्चा की गई थी, उस समय उन्हें इस संबंध में जानकारी भी दी गई थी।

पत्नी को साथ रखने पर भड़के ससुराल पक्ष के लोग

साले और चाचा ससुर ने डंडे से की मारपीट- जान से खत्म करने की दी धमकी, किरनापुर थाने के ग्राम पल्हेरा की घटना

पदमेश न्यूज। बालाघाट। करनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पल्हेरा में पत्नी को अपने साथ रखने की बात ससुराल पक्ष के लोगों को नागवार गुजरी। इसी बात को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ उसके साले और चाचा ससुर द्वारा कथित रूप से डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। मारपीट के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद आरोपियों द्वारा दोबारा बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। पुलिस ने घायल युवक मनीष पिता देवन लाल राहंगडाले 35 वर्ष की रिपोर्ट पर उसके साले संजू कटरे और चाचा ससुर सूरज कटरे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति-पत्नी के साथ में रहने से नाराज था ससुराल पक्ष

जानकारी के अनुसार ग्राम पल्हेरा निवासी मनीष राहंगडाले खेती-किसानी के साथ दूध का व्यवसाय करता है। उसकी पत्नी नेहा कुछ समय से अलग होकर किरनापुर में रह रही थी। वन स्टॉप सेंटर की समझाइश के बाद गत 31 अगस्त से नेहा अपने पति मनीष के साथ पल्हेरा में राजी खुसी से रहने लगी थी। नेहा का मायका भी पल्हेरा में ही है।बताया गया कि 3 अक्टूबर को मनीष के साले संजू कटरे और चाचा ससुर सूरज कटरे ने गांव में बैठक रखी। बैठक में मनीष द्वारा नेहा को अपने साथ गांव में रखने को लेकर आपत्ति जताई गई। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने मनीष और उसकी पत्नी के गांव में रहने पर सवाल उठाए।

पूछने पहुंचा तो बढ़ गया विवाद की डंडे से मारपीट

अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे मनीष इसी बात को लेकर अपने चाचा ससुर सूरज कटरे के पास पहुंचा। आरोप है कि बातचीत के दौरान सूरज ने मनीष के साथ अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दी। इसी बीच संजू भी मौके पर पहुंच गया। दोनों ने मनीष के साथ गाली-गलौज की। मनीष ने गाली देने से मना किया तो विवाद और बढ़ गया। संजू और सूरज ने मनीष को पकड़ लिया और सूरज ने डंडे से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान मनीष जमीन पर गिर गया। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उसे बचाया।

सवाल पूछने पर जाते-जाते दी धमकी

घटना के बाद दोनों आरोपी हाथों में लकड़ी लेकर वहां से चले गए। मनीष का आरोप है कि जाते समय दोनों ने दोबारा इस मामले में बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। घटना के बाद मनीष अपनी पत्नी नेहा के साथ किरनापुर थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।पुलिस ने घायल मनीष का किरनापुर अस्पताल में उपचार कराया। उसकी रिपोर्ट पर संजू कटरे और सूरज कटरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले को विवेचना में लेकर घटना के संबंध में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

नवरात्रि से पहले देवटोला से टेकाड़ी तक सड़क सुधार की उठी मांग

पदमेश न्यूज। बालाघाट। देवटोला से टेकाड़ी तक जर्जर हो चुकी सड़क को लेकर क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने अब प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। सड़क की बदहाल स्थिति और लगातार बढ़ रहे दुर्घटना के खतरे को देखते हुए नागरिकों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर नवरात्रि पर्व से पहले मार्ग को सुरक्षित और आवागमन योग्य बनाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद जिम्मेदारों द्वारा इस ओर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके चलते आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि देवटोला से आवलाझरी, कटिंगटोला, सिवनी कैंप, भरवेली बाजार, भरवेली मॉयल चौक, भरवेली मुण्डिमाई, हीरापुर, मानेगांव और पायली होते हुए टेकाड़ी तक जाने वाला यह मार्ग वर्तमान में जगह-जगह गड्ढों से बदहाल है। सड़क पर वाहनों के गुजरने से धूल उड़ने की समस्या भी बनी हुई है। वहीं मार्ग से भारी वाहनों की आवाजाही के कारण दुर्घटना की आशंका और बढ़ गई है। सड़क की खराब स्थिति का असर प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, किसानों और अन्य नागरिकों पर पड़ रहा है। भरवेली निवासी गौरव पटले ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। सड़क पर मौजूद गड्ढों और खराब स्थिति के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है और छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि पर्व के दौरान माता ज्वाला देवी मंदिर सहित क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही काफी बढ़ जाती है। ऐसे में यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो पर्व के दौरान यह मार्ग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन सकता है। नागरिकों ने स्पष्ट किया कि वे विकास कार्यों के विरोधी नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित आवागमन और दुर्घटनाओं की रोकथाम की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन के माध्यम से नागरिकों ने देवटोला-टेकाड़ी मार्ग का तत्काल स्थल निरीक्षण कराने, नवरात्रि से पहले गड्ढों और जर्जर हिस्सों की मरम्मत कराने, धूल नियंत्रण की व्यवस्था करने तथा भारी वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है। इसके अलावा मार्ग पर दुर्घटना रोकने के लिए संकेतक और अन्य सुरक्षा व्यवस्था करने तथा भविष्य की समस्या से बचने के लिए सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी सुधार कराने की मांग भी रखी गई है। नागरिकों ने कलेक्टर से जनहित और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समय रहते कार्रवाई की मांग की है, ताकि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं सहित आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल

किसानों की सिंचाई समस्या दूर करने की दिशा में बड़ा कदम

पाथरी नहरों के लिए 2.70 करोड़ की पुनरीक्षित स्वीकृति

पदमेश न्यूज। बालाघाट। विधानसभा क्षेत्र के किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग अब धरातल पर उतरने की दिशा में आगे बढ़ी है। पाथरी लघु जलाशय की जर्जर नहरों के सुदृढ़ीकरण एवं लाइनिंग कार्य के लिए करीब 2.70 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति मिलने की जानकारी सामने आई है। इस कार्य के पूरा होने के बाद खमरिया ब्लॉक के 30 से अधिक गांवों के किसानों को सिंचाई व्यवस्था में राहत मिलने की उम्मीद है। नहरों के जीर्ण-शीर्ण होने और जगह-जगह जल प्रवाह प्रभावित होने के कारण लंबे समय से किसान परेशानी झेल रहे थे। ऐसे में नहरों की मरम्मत, सुदृढ़ीकरण और लाइनिंग को क्षेत्र की कृषि व्यवस्था के लिए अहम कदम माना जा रहा है। पाथरी लघु जलाशय की नहरों की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा लंबे समय से शासन-प्रशासन से सुधार की मांग की जा रही थी। किसानों का कहना था कि नहरों की हालत खराब होने के कारण जलाशय का पानी खेतों तक अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच पाता, जिससे सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होती है। अब लाइनिंग एवं सुदृढ़ीकरण के बाद पानी के प्रवाह को व्यवस्थित करने के साथ उपलब्ध जल का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। इससे खमरिया ब्लॉक के 30 से अधिक ग्रामों में खेती करने वाले किसानों को सीधे लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि किसानों की नजर अब स्वीकृति के बाद शुरू होने वाली विभागीय प्रक्रिया और

वास्तविक निर्माण कार्य पर टिकी है। पाथरी लघु जलाशय की नहरों के सुदृढ़ीकरण और लाइनिंग का मुद्दा बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा लगातार शासन के समक्ष उठाया जाता रहा है। विधायक की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव के समक्ष किसानों की सिंचाई समस्या को रखा गया था। विधानसभा में भी विधायक ने पाथरी जलाशय की नहरों की स्थिति और किसानों को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया था। विधानसभा के उपलब्ध अभिलेख के अनुसार नहरों की लाइनिंग के लिए 270.37 लाख रुपए का प्रस्ताव आरआरआर मद के अंतर्गत तैयार किए जाने का उल्लेख है। अब पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद इस कार्य के आगे बढ़ने का रास्ता साफ हुआ है। विधायक कार्यालय के अनुसार स्वीकृति के बाद अब निविदा सहित अन्य विभागीय प्रक्रियाएं पूरी की जानी हैं। किसानों की उम्मीद है कि कागजों में स्वीकृति तक सीमित रहने के बजाय विभागीय प्रक्रिया जल्द पूरी कर काम मौके पर शुरू कराया जाएगा। विधायक अनुभा मुंजारे ने स्वीकृति मिलने पर मध्यप्रदेश शासन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पाथरी लघु जलाशय की नहरों का सुदृढ़ीकरण क्षेत्र के किसानों की महत्वपूर्ण और लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसे शासन के समक्ष लगातार उठाया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि किसानों के हितों से जुड़े सिंचाई कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना उनका प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासकीय स्वीकृति के बाद उनकी प्राथमिकता यह रहेगी कि विभागीय प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो और निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से शुरू होकर पूरा कराया जाए। पाथरी नहरों का सुदृढ़ीकरण केवल नहरों की मरम्मत का मामला नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध क्षेत्र के किसानों की फसल और सिंचाई सुरक्षा से है। पानी की बेहतर उपलब्धता से किसानों को खेती के दौरान सिंचाई की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। पाथरी लघु जलाशय की नहरों के सुधार की स्वीकृति से क्षेत्र के किसानों में उम्मीद जगी है। लंबे समय से जर्जर नहरों के कारण प्रभावित हो रही सिंचाई व्यवस्था को देखते हुए यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब किसानों की अपेक्षा है कि करीब 2.70 करोड़ रुपए की स्वीकृति के बाद काम की गुणवत्ता और समयसीमा पर भी उतनी ही गंभीरता दिखाई जाए, जितनी स्वीकृति हासिल करने में दिखाई गई है। विधायक ने कहा कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में सिंचाई के साथ सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को भी शासन और विधानसभा के स्तर पर लगातार उठाया जाता रहेगा।

ग्राम रक्षक, कोटवार एवं चौकीदार संघ की नई कार्यकारिणी गठित

सालिकराम मेश्राम बने जिला अध्यक्ष, विभिन्न पदों पर नए पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय, कम मानदेय और खराब गुणवत्ता की वर्दी को लेकर जल्द आंदोलन की तैयारी

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश ग्राम रक्षक, कोटवार एवं चौकीदार संघ जिला शाखा बालाघाट की कार्यकारिणी का पुनर्गठन मंगलवार, 6 अक्टूबर को कमला नेहरू भवन, बालाघाट में किया गया। कार्यक्रम पूर्व अध्यक्ष इलेब्खर डोंगरे के मुख्य आतिथ्य तथा प्रभारी अध्यक्ष सालिकराम मेश्राम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें जिले की विभिन्न तहसीलों से बड़ी संख्या में कोटवार, ग्राम रक्षक एवं चौकीदार शामिल हुए। बैठक के दौरान संघ की आगामी गतिविधियों और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर भी चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों की सर्वसम्मति से जिला शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में सालिकराम मेश्राम को जिला अध्यक्ष चुना गया। वहीं भगवानदास खोब्रागड़े एवं आशाबाई मेश्राम को उपाध्यक्ष, राजेन्द्र भावाधरे को महासचिव तथा राजेन्द्र उके को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। दिमाक उके को सहसचिव, विजय बोम्बर्डे को कोषाध्यक्ष, महेन्द्र गेडाम को संगठन मंत्री, बसेल मड़ामे को प्रचार मंत्री तथा संतोष बारमाटे को मीडिया प्रभारी बनाया गया। इसके अलावा आनंदराम टेमके को वरिष्ठ सदस्य की जिम्मेदारी दी गई। विभिन्न पदों के लिए सदस्यों द्वारा प्रस्ताव और समर्थन किया गया।

कार्यकारिणी के गठन के बाद उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संघ के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सालिकराम मेश्राम ने कहा कि ग्राम रक्षक, कोटवार एवं चौकीदारों को वर्तमान में जो मानदेय दिया जा रहा है, वह बेहद कम है। उन्होंने मांग की कि शासन की कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार उन्हें उचित मानदेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कम मानदेय में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है, जबकि ग्राम स्तर पर उन्हें लगातार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना पड़ता है। इसके अलावा कोटवारों को उपलब्ध कराई जाने वाली ड्रेस की गुणवत्ता को लेकर भी उन्होंने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वर्तमान में मिलने वाली ड्रेस की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है और इस ओर भी शासन को ध्यान देना चाहिए। सालिकराम मेश्राम ने बताया कि संघ से जुड़े कर्मचारियों की कई स्थानीय समस्याएं भी हैं, जिन्हें लेकर जल्द ही प्रदेश संगठन के आह्वान पर आंदोलन की तैयारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन की पूरी रणनीति अभी तय नहीं हुई है, लेकिन संघ अपनी मांगों को लेकर अब चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने संकेत दिया कि यदि उनकी समस्याओं और मांगों पर शासन स्तर से उचित पहल नहीं होती है तो जिले में बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में सीधे खातों में राशि पहुंचने की व्यवस्था कर्मचारियों के लिए बेहतर थी और इस प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था को लेकर भी संघ अपनी बात शासन के समक्ष रखेगा। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने के संकेत दे दिए हैं।

पीजी कॉलेज में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विषयों पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग के निर्देशानुसार 6 अक्टूबर 2026 को सामान्य स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत अटूट आस्था और सांस्कृतिक स्वाभिमान विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपराओं और राष्ट्रीय स्वाभिमान से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उनकी रचनात्मकता, लेखन-कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने निर्धारित विषय पर सुव्यवस्थित एवं प्रभावपूर्ण ढंग से अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता, पारंपरिक मान्यताओं, आस्था, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय अस्मिता के विभिन्न पहलुओं को रेखांकित किया। प्रतियोगिता के पश्चात निर्धारित मापदंडों के आधार पर निबंधों का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के आधार पर एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा निरुमा खोबरागड़े ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुमरन यादव ने द्वितीय तथा रहिमा उइके ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में सांस्कृतिक विरासत के प्रति समझ विकसित करने के साथ स्वतंत्र चिंतन, लेखन-कौशल और प्रभावी अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, भारतीय ज्ञान परंपरा की नोडल अधिकारी डॉ. कंचन मसराम, भारतीय ज्ञान परंपरा की संयोजक डॉ. रचना कोरी, आयोजन समिति के संयोजक संजय कुमार बिसेन तथा समिति सदस्य श्रीमती सविता गेड़ाम सहित संबंधित प्राध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सुविधा बनी दुविधा, लाखों की लागत से बना यात्री प्रतीक्षालय और शौचालय जर्जर

टूटी कुर्सियों और गंदगी के बीच बस का इंतजार करने को मजबूर यात्री

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के हृद्य स्थल बस स्टैंड में लाखों रूपये की लागत से बना यात्री प्रतीक्षालय और सार्वजनिक पेशाबघर देखरेख के अभाव में बदहाली के आंसू बहा रहा है। शासन-प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए निर्मित यह परिसर नियमित साफ-सफाई न होने और रखरखाव के अभाव में अब लोगों के लिए भारी असुविधा का केंद्र बन चुका है। वहीं दूर-दराज जाने वाले यात्रियों को धूप और बारिश से बचाने तथा बस के इंतजार के दौरान बैठने की सुविधा देने के उद्देश्य से जनपद पंचायत के अधीन इस प्रतीक्षालय का निर्माण कराया गया था। इसके साथ ही एक सार्वजनिक पेशाबघर भी बनवाया गया था। लेकिन वर्तमान में बस स्टैण्ड एवं उसके पीछे हाई स्कूल मार्ग पर बना शौचालय (प्रसाधन) रखरखाव की जिम्मेदारी संभाल रही एजेंसी की अनदेखी के कारण उक्त स्थान पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है और जर्जर हो चुकी है। साथ ही कुछ लोग यात्री प्रतिक्षालय में शराब का सेवन भी करते है, जिसके चलते कुछ स्थानों पर शराब की बोतल पड़ी हुई है। वहीं यात्री प्रतिक्षालय में बैठने की कुर्सी टूट-फुट चुकी है, शौचालय व प्रतिक्षालय में गंदगी होने से सभी को परेशानी हो रही है। इस कारण से लोग यात्री प्रतिक्षालय में न बैठते हुए दुकानों के सामने बैठकर बस का इंतजार करने मजबूर है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे जनपद प्रशासन के प्रति लोगों में रोष व्याप्त है।

जिम्मेदारों के प्रति रोष व्याप्त, साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की मांग

आपकों बता दे कि लालबर्रा के हृद्यस्थल बस स्टैण्ड में लाखों रूपयों की लागत से यात्रीगणों की सुविधा के लिए विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से यात्री प्रतिक्षालय एवं बस स्टैण्ड के पीछे बने पुरूष प्रसाधन का निर्माण किया गया है। जिसकी देख-रेख करने की जिम्मेदारी जनपद प्रशासन की है, लेकिन देख-रेख के अभाव में जीर्णशीर्ण होने के साथ ही गंदगी का अंबार लगा हुआ है। साथ ही यात्रीगणों के लिए ठंडे पानी की मशीन भी उपलब्ध है लेकिन नियमित सफाई नही होने से उक्त स्थान पर गंदगी फैली हुई है। इसी तरह यात्री प्रतिक्षालय के अंदर एवं पुरूष प्रसाधन में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं प्रतीक्षालय में यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां टूट-फूट चुकी हैं, जिससे लोगों को घंटों खड़े रहकर बस का इंतजार करना पड़ता है। वहीं पेशाबघर की स्थिति और भी बदतर है। वहां की टाइल्स उखड़ चुकी हैं और नियमित सफाई न होने से चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। दुर्गंध के कारण यात्रियों का वहां रूकना तक दूभर हो गया है। जबकि बस स्टैंड पर प्रतिदिन आने-जाने वाले सैकड़ों यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को इस अव्यवस्था के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जनसुविधा के नाम पर बनी यह इमारत अब केवल कागजों और ढांचों में ही सीमित रह गई है। स्थानीय निवासियों एवं यात्रियों ने जनपद पंचायत व संबंधित प्रशासन से मांग की है कि यात्री प्रतीक्षालय एवं पुरूष प्रसाधन की तत्काल मरम्मत, टूटी कुर्सियों को बदलने तथा पेशाबघर की नियमित साफ-सफाई करवाने की मांग की है।

नियमित रूप से साफ-सफाई होनी चाहिए - राजकुमार

राजकुमार झाड़ेकर ने बताया कि बस स्टैंड स्थित शौचालय एवं प्रतिक्षालय की स्थिति बेहद दयनीय है। सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जाता और न ही हाथ धोने के लिए पानी की कोई समुचित व्यवस्था है। गंदगी के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि जनपद प्रशासन को स्थाई सफाई कर्मचारी नियुक्त कर नियमित साफ-सफाई करवानी चाहिए ताकि स्वच्छता बनी रही।

जनपद प्रशासन व्यवस्था में करेगे सुधार - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि यात्री प्रतिक्षालय, हाई स्कूल मार्ग स्थित पुरूष प्रसाधन की देख-रेख की जिम्मेदारी जनपद प्रशासन की है। लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिस कारण से शौचालयों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं दुसरी ओर जनपद पंचायत लंबे-चौड़े दावे तो करती है, लेकिन अपने शौचालयों की व्यवस्था तक नहीं संभाल पा रही। जिससे यात्रीगणों सहित स्थानीयजनों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री खान ने बताया कि स्व'छ भारत अभियान के तहत शौचालयों की नियमित सफाई, पुताई और लाइट आदि की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही असामाजिक तत्वों द्वारा शराब का सेवन भी यात्री प्रतिक्षालय में किया जाता है और गंदगी के कारण उक्त स्थान पर यात्रीगण बैठना भी पसंद नही करते है। सबसे अधिक परेशानी महिला यात्रियों को होती है इसलिए जनपद प्रशासन से मांग है कि नियमित सफाई एवं जो कमी है उसे दुर करें।

इनका कहना है-

लालबर्रा बस स्टैण्ड के यात्री प्रतिक्षालय एवं प्रसाधन में फैली गंदगी की सफाई एवं अन्य सुविधाओं के अभाव के कारण लोगों को हो रही परेशानियों के संबंध में आपके माध्यम से संज्ञान में आया है। जल्द ही स्थल निरीक्षण कर साफ-सफाई करवा दी जायेगी एवं अन्य समस्याओं को भी दुर करने का प्रयास किया जायेगा।

सुश्री शाह
प्रभारी सीईओं
जनपद पंचायत लालबर्रा।

महाविद्यालय में सेवा सेतु अभियान एवं नशा मुक्त भारत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में ''सेवा सेतु अभियान एवं नशा मुक्त भारत अभियान'' विषय पर मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पांढरवानी

सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य, प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे की अध्यक्षता, अनिल शर्मा, ढालसिंह बिसेन के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में ''सी.एम.यूथ कॉन्क्लेव 2026'' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। वहीं कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि हमारा एक विद्यार्थी भी नशे से दूर रहने का संकल्प लेता है और दूसरे लोगों को भी जागरूक करता है तो यह समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान होगा। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने कहा की नशा किसी समस्या का समाधान नहीं बल्कि स्वयं एक बड़ी समस्या है। युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को शिक्षा, खेल, योग, ध्यान तथा रचनात्मक कार्यों में लगाये। अनिल शर्मा ने कहा कि आज हम सभी मिलकर संकल्प ले कि न नशा करेंगे, न नशा को बढ़ावा देगे और दूसरो को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। ढालसिहं बिसेन ने कहा कि गायत्री परिवार सदैव विचार, आचरण शुध्दि और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश देता है। यदि हमारे विचार अच्छे होंगे तो हमारे कर्म भी अच्छे होंगे। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, योग, ध्यान, स्वाध्याय, सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। विरेन्द्र बिसेन ने कहा की नशामुक्ति की शुरूआत स्वयं से होती है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि न हम नशा करेंगे और न किसी दूसरे को नशे की ओर जाने देंगे। कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, जनप्रतिनिधि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

असामाजिक तत्वों ने नल की टोटियों और सेप्टिक टैंक के चैम्बर को किया क्षतिग्रस्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 में सुविधाओं के अभाव के बीच नौनिहाल बच्चों को शिक्षा एवं अध्यापन कार्य करवाया जा रहा है। केन्द्र परिसर में पीएचई विभाग द्वारा बनाया गया सेप्टिक टैंक

का चैंबर (ढक्कन) एवं पानी के नल की टोटियों को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। नल की टोटियां गायब होने से बच्चों को पीने के पानी के लिए भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सेप्टिक टैंक का ढक्कन क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। जिससे वार्डवासियों में रोष व्याप्त है। चर्चा में नूरकलाम ने बताया कि आंगनवाड़ी केन्द्र भवन परिसर में बना सेप्टिक टैंक का चैंबर क्षतिग्रस्त हो चुका है, ब'चें खेलते समय पीछे की ओर जाते है और अनियंत्रित होकर गिरते है तो दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। जबकि इस समस्या से कई बार सरपंच-सचिव को भी अवगत करवा दिया गया है। हमारी मांग है कि सेप्टिक टैंक का ढक्कन एवं पानी के नल की टोटियां जो क्षतिग्रस्त हो चुकी है उसका मरम्मत कार्य करवाकर नई टोटियां लगाई जाये। वहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती तस्किम कुरैशी ने बताया कि इसके पूर्व भी असामाजिक तत्वों द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र के मुख्य गेट का ताला 4 से 5 बार तोड़, दिया गया है और असामाजिक तत्व अंदर घुसकर गंदगी फैलाते हैं। इस संबंध में पूर्व में लालबर्रा थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी, लेकिन अब तक उपद्रवियों पर कोई ठोस कार्यवाही नही हुई है। शासन-प्रशासन एवं पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सेप्टिक टैंक के क्षतिग्रस्त ढक्कन व पानी के नल की तत्काल मरम्मत कराये ताकि बच्चों को सुरक्षित माहौल और पेयजल सुविधा मिल सके।

इनका कहना है-

आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 3 में पानी के नल की टोटियों सहित अन्य स्थानों का पूर्व में मरम्मत कार्य करवाया गया था। लेकिन कुछ असामाजिक तत्व अंदर घुसकर नुकसान पहुंचा रहे है। जल्द ही सेप्टिक टैंक, पानी के नल की मरम्मत कार्य करवा दी जायेगी।

राजेश मेश्राम
सचिव
ग्राम पंचायत अमोली।

अमोली सर्किल मरार-माली समाज की बैठक संपन्न

जिला प्रस्तावों और समाजोत्थान पर हुई विस्तृत चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत ग्राम रामजीटोला स्थित मरार माली समाज भवन में मंगलवार को मरार माली समाज सर्किल अमोली की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा समाज के आराध्य महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित व माल्यार्पण कर किया गया। बैठक मरार माली समाज के जिला उपाध्यक्ष ओपी बाहेश्वर, नेवरगांव (ला.) सरपंच, संगठन मंत्री संतोष पंचेश्वर, जिला प्रतिनिधि श्रीमती कंठेश्वरी बाहेश्वर, महिला मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानेश्वरी/भाऊराम गाड़ेश्वर तथा ब्लॉक सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित की गई।

15 जिला प्रस्तावों पर बनी सहमति, कम खर्च में विवाह एवं अन्य कार्यक्रम पर जोर

आयोजित बैठक के दौरान नेवरगांव (ला.) सरपंच, संगठन मंत्री संतोष पंचेश्वर ने जिला आमसभा में पूर्व में पारित 15 प्रस्तावों को क्रमवार पढ़कर सुनाया। एक जिला-एक नियम के तहत पारित इन निर्णयों पर विस्तृत चर्चा की गई और सामाजिक स्तर पर इनके कड़ाई से पालन करने की अपील की गई। वहीं बैठक में फिजूलखर्ची रोकने के उद्देश्य से वैवाहिक व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों को कम खर्च में संपन्न कराने तथा कुरीतियों में सुधार करने के लिए सामाजिक बंधुओं को प्रेरित किया गया। साथ ही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सर्किल के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम बैठकों के माध्यम से इन 15 नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जायेगा। वहीं बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं वक्ताओं ने सामाजिक एकता, सदस्यता अभियान की गति बढ़ाने, शिक्षा के स्तर में सुधार तथा संगठन विस्तार पर विशेष जोर दिया। साथ ही पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने समाजोत्थान के कार्यों को गति देने और सामाजिक कुरीतियों को दूर कर समाज को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थितजनों ने भी कहा कि समाज की कुछ कुरीतियों को दुर करना अति आवश्यक है। साथ ही ब'चों की अ'छी शिक्षा देने, व्यसनों से दुर रहने, समाज एवं स्वयं के विकास पर विशेष जोर देने की बात कही। चर्चा में मरार माली समाज सर्किल अमोली अध्यक्ष बेनीराम पंचेश्वर ने बताया कि मंगलवार को रामजीटोला में अमोली सर्किल ग्राम मरार माली की आवश्यक बैठक आयोजित संपन्न हुई। इस बैठक में सर्किल के अंतर्गत आने वाले 10 ग्राम के अध्यक्ष, सचिव एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित हुए, जिन्हे जिला प्रस्तावों को पढ़कर सुनाया गया है और उस निर्णय के अनुसार समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने कहा गया है। इस दौरान सर्किल अमोली के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों के पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु एवं महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पंजीयन में बाधा बना सर्वर

खमरिया के सेवा सहकारी समिति में पंजीयन नही होने से किसान परेशान, जिम्मेदार मौन, किसानों में रोष व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। म.प्र. शासन के निर्देशानुसार नवंबर-दिसंबर माह में समर्थन मूल्य में धान खरीदी होना है। जिसके लिए समर्थन मूल्य पर अपनी उपज विक्रय करने के पूर्व किसानों का पंजीयन होना अनिवार्य है। शासन के निर्देशानुसार गत दिवस से सेवा सहकारी समितियों एवं ऑनलाइन केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय के लिए पंजीयन प्रारंभ हो चुका है जो 10 अक्टूबर तक चलेगा। किन्तु सर्वर की समस्या के चलते किसानों का ऑनलाइन पंजीयन नहीं हो पा रहा है जिससे किसान बहुत परेशान है और वह रोज सुबह से लेकर शाम तक सेवा सहकारी समितियों में घंटों इंतजार कर रहे है एवं चक्कर लगाने मजबूर है। खमरिया के सेवा सहकारी समिति में मंगलवार को समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने हेतु पंजीयन के पोर्टल का सर्वर नही चलने के कारण सुबह से दुर-दराज से पहुंचे किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा और वहीं पंजीयन के लिए भूखे-प्यासे घंटो इंतजार करने के बाद भी पंजीयन नही होने से उन्हे बिना पंजीयन करवाये बैरंग लौटना पड़ा। इस तरह से प्रशासन की लचर व्यवस्था के प्रति किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है जिसे महज 4 दिन बचे है और अब तक आधे किसानों का भी पंजीयन नही हो पाया हैं। अगर समय पर पंजीयन नही हुआ तो किसान समर्थन मूल्य में उपज विक्रय करने से वंचित हो सकते है। इसलिए खमरिया सहित अन्य क्षेत्र के किसानों ने जिला प्रशासन से सर्वर की समस्या को दुर करने एवं पंजीयन की तिथि बढ़ाने की मांग की है।

पंजीयन की प्रक्रिया को शिथिल या सर्वर में सुधार की उठी मांग

आपकों बता दे कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने तथा दलालों व बिचौलियों के शोषण से बचाने के लिए प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जाती है। खरीदी से पूर्व किसानों को सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से पंजीयन कराना अनिवार्य होता है, ताकि वे अपनी उपज को समर्थन मूल्य पर बेच सकें। वहीं गत 15 सितंबर से पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है किन्तु समिति के कर्मचारियों के हड़ताल एवं फसलों की गिरदावरी नही होने के कारण काफी देर से पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। वहीं वर्तमान में अब सर्वर नही चलने से पंजीयन नही हो पा रहा है जिससे किसान बेहद परेशान है। किसानों का कहना है कि सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने के लिए पहले पंजीयन होना आवश्यक कर दिया गया है और उसकी प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। लेकिन शासन अपनी वेबसाइट को अपडेट नहीं कर पा रहा है। जिसकी वजह से आये दिन किसान सेवा सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर उपज बेचने के लिए पंजीयन करवाने पहुंचता है। किन्तु सर्वर डाउन की समस्या के चलते घंटो इंतजार करना पड़ता है और अंत में सर्वर प्रारंभ नहीं होने के कारण शाम में निराश होकर वापस अपने घर लौट रहे है और यह सिलसिला विगत कई दिनों से चल रहा है जिससे किसानों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि इस समर्थन मूल्य पंजीयन की प्रक्रिया को शिथिल करें या सर्वर में सुधार करें क्योंकि इस पंजीयन की अनिवार्यता और सर्वर नहीं चलने के कारण किसानों को बहुत परेशानी हो रही है। यदि यही स्थिति रही तो बहुत से किसान अपना पंजीयन नहीं करवा पायेगें और उन्हें समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने से वंचित होना पड़ेगा। वहीं जिला खाद्य विभाग के डीएसओ संतलाल भलावी से दूरभाष पर समर्थन मूल्य पर उपज विक्रय हेतु पंजीयन की साइड का सर्वर नही चलने से किसानों को हो रही परेशानी एवं सर्वर की समस्या को दुर करने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

सर्वर नही चलने से पंजीयन करने में आ रही समस्या - झनकार

सेवा सहकारी समिति खमरिया के कर्मचारी झनकार बिसेन ने बताया कि ई-उपार्जन की पोर्टल/साइट पर सर्वर की समस्या चल रहा है, जिस कारण पंजीयन नही हो पा रहा है, यह समस्या दो दिनों से बनी हुई है। साथ ही बड़ी संख्या में किसान पंजीयन करवाने पहुंच रहे है, सर्वर की समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। श्री बिसेन ने बताया कि पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है।

जनभागीदारी कर्मचारियों की तैनाती और महाविद्यालय परिसर में फैली गंदगी पर उठ रहे सवाल

तीन कर्मचारी राजस्व कार्यालय में दे रहे सेवाएं, विद्यार्थियों की राशि से प्रतिवर्ष लाखों वेतन भुगतान का आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शंकरसाव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी में जनभागीदारी के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों की कार्यप्रणाली और अन्य विभागों में उनकी संलग्नता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। एक ओर महाविद्यालय में जनभागीदारी के माध्यम से बड़ी संख्या में कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालय परिसर में जगह जगह गंदगी और झाडियां दिखाई दे रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों से प्राप्त जनभागीदारी राशि के सदुपयोग को लेकर छात्र छात्राओं एवं नगर वासियों में नाराजगी देखी जा रही है। जिले में शंकरसाव पटेल शासकीय महाविद्यालय वारासिवनी दूसरा बड़ा महाविद्यालय हैं जहाँ वारासिवनी के अलावा खैरलांजी, कटंगी, लालबर्रा, तिरोड़ी, बालाघाट सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन के लिए पहुंचते हैं। विद्यार्थियों की सुविधा तथा महाविद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जनभागीदारी के माध्यम से जनभागीदारी कर्मचारी, ऑपरेटर एवं शिक्षकों सहित ३५ से अधिक कर्मचारियों को कार्य पर रखा गया है। इन कर्मचारियों को पद के अनुसार करीब ८५०० से १७००० रुपये प्रतिमाह तक मानदेय दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

तीन कर्मचारी लंबे समय से राजस्व कार्यालय में है संलग्न

मामले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनभागीदारी के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों में से करीब तीन कर्मचारी वर्तमान में राजस्व विभाग के कार्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन कर्मचारियों को निर्वाचन कार्य के नाम पर एसडीएम कार्यालय में बुलाया गया था। लेकिन निर्वाचन कार्य समाप्त होने के बाद भी उन्हें महाविद्यालय में वापस नहीं भेजा गया है। वहीं इन कर्मचारियों के वेतन का भुगतान अभी भी महाविद्यालय की जनभागीदारी निधि से ही किया जा रहा है। यानी कर्मचारी अपनी सेवाएं राजस्व कार्यालय में दे रहे हैं जबकि उनके वेतन का भार महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से प्राप्त जनभागीदारी राशि पर पड़ रहा है। इस व्यवस्था को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं कि जब कर्मचारियों की सेवाएं महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं संस्थान की व्यवस्थाओं के लिए निर्धारित हैं तो उन्हें लंबे समय तक दूसरे विभाग में क्यों रखा गया है। जानकारी के अनुसार इन तीन कर्मचारियों पर जनभागीदारी निधि से करीब ४ लाख रुपये वार्षिक वेतन खर्च होने का अनुमान है। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव के समय से ये कर्मचारी महाविद्यालय में वापस उपस्थित नहीं हुए है, जबकि निर्वाचन कार्य में लगाए गए अन्य कर्मचारी अपने अपने मूल विभागों में वापस लौट चुके हैं।

५० लाख रुपये वार्षिक खर्च फिर भी सफाई व्यवस्था बदहाल

महाविद्यालय में जनभागीदारी के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों पर प्रतिवर्ष करीब ५० लाख रुपये की राशि खर्च होने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद महाविद्यालय परिसर की स्थिति कई स्थानों पर अपेक्षा के अनुरूप नजर नहीं आ रही है। वर्तमान में परिसर के आसपास एवं अंदर बड़ी बड़ी झाड़ियां फैल गई हैं। कई स्थानों पर साफ सफाई का अभाव दिखाई देता है। सार्वजनिक शौचालय के आसपास भी पर्याप्त सफाई नहीं होने की शिकायत सामने आ रही है जिससे विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जनभागीदारी कर्मचारियों में एक बड़ा वर्ग ऐसे कर्मचारियों का है जिनकी जिम्मेदारी कार्यालयीन कार्यों के साथ साथ महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़ी हुई है। इसके बावजूद परिसर में नियमित सफाई और रखरखाव का अभाव दिखाई देना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

विद्यार्थियों की राशि का सदुपयोग कर जांच की जायें

छात्र छात्राओं एवं नगरवासियों का कहना है कि जनभागीदारी के नाम पर विद्यार्थियों से प्राप्त राशि का उपयोग उनकी सुविधाओं और महाविद्यालय के विकास में होना चाहिए। यदि जनभागीदारी से नियुक्त कर्मचारियों का वेतन इसी राशि से दिया जा रहा है तो उनसे निर्धारित कार्य भी कराया जाना चाहिए। वहीं जो कर्मचारी लंबे समय से अन्य विभागों में संलग्न हैं उन्हें तत्काल महाविद्यालय में वापस बुलाकर विद्यार्थियों की सुविधा एवं महाविद्यालय की व्यवस्थाओं में लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में पूर्व में भी जनभागीदारी समिति एवं महाविद्यालय प्रबंधन का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है लेकिन अभी तक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। इससे विद्यार्थियों और नगरवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मामले को लेकर अब छात्र छात्राओं एवं नगरवासियों ने शासन.प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

महाविद्यालय में जनभागीदारी की राशि का रहे दुरुपयोग-सुनील पिपरेवार

पूर्व पार्षद सुनील पिपरेवार ने बताया की महाविद्यालय में जनभागीदारी से कर्मचारी रखे गए हैं उन्हें भुगतान होता है जिसमें विद्यार्थियों द्वारा राशि जमा की जाती है जो कर्मचारियों पर खर्च हो रही है। इसमें तीन कर्मचारी एसडीएम कार्यालय में निर्वाचन के लिए आए थे वह वापस नहीं हुए उन पर वार्षिक रूप से चार लाख रुपए खर्च होता है जो पिछले विधानसभा चुनाव से राजस्व कार्यालय में संलग्न है। वह अन्य तरीकों से जनभागीदारी राशि का दुरुपयोग हो रहा है जबकि साफ सफाई अव्यवस्था गंदगी या कर्मचारी के लिए शासन को व्यवस्था बनानी चाहिए परंतु इसमें जनभागीदारी खर्च हो रही है। कर्मचारियों का रिजल्ट भी नहीं मिल पा रहा है यदि २० कर्मचारी भी इस काम में लगे हैं तो वार्षिक २० लाख से ज्यादा रुपया खर्च हो रहा है जो बच्चों का है जिसे कॉलेज हित में खर्च करना चाहिए तो ऐसे विभिन्न कार्यालय में कर्मचारी लगाकर राशि का दुरुपयोग हो रहा है।

तीन कर्मचारी राजस्व कार्यालय में संलग्न है जिनकी वापसी के लिये पत्र लिखा गया है- एस एस गेडाम

प्रभारी प्राचार्य एस एस गेड़ाम ने बताया कि करीब २५ कर्मचारी जन भागीदारी से है तीन कर्मचारी राजस्व कार्यालय में संलग्न है चुनाव के समय प्रशासन ने कर्मचारी मांगे थे तो हमने दिए थे। चुनाव के बाद दो बार पत्र लिख चुके हैं बीच में कर्मचारी वापस हुए थे फिर पुनः चले गये। यह कर्मचारी जनभागीदारी से लगे हुए हैं तो इन्हें जनभागीदारी से भुगतान किया जा रहा है। कार्यालय में पुनः वापसी के लिए मांग की जाएगी पूर्व में पत्र दिया गया है। हमारे यहां सभी कर्मचारी कार्य पर समय पर उपस्थित है यह दिखते नहीं क्योंकि कार्यालय विभाग में यह कार्य करते हैं और लगातार साफ सफाई के लिए भी ध्यान रखा जा रहा है अभी बारिश के कारण यह झाड़ियां पनप गई है।

कमला नेहरू विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम आयोजित

कमला नेहरू के स्कूली बच्चों को खिलाई कृमि नाशक गोली

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के कमला नेहरू शासकीय कन्या विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,विधायक विवेक पटेल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की कार्यक्रम का उद्देश्य १ से १९ वर्ष तक के सभी बच्चों और किशोरों को आंतो के कृमि के संक्रमण से मुक्त करना और उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार करना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाकर उनके शिक्षा सम्बन्धी विषय पर भी लंबे समय तक चर्चा की। वहीं क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल ने भी स्वयं स्कूली बच्चों को गोली खिलाई। कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल ने बच्चों को नियमित रूप से कृमिनाशक दवा लेने, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा हाथों को साबुन से धोने प्रेरित किया। वहीं उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही बच्चों को बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास की नींव है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से मुक्त रखते हुए उनके स्वस्थ, पोषण एवं बेहतर विकास सुनिश्चित करना है। इस दवा के सेवन से बच्चों में एनीमिया, कुपोषण एवं थकान जैसी समस्याओं में सुधार होता है तथा उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जो बच्चे बीमार या अन्य दवाओं का सेवन कर रहे हो उन्हें यह गोली डॉक्टर के सलाह के बाद ही लेनी है। इस दौरान बीएमओ सत्यम शर्मा, डॉक्टर शशांक बिसेन,अद्वैत शास्त्री,स्नेहा बिसेन, श्रद्धा राहंगडाले,कुंजीलाल चौहान, शलभ बैस, जगदीश पंजाबी, बी चंद्रबेल, प्रवीणकुमार मालाधारी,वाय आर ऐडे सहित स्कूली छात्राएं मौजूद रही।

कोसरीटोला से सरंडी मार्ग बदहाल, ग्रामीण परेशान

गड्ढों से आवागमन मुश्किल, सड़क निर्माण की मांग के बावजूद नहीं हुआ समाधान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कोसरीटोला से सरंडी को जोड़ने वाले मार्ग की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है। सड़क पर जगह.जगह बड़े.छोटे गड्ढे बहार निकले गिट्टी के पत्थर और कीचड़ के कारण इस मार्ग से आवागमन करने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है जिससे मार्ग पर पैदल चलना तो दूर दोपहिया वाहनों से आवागमन करना भी मुश्किल हो जाता है।

बारिश में बढ़ जाती है परेशानी

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसरीटोला से सरंडी जाने वाला यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण इसी रास्ते से अपने आवश्यक कार्यों के लिए आना जाना करते हैं। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर ग्रामीणों के द्वारा कई बार मार्ग पर ग्रेवल तथा स्थायी रूप से पक्की सड़क का निर्माण किए जाने की मांग की जा चुकी है लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। इसके चलते ग्रामीणों को पुरानी और जर्जर सड़क से ही आवागमन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वर्तमान में बारिश के कारण मार्ग की स्थिति बेहद खराब हो गई है। सड़क के कई हिस्सों में पानी और कीचड़ जमा हो जाने से दोपहिया वाहन चालकों के लिए वाहन संभालना मुश्किल हो जाता है। कई स्थानों पर सड़क से गिट्टी और बड़े पत्थर बाहर निकल आए हैं ,वहीं जगह.जगह बने गड्ढे दुर्घटना की आशंका को बढ़ा रहे हैं। बारिश के समय मोटरसाइकिल और साइकिल से इस मार्ग पर आवागमन करना काफी जोखिम पूर्ण हो जाता है। कुछ स्थानों पर पहले से ही दलदल जैसी स्थिति बनी हुई थी जो बारिश के बाद और अधिक खराब हो गई है। कीचड़ में दोपहिया वाहन फंसने के साथ ही फिसलने का खतरा भी बना रहता है। इसके चलते ग्रामीणों को कई बार अपने वाहन दूर खड़े कर पैदल रास्ता तय करना पड़ता है। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है। ग्रामीणों के द्वारा संबंधित अधिकारियों का ध्यान भी इस ओर आकर्षित कराया गया है लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। आवश्यकता के अनुसार समय समय पर ग्रेवल आदि डालकर मार्ग को चलने योग्य बनाने की मांग की गई लेकिन स्थायी रूप से पक्की सड़क का निर्माण नहीं होने के कारण हर बारिश में वही समस्या दोबारा खड़ी हो जाती है। कोसरीटोला से सरंडी की ओर जाने वाले मार्ग पर रहने वाले लोगों के लिए सरंडी की पक्की सड़क अपेक्षाकृत नजदीक पड़ती है, लेकिन वहां तक पहुंचने वाले मार्ग की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। ऐसे में लोगों के सामने सुगम आवागमन का कोई बेहतर विकल्प नहीं बचता। ग्रामीणों का कहना है कि यदि दोनों मार्गों की स्थिति में सुधार किया जाए तो लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मार्ग की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द सड़क का निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाए ताकि ग्रामीणों को प्रतिदिन होने वाली परेशानी से निजात मिल सके।

हमें कोसरीटोला और सरंडी दोनों तरफ जाना हो तो दिक्कत है- दीपक देवेश्वर

ग्रामीण दीपक देवेश्वर ने बताया कि यह जो सड़क है कोसरीटोला से अंदर आती है और हमारे घरों के सामने से सीधे सरंडी के लिए निकलती है। जिस पर अभी कीचड़ तो नहीं है परंतु गड्ढे बहुत ज्यादा है और बारिश होगी तो पूरा कीचड़ मार्ग पर बना रहता है। आने जाने में भयंकर परेशानी रहती है घर से हम मोटरसाइकिल नहीं निकाल सकते दुर्घटना होने की हर समय समस्या रहती है। लोग यहां से आते जाते हैं गाड़ी स्लिप होकर दुर्घटनाग्रस्त होते हैं स्कूली बच्चे भी यही से आते जाते हैं बहुत ज्यादा समस्या है। इसे बनाया जाना चाहिए हमें कोसरीटोला और सरंडी दोनों तरफ जाना हो तो दिक्कत ही है क्योंकि पूरा कच्चा मार्ग है और गड्ढों से भरा है।

कोचेवाही में आंगन मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन आंगनवाड़ी भवन बनाने कर रहे प्रयास- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोचेवाही में सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार लाना, कुपोषण को दूर करना तथा परिवारो के पोषण एवं शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों के स्टाल लगाकर उनके महत्व की जानकारी दी गई। महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसके पश्चात उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी पंद्रे और निर्मला बिसेन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान जनपद सदस्य शंकरलाल ईनवाती, खेलन सहारे, सुनिता मंजय सोनेकर, उर्वी कावरे,पालसिह पटले, यशोदा भगत, सुनीता जंगले, मीना पंचेश्वर, हेमलता पंचतिलक, ऊषा सिंगारे, सिंधु भीमटे,लिखेश्वरी बिसेन सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रही। ग्राम बोटेझरी मरारी टोला की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता मर्सकोले ने विधायक विवेक पटेल को अवगत कराया कि पिछले वर्ष शासन से ग्राम में नवीन आंगनवाड़ी भवन बनवाने राशि आई थी। मगर ग्राम के सरपंच डुलीचंद बोपचे ने नवीन आंगनवाड़ी भवन बनाने जगह नहीं दी। जिससे नवीन आंगनवाड़ी भवन बनाने आई राशि शासन को वापस चली गई। भवन ना होने के चलते किराए के मकान में आंगनवाड़ी संचालित हो रही है। विधायक विवेक पटेल ने उन्हें आश्वस्त किया कि बहुत जल्द संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर जगह का चयन कर नवीन आंगनवाड़ी भवन बनाया जायेगा। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र में कुपोषण से दर्जनों बच्चों की मौत हो चुकी है। सरकार की गलती का खामियाजा वहां के बच्चों को भुगतना पड़ा है,हमारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की बहने आंगनवाड़ी में बच्चों को पौष्टिक आहार दे रही। जिससे हमारे क्षेत्र के बच्चे स्वस्थ है,कोरोनाकाल में भी हमारी बहनों ने सेवाए दी थी। जब आपकी भर्ती हुई थी तभी से आपका मानदेय कम है। क्षेत्र के कई ग्रामों में आंगनवाड़ी भवन नहीं है,घरों में आंगनवाड़ी भवन संचालित हो रही है। उसका किराया भी सरकार से समय पर नहीं आता है हमारी आशा कार्यकर्ता दे रही है। मेरे क्षेत्र में कुछ स्थानों में नई आंगनवाड़ी भवन बना है मैं भोपाल पहुंचकर संबंधित मंत्रीयो से लगाता मुलाकात कर रहा हुं। ताकि हर ग्रामों में नवीन आंगनवाड़ी भवन बन जाए हमारे क्षेत्र में लगातार टीकाकरण भी हो रहा है। आप लोगों को कोई दिक्कत आए तो मैं आपके साथ खड़ा हुं।

सफेद सोने का संकट और किसानों की जमीनी हकीकत

भारत के कृषि और औद्योगिक ढांचे में कपास केवल एक व्यापारिक फसल नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। देश के करीब 60 लाख किसान सीधे तौर पर इसकी खेती से जुड़े हैं, जबकि कपड़ा उद्योग के माध्यम से यह सेक्टर 4 से 5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। राष्ट्रपिता गांधी जी ने कहा था कि भारत का उद्धार उसके कताई चक्र और खादी में निहित है, जो देश के करोड़ों भूखे लोगों को आजीविका दे सकता है। गांधी जी का यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस के वैश्विक आयोजन के बीच, भारतीय कपास क्षेत्र के सरकारी आंकड़ों और खेतों के कड़वे सच के बीच के फासले का तटस्थ विश्लेषण बेहद जरूरी हो जाता है। वैश्विक परिदृश्य में भारत कपास के बुवाई क्षेत्र के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है। देश के लगभग 114.82 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की खेती की जाती है। उत्पादन की दृष्टि से भारत, चीन के बाद विश्व में दूसरे पायदान पर आता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में देश का कुल कपास उत्पादन लगभग 290.91 लाख गांठ दर्ज किया गया, जबकि हमारी घरेलू खपत का आंकड़ा 328 लाख गांठ के आसपास रहा। यह अंतर स्पष्ट करता है कि भारतीय कपड़ा मिलों और निर्यात की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू मोर्चे पर अभी लंबी दूरी तय करनी बाकी है। प्रति गांठ का वजन 170 किलोग्राम होता है। आंकड़ों के पीछे जो सबसे बड़ा ढांचागत संकट है, वह है भारत की बेहद कम उत्पादकता। वैश्विक स्तर पर औसत प्रति हेक्टेयर उत्पादन जहां बहुत अधिक है, वहीं भारत में यह महज 431 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पर अटका हुआ है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश का लगभग 67 प्रतिशत कपास क्षेत्र आज भी पूरी तरह से अनिश्चित मानसून और वर्षा पर निर्भर है। केवल 33 प्रतिशत क्षेत्र को ही सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा प्राप्त है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में बेमौसम बारिश और लंबे सूखे के कारण हर साल लाखों हेक्टेयर फसल खेत में ही नष्ट हो जाती है। दूसरा बड़ा संकट लागत और कीटों के प्रबंधन का है। बीटी कॉटन तकनीक की रोग प्रतिरोधक क्षमता अब धीरे-धीरे दम तोड़ रही है। पिछले कुछ सीजन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र के बेल्ट में गुलाबी सुंडी के भीषण प्रकोप ने किसानों को तबाह किया है। कीटों से फसल बचाने के चक्कर में महंगे कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ा है, जिसने खेती की इनपुट कॉस्ट को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। लागत बढ़ने और उपज घटने के इस दोहरे चक्रव्यूह ने कपास उत्पादक किसानों को कर्ज के जाल में धकेल दिया है। हालाँकि, संकट की गंभीरता को देखते हुए नीतिगत स्तर पर कुछ बड़े कदम उठाए गए हैं। विपणन सीजन के लिए सरकार ने कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मध्यम स्टेपल कपास का दाम बढ़ाकर 8,267 रुपये और लंबे स्टेपल का दाम 8,667 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 557 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार ने 5,659 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के साथ कपास उत्पादकता मिशन को जमीन पर उतारा है। इस मिशन का दीर्घकालिक लक्ष्य वर्ष 2031 तक देश के उत्पादन को 498 लाख गांठ तक पहुंचाना है, जिसमें 14 राज्यों के 32 लाख किसानों को आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों से जोड़ने का खाका खींचा गया है।

दुनियाँ की थाली पर मंडराया महंगाई और खाद्य संकट का महातूफान!

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ की अर्थव्यवस्था के सामने अब एक ऐसा संकट आकार लेता दिखाई दे रहा है,जिसका सीधा संबंध प्रत्येक व्यक्ति की रसोई,भोजन की उपलब्धता और घरेलू बजट से है।रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष,उर्वरकों की आपूर्ति में बाधाएं, ऊर्जा बाजार की अस्थिरता और संभावित शक्तिशाली एल नीनो ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।इसी पृष्ठभूमि में भारत के विदेशमंत्री ने 29 सितंबर 2026 को न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में आने वाले महीनों में बड़े खाद्य संकट की आशंका व्यक्त की।उनका संदेश स्पष्ट था कि युद्धों का प्रभाव केवल सीमाओं और सैन्य मोर्चों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खाद्यान्न, उर्वरक,ऊर्जा और विकासशील देशों की आर्थिक स्थिरता तक पहुंचता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि इसी वैश्विक चिंता के बीच भारत सरकार ने त्योहारों से पहले चीनी की जमाखोरी,कृत्रिम किल्लत और सट्टेबाजी रोकने के लिए स्टॉक सीमा को और सख्त कर दिया है।यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करता है कि क्या आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ेगा और क्या 2027 तक आम आदमी की थाली सटीकता से पहले से अधिक महंगी हो सकती है?

साथियों बात अगर हम चीनी की जमाखोरी पर केंद्र सरकार का सख्त प्रहार,15 अक्टूबर से लागू होंगे नए नियम इसको समझने की करें तो, भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने 1 अक्टूबर 2026 को चीनी की उपलब्धता और कीमतों कोनियंत्रित रखने के लिए संशोधित स्टॉक होल्डिंग व्यवस्था की घोषणा की इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना,जमाखोरी रोकना और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। नई व्यवस्था के अनुसार 15 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक रखने की अधिकतम अवधि 15 दिन निर्धारित की गई है। सामान्य क्षेत्रों में स्टॉक सीमा 1,000 क्विंटल रखी गई है, जबकि कोलकाता तथा उसके विस्तारित महानगरीय क्षेत्र और असम के लिए 2,000 क्विंटल की सीमा निर्धारित है। यह निर्णय आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत सरकार की बाजार नियामक शक्तियों के व्यापक संदर्भ में लिया गया है।

साथियों,इससे पहले 1 सितंबर को सरकार ने 15 सितंबर से 30 नवंबर तक व्यापारियों की स्टॉक सीमा 4,000 क्विंटल से घटाकर 2,000 क्विंटल की थी। अब इसे और कम करके 1,000 क्विंटल करना बाजार में अनावश्यक भंडारण और कृत्रिम मूल्यवृद्धि पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।सरकार की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अगस्त की तुलना में चीनी की खुदरा कीमत लगभग 15 प्रतिशत और एक्स-मिल कीमत करीब 28 प्रतिशत कम हुई है। इसका अर्थ यह है कि सरकार केवल कीमतों में वृद्धि रोकने का प्रयास नहीं कर रही, बल्कि मिलों से लेकर व्यापारियों और अंतिम उपभोक्ताओं तक मूल्य लाभ पहुंचाने पर भी जोर दे रही है।

साथियों बात अगर हम भारत के विदेशमंत्री की चेतावनी- दुनिया के सामने खाद्य संकट का नया मोर्चा को समझने की करें तो उन्होंने न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के कार्यक्रम में कहा कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के संघर्षों के कारण खाद्यान्न तथा उर्वरकों की आपूर्ति पर गंभीर दबाव बन रहा है।उनके अनुसार ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक और वित्तीय चुनौतियों का संयुक्त प्रभाव वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए अत्यंत तनावपूर्ण स्थिति पैदा कर रहा है। इस चेतावनी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि खाद्य संकट केवल अनाज की वास्तविक कमी से पैदा नहीं होता। यदि किसानों को समय पर उर्वरक नहीं मिलता, सिंचाई महंगी हो जाती है, परिवहन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग बाधित होते हैं, तो पर्याप्त उत्पादन होने के बावजूद बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।रूस और यूक्रेन वैश्विक अनाज व्यापार के महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं।काला सागर क्षेत्र में युद्धजनित बाधाएं गेहूं, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों की आपूर्ति को प्रभावित कर सकती हैं। दूसरी ओर पश्चिम एशिया का संघर्ष ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति के लिए जोखिम पैदा करता है। विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान का प्रभाव ऊर्जा बाजार के साथ उर्वरक उत्पादन और समुद्री परिवहन लागत पर भी पड़ सकता है।एल नीनो का बढ़ता खतरा- 2027 तक 4.9 करोड़ अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा की चपेट में ?वैश्विक खाद्य संकट की आशंका को और गंभीर बना रहा है जलवायु परिवर्तन से जुड़ा एल नीनो। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने 5 अगस्त 2026 को जारी अपने विश्लेषण में चेतावनी दी कि 2026-27 का एल नीनो कई संवेदनशील देशों में खाद्य असुरक्षा को सटीकता से बढ़ा सकता है।

साथियों डब्ल्यूएफपी के आकलन के अनुसार 45 खाद्य- असुरक्षित देशों में 2027 के अंत तक लगभग 27.4 करोड़ लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना कर सकते हैं। यह वर्तमान अनुमान की तुलना में करीब 4.9 करोड़ अधिक लोगों का संभावित संकट है। एल नीनो प्रशांत महासागर के तापमान में बदलाव से जुड़ी जलवायु घटना है, जो दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा और तापमान के सामान्य स्वरूप को प्रभावित कर सकती है। कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक वर्षा और कहीं बाढ़ कृषि उत्पादन को नुकसान पहुंचा सकती है। यदि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसलें प्रभावित होती हैं, तो वैश्विक बाजार में अनाज की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। फिर भी हालांकि यह आंकड़ा 45 संवेदनशील देशों के लिए है, इसे भारत में 4.9 करोड़ अतिरिक्त लोगों के खाद्य संकट का अनुमान नहीं समझना चाहिए। भारत पर प्रभाव का आकलन घरेलू उत्पादन, मानसून, भंडार और आयात लागत के आधार पर अलगसे करना होगा।

साथियों बात अगर हम भारत पर कितना असर? खाद्य महंगाई के आंकड़े पहले ही दे रहे हैं संकेत इसको समझने की करें तो,भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की विशाल आबादी का घरेलू बजट खाद्य पदार्थों की कीमतों से सीधे प्रभावित होता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 14 सितंबर 2026 को जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2026 में भारत की खाद्य महंगाई 5.95 प्रतिशत रही, जबकि जुलाई में यह 5.52 प्रतिशत थी। इसी अवधि में सामान्य खुदरा महंगाई 4.82 प्रतिशत दर्ज की गई।यह वृद्धि अपने आप में देशव्यापी खाद्य संकट का प्रमाण नहीं है, लेकिन यह बताती है कि घरेलू कीमतों पर दबाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।भारत की स्थिति में एक सकारात्मक पक्ष यह है कि देश के पास व्यापक कृषि उत्पादन क्षमता, सार्वजनिक खाद्यान्न भंडारण, न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसे सुरक्षा उपाय उपलब्ध हैं। इसलिए वैश्विक संकट का प्रभाव भारत में अनिवार्य रूप से खाद्यान्न की भौतिक कमी के रूप में सामने आए, ऐसा मानना उचित नहीं होगा।फिर भी उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि, डीजल और परिवहन लागत,आयातित खाद्य तेलों की कीमत तथा प्रतिकूल मानसून का संयुक्त प्रभाव किसानों की उत्पादन लागत और उपभोक्ताओं के खर्च को सटीकता से बढ़ा सकता है।

साथियों बात अगर हम क्या 2027 तक महंगी हो जाएगी आमआदमी की थाली ?इसको समझने की करें तो, आने वाले समय में खाद्य महंगाई का सबसे बड़ा खतरा किसी एक वस्तु की कीमत बढ़ने से नहीं, बल्कि कई लागतों के एक साथ बढ़ने से उत्पन्न हो सकता है। गेहूं, चावल, दालें, खाद्य तेल, दूध और सब्जियों की कीमतें अलग-अलग कारणों से प्रभावित होती हैं। उर्वरक महंगा होने पर खेती की लागत बढ़ती है, ऊर्जा महंगी होने पर सिंचाई और परिवहन प्रभावित होते हैं तथा मौसम की प्रतिकूलता उत्पादन को कमजोर कर सकती है।इसलिए 2027 तक भोजन महंगा होने की आशंका को गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन इसे निश्चित मूल्यवृद्धि या अनिवार्य खाद्य संकट के रूप में प्रस्तुत करना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। वास्तविक प्रभाव मानसून,फसल उत्पादन, वैश्विक संघर्षों की अवधि और सरकारों की नीतिगत तैयारियों पर निर्भर करेगा भारत सरकार के लिए आवश्यक होगा कि वह चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं में स्टॉक की निगरानी के साथ- साथ उर्वरक उपलब्धता, खाद्यान्न भंडार, आयात -निर्यात नीति और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी मजबूत बनाए। राज्यों को जमाखोरी और कालाबाजारी पर निगरानी बढ़ानी होगी, जबकि किसानों को समय पर कृषि आदान उपलब्ध कराना अधिक प्राथमिकता होनी चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे f? खाद्य सुरक्षा अब केवल कृषि नहीं,राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का प्रश्नवर्तमान परिस्थितियां स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि 21वीं सदी में खाद्य सुरक्षा का संबंध केवल खेतों में होने वाले उत्पादन से नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति, युद्ध, ऊर्जा, जलवायु और व्यापारिक स्थिरता से भी गहराई से जुड़ चुका है। त्योहारों से पहले चीनी की स्टॉक सीमा घटाने का केंद्र सरकार का निर्णय उपभोक्ता हितों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं जयशंकर की चेतावनी और डब्ल्यूएफपी के एल नीनो संबंधी अनुमान दुनिया को समय रहते तैयारी करने का संदेश देते हैं।भारत के सामने चुनौती केवल खाद्यान्न उपलब्ध रखने की नहीं,बल्कि उसे उचित कीमत पर प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने की भी है। क्योंकि किसी देश की आर्थिक मजबूती का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, विदेशी मुद्रा भंडार या शेयर बाजार से नहीं, बल्कि इस बात से भी होता है कि आम नागरिक की थाली कितनी सुरक्षित,सुलभ औरकिफायती है।विकसित भारत ञ्च2047 की दिशा में खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है, क्योंकि भूख और महंगाई से सुरक्षित नागरिक ही मजबूत अर्थव्यवस्था तथा स्थिर राष्ट्र की वास्तविक नींव होते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

सीट नहीं, सियासी जीत की लड़ाई, कांग्रेस-सपा को गठबंधन के भीतर विश्वास की जरूरत

-सौरभ वार्ष्णेय

समझ नहीं आता कि राजनीतिक पार्टी हर बार चुनाव से पहले कसमस में क्यों उलझ कर रह जाती है। जहां एक ओर आगामी युवा देश की कमान ऐसे नेता को सौंपना चाहता है जो उनका नेतृत्व कर सकें। वहीं चुनाव पूर्व रणनीति को समझने की जगह जनता के सेंटीमेंट को समझ ही नहीं पा रही ? फिर चुनाव बाद पश्याताप करते दिखाई हैं जैसे ममता दीदी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी सरगर्मी बढने के साथ ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर जिस तरह की खींचतान सामने आ रही है, उसने विपक्षी एकता के दावों की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर दोनों दल भारतीय जनता पार्टी के मुकाबले मजबूत राजनीतिक चुनौती पेश करने की तैयारी में जुटे हैं, दूसरी ओर गठबंधन के भीतर सीटों की संख्या, राजनीतिक प्रभाव और नेतृत्व की प्राथमिकताओं को लेकर असहजता लगातार सामने आ रही है। सवाल केवल यह नहीं है कि सपा कितनी सीटें चाहती है और कांग्रेस कितनी सीटों पर दावा कर रही है। असली सवाल यह है कि क्या दोनों दल उस राजनीतिक समझ और परिपक्वता का परिचय दे पाएंगे, जिसकी अपेक्षा एक प्रभावी गठबंधन से की जाती है? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का यह कहना कि बात सीट की नहीं, जीत की है इसके मायने अलग हैं वह समझ रहे है कि बिना गंठबंधन के कुछ नहीं हो सकता? इस पूरे विवाद के बीच महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है। उन्होंने गठबंधन की जीत को सीटों की संख्या से ऊपर रखते हुए कहा कि मकसद स्पष्ट हो तो साथ मिलकर मंजिल हासिल की जा सकती है। उनका यह संदेश सपा-कांग्रेस के बीच चल रही खींचतान के बीच एक तरह से राजनीतिक संयम की अपील भी है। लेकिन राजनीति में केवल संदेश काफी नहीं होते। संदेश को जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति और संगठनात्मक क्षमता भी चाहिए। यही वह बिंदु है जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनावी गठबंधन कोई ऐसा समझौता नहीं होता जिसमें केवल सीटों का गणित बैठा दिया जाए। गठबंधन का अर्थ है कि एक-दूसरे के राजनीतिक अस्तित्व का सम्मान, साझा रणनीति, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश। यदि शीर्ष नेतृत्व मंच पर एकता की बात करे, लेकिन स्थानीय स्तर पर दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के खिलाफ बयान दें, तो जनता के बीच गठबंधन की विश्वसनीयता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी। उत्तर प्रदेश में यह खतरा और भी बड़ा है, क्योंकि यहां चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों के बीच भी लड़ा जाता है। प्रत्येक सीट का अपना अलग सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और राजनीतिक इतिहास होता है। ऐसे में केवल सीटों की संख्या के आधार पर फार्मूला तैयार करना पर्याप्त नहीं होगा। यह देखना होगा कि किस क्षेत्र में किस दल का संगठन मजबूत है, किस उम्मीदवार की स्वीकार्यता अधिक है और कौन-सा प्रत्याशी विपक्षी मतों को एकजुट कर सकता है। यही वह व्यावहारिक राजनीति है जिसे समझे बिना गठबंधन का गणित कागज पर तो सुंदर दिखाई दे सकता है, लेकिन चुनावी मैदान में बिखर सकता है। भाजपा ने सपा-कांग्रेस के बीच जारी मतभेदों को अपने राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी का गठबंधन को लठबंधन कहना इसी रणनीति का हिस्सा है। भाजपा के लिए विपक्षी गठबंधन के भीतर का प्रत्येक मतभेद राजनीतिक अवसर है। विपक्ष जितना अधिक एक-दूसरे के खिलाफ बोलेगा, भाजपा उतना ही यह संदेश देने की कोशिश करेगी कि उसके सामने खड़ा गठबंधन सत्ता का विकल्प बनने से पहले ही आपसी संघर्ष में उलझ गया है। भाजपा के खिलाफ लड़ाई केवल चुनावी भाषणों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए विपक्षी दलों को अपने भीतर की कमजोरियों पर भी विजय हासिल करनी होगी। यह विडंबना है कि जो दल लोकतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और जनहित के बड़े मुद्दों को लेकर एक मंच पर आने की बात करते हैं, वे स्वयं सीटों के प्रश्न पर सार्वजनिक असहमति का प्रदर्शन करने लगें। जनता स्वाभाविक रूप से पूछेगी कि जब सत्ता की साझेदारी अभी हुई भी नहीं है तो सीटों की साझेदारी पर इतना संघर्ष क्यों? दरअसल, गठबंधन की राजनीति में सबसे बड़ा संकट सीटों की संख्या नहीं, विश्वास का संकट होता है। यदि सपा को कांग्रेस पर और कांग्रेस को सपा पर भरोसा नहीं होगा तो कोई भी सीट समझौता स्थायी नहीं हो सकता। आज एक फार्मूला तय होगा, कल उम्मीदवार चयन पर विवाद होगा और चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल की समस्या सामने आएगी। ऐसी स्थिति में गठबंधन का लाभ विरोधी दल को मिल सकता है। इसलिए दोनों दलों को यह स्वीकार करना होगा कि गठबंधन में किसी एक दल की पूर्ण राजनीतिक संतुष्टि संभव नहीं होती। गठबंधन में समझौते करने पड़ते हैं। कुछ सीटें छोडनी पड़ती हैं ताकि अधिक सीटें जीती जा सकें। राजनीति में कभी-कभी कम सीटों पर लडना, अधिक सीटें जीतने की रणनीति भी हो सकती है। इसके विपरीत अधिक सीटों पर लडने का अहंकार कई बार जीत की संभावनाओं को ही कमजोर कर देता है। अखिलेश यादव का बात सीट की नहीं, जीत की है वाला कथन इसलिए महत्वपूर्ण है कि इसमें गठबंधन की राजनीति का मूल तत्व छिपा हुआ है। यदि सपा और कांग्रेस वास्तव में भाजपा को चुनौती देना चाहते हैं तो उन्हें अपने-अपने राजनीतिक विस्तार की चिंता के साथ-साथ साझा राजनीतिक लक्ष्य पर भी ध्यान देना होगा। लेकिन कांग्रेस की चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में अपने संगठन और राजनीतिक प्रभाव को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यदि वह लगातार अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है तो उसे सम्मानजनक सीट हिस्सेदारी की अपेक्षा स्वाभाविक रूप से होगी। दूसरी ओर सपा का तर्क यह हो सकता है कि जमीनी ताकत और चुनावी संभावना के आधार पर सीटों का बंटवारा होना चाहिए। दोनों पक्षों की अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। समाधान तभी निकलेगा जब दोनों दल अपनी मांगों को अंतिम सत्य मानने के बजाय जीत की संभावना को केंद्र में रखेंगे। यह भी याद रखना होगा कि चुनाव केवल नेताओं का नहीं होता। चुनाव कार्यकर्ता लड़ते हैं। यदि सपा का कार्यकर्ता कांग्रेस प्रत्याशी को और कांग्रेस का कार्यकर्ता सपा प्रत्याशी को अपना उम्मीदवार स्वीकार नहीं करता तो गठबंधन का पूरा गणित बिगड़ सकता है। इसलिए सीट समझौते के साथ साझा चुनाव अभियान, संयुक्त सभाएं, स्पष्ट संदेश और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय भी जरूरी होगा। आज देश की राजनीति में गठबंधन कोई असामान्य घटना नहीं है। बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न दलों का साथ आना लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है। लेकिन गठबंधन तभी सफल होते हैं जब उनके पीछे साझा न्यूनतम कार्यक्रम और पारस्परिक विश्वास हो। केवल किसी एक दल को रोकने के लिए बना गठबंधन लंबे समय तक जनता का विश्वास कायम नहीं रख सकता। मतदाता यह जानना चाहता है कि उसके सामने विकल्प क्या है, उस विकल्प की नीति क्या है और सत्ता मिलने पर वह क्या करेगा। उन्हें केवल भाजपा विरोधी मंच नहीं बनना है, बल्कि जनता के सामने शासन और विकास का विश्वसनीय विकल्प भी प्रस्तुत करना है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय, युवाओं के अवसर, कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर स्पष्ट साझा दृष्टिकोण सामने रखना होगा। केवल सीटों का समझौता चुनाव नहीं जिताता; जनता के सवालों का विश्वसनीय जवाब चुनाव जिताता है।

विदेशी अंशदान को नियमित करना आज के समय की आवश्यकता

वैश्विक स्तर पर आज विभिन्न देशों के बीच भौगोलिक सीमाएं जैसे समाप्त सी होती दिखाई दे रही हैं। एक तरह से आज हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच एक देश से दूसरे देश में सहायता के रूप में धनराशि को हस्तांतरित करना भी बहुत आसान बन गया है। धनराशि का हस्तांतरण करने का उद्देश्य सचमुच में यदि छोटे, अविकसित अथवा विकासशील देशों की मदद करना हो तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। परंतु, आज कुछ देश अन्य देशों में राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृति उथल पुथल करने के उद्देश्य से धनराशि का हस्तांतरण करने का प्रयास करने लगे हैं। विशेष रूप से विकसित देश अपनी औपनिवेशिक, विस्तारवादी एवं भूमंडलकारी नीतियों के अंतर्गत इन देशों में गैर सरकारी संस्थाओं (हलह), न्यास एवं सामाजिक संगठनों एवं संस्थानों के माध्यम से अथवा अन्य माध्यमों से भारी मात्रा में धनराशि का हस्तांतरण करते हैं ताकि इन देशों के गरीब नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें ईसाई अथवा मुसलमान बनाया जा सके। हालांकि, धनराशि का हस्तांतरण कुछ अन्य घोषित उद्देश्यों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, धार्मिक, अनुसंधान, मानवीय सेवाओं और आपदा राहत आदि क्षेत्रों में इन देशों की सहायता करने का रहता है। हाल ही में, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश आदि छोटे विकासशील देशों में सत्ता परिवर्तन करने में भी विदेशी अंशदान की विशेष भूमिका रही है। विदेशी अंशदान को नियमित करने हेतु विभिन्न देशों में बनाए जाने लगे कानून वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में जब अन्य देशों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का उपयोग इन देशों के नागरिकों का धर्म परिवर्तन करने में अथवा निर्धारित उद्देश्यों के अतिरिक्त होता हुआ दिखाई देने लगा तो कई देशों ने विदेशी अंशदान को नियमित करने के उद्देश्य से कानून बनाए जाने के बारे में विचार करना शुरू किया और कालांतर में इन देशों यथा संयुक्त राज्य अमेरिका (1938), आस्ट्रेलिया (2018), कनाडा (2024), यूनाइटेड किंगडम (2025), आदि देशों में इस संदर्भ में कुछ सख्त कानून बनाए भी गए। यूरोपीय संघ भी वर्तमान में ऐसी ही व्यवस्था को विधिक रूप देने की प्रक्रिया में है। भारत भी इससे अछूता नहीं रह सका एवं भारत में पात्र संस्थानों द्वारा विदेशी योगदान प्राप्त करने और उसके उपयोग को नियमित करने के उद्देश्य से वर्ष 1976 में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (Foreign Contribution Regulation Act - FCRA) बनाया गया। इस अधिनियम को भारत में लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत में विदेशी अंशदान में पारदर्शिता, जवाबदेही, कानूनी अनुपालन, वैध कार्यों को सक्षम बनाना, जनविश्वास, सुनिश्चित करना है। साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और व्यापक राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। अमेरिका में वर्ष 1938 में बनाए गए कानून में परिस्थिति अनुसार वर्ष 1960 में एवं समय समय पर संशोधन भी किए गए है।

भारत की तुलना में अन्य देशों में कानून सख्त

भारत में एफसीआरए गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और धार्मिक एवं राजनैतिक संगठन, जो विदेशी अंशदान प्राप्त करते हैं, पर लागू होता है। जबकि कुछ अन्य देशों में तुलनीय वैश्विक कानून का कार्यक्षेत्र विस्तृत हैं एवं यह लॉबिस्ट, जनसंपर्क (पीआर) फर्म, थिंक टैंक, विश्वविद्यालय तथा कंपनियों सहित उन सभी संस्थाओं या व्यक्तियों पर लागू होते हैं, जो किसी विदेशी प्रधान के निर्देश पर कार्य करते हैं, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से संबंधित हों।

भारत में एफसीआरए में पूर्व में भी संशोधन किए जाते रहे हैं

भारत में समय समय पर भारत सरकार द्वारा विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में तात्कालिक परिस्थितियों के अनुरूप संशोधन भी किए जाते रहे हैं। यह परिवर्तन विदेशी अंशदान को निरुत्साहित करने के उद्देश्य से नहीं बल्कि पारदर्शिता को सुदृढ़ करने, अधिक प्रकटीकरण करने, मजबूत जवाबदेही सुनिश्चित करने और बेहतर प्रशासन व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से किए गए हैं। भारत ने विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उसके उपयोग के विनियमन के लिए 1976 में पहला विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम लागू किया था। जैसे जैसे अंतरराष्ट्रीय सहभागिता बढ़ी और सीमापार वित्तीय प्रवाह अधिक जटिल होता गया, विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। वर्ष 1984 में संशोधन के माध्यम से विदेशी धन प्राप्त करने वाले सभी गैर-सरकारी संगठनों के लिए गृह मंत्रालय में पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया, न्यायाधीशों को अधिनियम के दायरे में लाया गया, विदेशी अंशदान और राजनीतिक दल की परिभाषाओं का विस्तार किया गया तथा लेखापरीक्षण संबंधी शक्तियां जोड़ी गईं। एफसीआरए, 2010 ने 1976 के अधिनियम का स्थान लेते हुए उसे समेकित किया और अधिक सुदृढ़ अनुपालन ढांचा स्थापित किया। इसे 26 सितंबर 2010 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके माध्यम से किए गए प्रमुख संशोधनों में शामिल है, प्रत्येक पांच वर्ष में पंजीकरण का अनिवार्य नवीनीकरण, पंजीकरण के लिए विस्तृत एवं कठोर शर्तें, पंजीकरण का निलंबन, निरस्तीकरण, परिसंपत्तियों का निहित होना तथा अपराधों का शमन (कम्पाउंडिंग)। वर्ष 2011 में विदेशी अंशदान (विनियमन) नियम अधिसूचित किए गए, जिनके माध्यम से पंजीकरण, नामित बैंक खातों और प्रतिवेदन प्रारूपों को क्रियान्वित किया गया। वर्ष 2020 में प्रमुख संशोधन अधिनियम लाया गया। इसके अंतर्गत संस्थानों के पदाधिकारियों के लिए आधार/पासपोर्ट पहचान अनिवार्य की गई; विदेशी अंशदान केवल नई दिल्ली स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एकल नामित खाते में प्राप्त करने का प्रावधान किया गया; अन्य संघों को उप-अनुदान (सब-ग्रांटिंग) देने पर प्रतिबंध लगाया गया; प्रशासनिक व्यय की सीमा 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दी गई तथा पंजीकरण का नवीनीकरण सरकारी जांच के अधीन कर दिया गया। वर्ष 2022 में एफसीआरए नियमों में पुन: संशोधन किया गया, इसके अंतर्गत विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से प्राप्त अंशदान की सीमा रू.1 लाख से बढ़ाकर रू.10 लाख प्रति वर्ष कर दी गई, जिससे सामान्य परिवारों के लिए अनुपालन आसान हुआ साथ ही कुछ अपराधों के शमन (कम्पाउंडिंग) से संबंधित प्रावधान भी जोड़े गए। वर्ष 2024 में नियमों में पुन: संशोधन किया गया एवं प्रशासनिक व्यय के लिए आवंटित अप्रयुक्त राशि को आगे ले जाने की अनुमति दी गई; टीडीएस रिफंड के संबंध में प्रावधानों को स्पष्ट किया गया; तथा आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए आवेदन के चरण में आवश्यक दस्तावेज संबंधी प्रावधानों को सुदृढ़ किया गया। अब वर्ष 2026 में प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक, 2026 में यह प्रस्ताव किया गया है कि किसी पंजीकरण की अवधि समाप्त होने या उसके निरस्त होने की स्थिति में विदेशी वित्तपोषित परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक नामित प्राधिकरण की व्यवस्था की जाए। अधिसूचित एफसीआरए (संशोधन) नियम, 2026 के तहत पंजीकरण को निर्दिष्ट उद्देश्यों तथा अनुमोदित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से जोड़ा गया है तथा अनुमत धार्मिक गतिविधियों के दायरे से धर्म परिवर्तन के उद्देश्य से किए जाने वाले प्रचार-प्रसार (प्रोसिलिटाइजेशन) को बाहर रखा गया है। इस संदर्भ में एक बिल लोक सभा में दिनांक 25 मार्च 2026 को पेश किया गया है, जिसे बाद में 12 अगस्त 2026 को संयुक्त संसदीय समिति को आगे विचार के लिए सौंप दिया गया है। वैसे भी, किसी भी देश में लोकतंत्र बाहरी शक्तियों से प्रभावित नहीं हो, इस हेतु स्थानीय सरकार के लिए यह जरूरी है कि उस देश में आने वाला विदेशी अंशदान जिन उद्देश्यों के लिए देश में आ रहा है, उसी उद्देश्य के लिए उपयोग हो, इसकी निगरानी करना उस सरकार का धर्म है। एफसीआरए भी इसी निगरानी का कानूनी माध्यम है। यह कानून उन गतिविधियों पर रोक लगाता है जो भारत की संप्रभता, सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था अथवा अन्य देशों के साथ संबंधो को प्रभावित कर सकती है।

कानून की कुछ धाराओं के विरुद्ध असत्य विमर्श खड़े किए जाने का हो रहा है प्रयास

उक्त संशोधन बिल के लोक सभा में पेश किए जाने के उपरांत भारत में कुछ बिंदुओं पर विपरीत विमर्श खड़ा करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय की वेब्सायट पर पर्याप्त जानकारी प्रदान की गई है। इसी उपलब्ध जानकारी के आधार पर असत्य विमर्श को ध्वस्त करने का प्रयास इस लेख में किया गया है। जैसे एक विमर्श यह खड़ा किया जा रहा है कि भारत सरकार अब विदेशी फंडिंग पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाना चाहती है, अत: उक्त अधिनियम में संशोधन किया जा रहा है। जबकि, वस्तुस्थिति यह है कि केंद्र सरकार विदेशी फंडिंग को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना चाहती है। इससे राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध विदेशी प्रभाव को रोका जा सकेगा। वर्ष 2024-25 में लगभग 16,200 संस्थाएं भारत में सक्रिय रूप से पंजीकृत थीं और उन्होंने लगभग 22,963 करोड़ रुपये का विदेशी अंशदान प्राप्त किया, जो किसी प्रतिबंधात्मक व्यवस्था का संकेत नहीं है। हाल ही के समय में ईसाई मिशिनरीयों द्वारा भारत के आदिवासी इलाकों में हिंदू आदिवासियों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें ईसाई बनाए जाने के मामले ध्यान में आए हैं। इस संदर्भ में भारत सरकार के पूर्व विदेश सचिव और राजदूत श्री कंवल सिब्बल का मत है कि स्न्रष्टक्र भारत का घरेलू कानून है। भारत में मिशनरी कामों के लिए विदेशी फंडिंग की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। विदेशी पैसे से मुख्य रूप से हिंदुओं का ही धर्म परिवर्तन कराया जाता है। हमें अपने आंतरिक मामलों में किसी भी तरह के दखल को नकार देना चाहिए। भारत में ईसाई लॉबी को बढ़ावा देने की कोशिश करके अमेरिका धर्मनिरपेक्षता का पालन नहीं कर रहा है।

-प्रहलाद सबनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर मुनाफा वसूली से मंगलवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। तुअर व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में सुधार का रूख रहा। तिलहनों में भाव बने रहे। किराना जिंसों में शक्कर व खोपरा गोला सुस्त रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर माँग अटकने व बिकवाली से भावों में नरमी बनी। वहीं, तुअर व मूंग में बाजार मजबूत बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु बाजार सुर्ख रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में ग्राहकी अच्छी रही। शक्कर व खोपरा गोला सुस्त रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4780, खोपरा गोला 330-380, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीर्डि?यम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1200, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीर्डि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1670-1690, मुम्बई 1700, राजकोट तेलिया 2630, सोया साल्वेंट 1360-1365, सोया रिफाइंड 1425-1430, कपास्या 1460, धूलिया 1470, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1440, मुम्बई सोया 1440,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8500, रायडा 7300-7500, सोयाबीन 5700-5800, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7400-7500, विशाल 7300-7400, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8800-8900, एवरेज 8600-8700, हल्की 8400-8500, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाटक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9600-9900, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 9800-10100, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। मंगलवार को सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 226000, चाँदी (99) 225800, टंच 225200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149000,

रुपया सपाट बंद हुआ

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को एक पैसे की गिरावट के साथ ही 96.36 पर तकरीबन सपाट बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख और डॉलर सूचकांक में कमजोरी ने रुपये को निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.29 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 96.39 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को 10 पैसे टूटकर 96.35 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 102.12 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ था। इस प्रकार सप्ताह के दूसरे करोबारी दिन भी बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआईद्ब) की मौद्रिक नीति समीक्षा के परिणामों के पहले निवेशकों ने जमकर खरीदारी की जिससे भी बाजार ऊपर आया है।

इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और मजबूत संकेतों से भी घरेलू बाजार को बल मिला है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज का मुख्य सूचकांक सेंसक्स 685.34 अंक की बढ़त के साथ ही 73,067.81 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 220.35 अंक बढ़कर 22,776.10 के स्तर पर बंद हुआ। आज फार्मा और केमिकल के साथ ही प्राइवेट बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। दूसरी ओर आईटी शेयरों में मुनाफावसूली रही। जिससे निफ्टी आईटी इंडेक्स आज सबसे ज्यादा टूटने वाला सेक्टर बना। निफ्टी के शेयरों में ट्रेंट, बीएसई और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं छोटे और मझोले शेयरों में भी तेजी रही। मुख्य सूचकांकों के साथ-साथ छोटे और मध्यम कंपनियों के शेयरों में भी भारी उछाला देखा गया। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स ने मुख्य सूचकांकों में भी तेजी रही।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 120.22 अंक चढ़कर 72,535.41 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 47.15 अंक की बढ़त के साथ 22,603.10 अंक पर रहा। वहीं आज एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में कारोबार कर रहे थे। इसके अलावा रसायन, ऊर्जा, वित्तीय सेवाओं और सीमेंट क्षेत्र के शेयर भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

8वें वेतन आयोग से बढ़ेगा कर्मचारियों का बैंक बैलेंस, लाखों के एरियर की तैयारी!

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है। केंद्र सरकार हर 10 साल में एक वेतन आयोग का गठन करती है, और चूंकि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से प्रभावी थीं, जिसका कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, इसके बाद 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इसका अर्थ यह है कि जब भी नया वेतन आयोग आधिकारिक तौर पर लागू होगा, कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से लेकर लागू होने की तारीख तक का पूरा अंतर एकमुश्त एरियर के रूप में मिलेगा। वर्तमान में, वेतन आयोग देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर कर्मचारी यूनियनों और पेंशनभोगियों से उनके काम और वेतन संबंधी सुझाव ले रहा है। आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट जमा करने के लिए 18 महीने का समय मिलेगा, जिसका मतलब है कि यह रिपोर्ट मई 2027 के आसपास केंद्र सरकार को सौंपी जा सकती है। इसके बाद, सरकार मंत्रियों के एक समूह का गठन करेगी जो सिफारिशों की समीक्षा करेगा, और अंत में केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में अतिरिक्त 3 से 6 महीने लग सकते हैं, जिससे अंतिम लागू होने की तारीख 2027 के अंत तक जा सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होने के कारण, कर्मचारियों को लगभग 20 से 24 महीनों का मोटा एरियर प्राप्त होगा। आप समझते हैं कि 50,000 रुपये की मूल सैलरी पर एरियर की गणना कैसे होगी। मान लीजिए किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है और उस 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिल रहा है, तब उसकी कुल सैलरी 80,000 रुपये (50,000 + 30,000) होगी। अगर सरकार 8वें वेतन आयोग के तहत 2.57 का फिटमेंट फैक्टर चुनती है, तब नई बेसिक सैलरी बढ़कर 1,28,500 रुपये हो जाएगी। इस स्थिति में, मौजूदा सैलरी से मासिक अंतर 48,500 रुपये का होगा।

भारत-ईएफटीए टेपा का एक साल पूरा, व्यापार बाधाएं हटाने को बनेगा विशेष समूह

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) को लागू हुए एक साल पूरा हो चुका है। इस महत्वपूर्ण मौके पर, दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष समूह गठित करने पर सहमति जाहिर की है। यह समूह दोनों देशों के बीच कारोबार बढ़ाने में आ रही बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने के उपायों पर चर्चा करेगा। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के बीच हुई हालिया बातचीत में टीईपीए के तहत चल रहे सहयोग और इसके क्रियान्वयन में हुई प्रगति पर विस्तृत चर्चा हुई। सचिव जॉर्ज ने कहा कि इस समझौते के तहत दोनों पक्षों की ओर से किए गए वादों के क्रियान्वयन में संतोषजनक प्रगति हुई है। सिबी जॉर्ज ने बताया, दोनों पक्षों ने विशेष समूह गठित करने पर सहमति जाहिर की है, जो व्यापार और निवेश को और बढ़ावा देने तथा दोनों देशों के बीच मौजूद किसी भी अड़चन को दूर करने से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा करेगा। भारत-ईएफटीए टीईपीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में हस्ताक्षरित हुआ था। ईएफटीए में स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के सचिव ने बताया कि स्विस राष्ट्रपति परमेलिन 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाले प्रॉस्पेरिटी समिट में भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन भारत-ईएफटीए के लागू होने की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। जॉर्ज ने कहा, प्रॉस्पेरिटी समिट भारत और ईएफटीए देशों के नीति-निर्माताओं तथा कारोबार जगत को एक मंच पर लाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। उन्होंने परमेलिन की स्विट्जरलैंड के फेडरल काउंसलर फॉर इकोनॉमिक अफेयर्स, एजुकेशन एंड रिसर्च के रूप में टीईपीए वार्ताओं में व्यक्तिगत भूमिका को भी रेखांकित किया। टीईपीए के अलावा, भारत और स्विट्जरलैंड के बीच आर्थिक संबंधों से परे विज्ञान, अंतरिक्ष, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है।

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशियों और अच्छे संकेतों से भरा रह सकता है। किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जिससे मन में सकारात्मकता और उत्साह बढ़ेगा। हालांकि दूर रह रहे किसी अपने की याद आपको भावुक कर सकती है। नौकरी या करियर से जुड़ा कोई काम यात्रा का कारण बन सकता है। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके लिए छोटी परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आपकी समझदारी से बात संभल जाएगी।

वृषभ- आज परिवार और करीबी लोगों के साथ रिश्तों में अपनापन और मजबूती महसूस होगी। किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाना आपके संपर्क और प्रभाव दोनों को बढ़ा सकता है। विरोधियों की चाल को समझकर आप उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहेंगे। हालांकि अपनी निजी या महत्वपूर्ण बातें हर किसी के साथ साझा न करें। काम का दबाव थोड़ा अधिक रह सकता है, जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपको राहत और खुशी देने वाला रहेगा। आपकी मेहनत और लगन लोगों की नजर में आपकी पहचान मजबूत कर सकती है। परिवार के साथ भी अच्छा समय बीतेगा और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। जीवनसाथी को नौकरी या किसी नए अवसर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है, जिसके कारण उन्हें कुछ समय के लिए बाहर जाना पड़े। कोई काम बनते-बनते अचानक रुक सकता है, जिससे थोड़ी बेचैनी होगी, लेकिन स्थिति ज्यादा देर परेशान नहीं करेगी।

कर्क- आज खर्चों की रफ्तार थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट का ध्यान रखना आपके लिए जरूरी होगा। संतान की पढ़ाई या भविष्य को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं, जैसे उसकी पसंद के किसी कोर्स में दाखिला कराना। परिवार के किसी सदस्य के करियर या काम से जुड़ी परेशानी बातचीत के जरिए सुलझ सकती है। भाई-बहनों का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा। घर की मरम्मत, सजावट या रिनोवेशन से जुड़ा कोई रुका हुआ काम फिर से शुरू हो सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खास और याद रखने लायक हो सकता है। नए लोगों से होने वाली मुलाकातें भविष्य में करियर या कारोबार के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने से मन को शांति मिलेगी और भीतर से अच्छा महसूस होगा। प्रेम संबंधों में कुछ ऐसी परिस्थितियां आ सकती हैं, जहां धैर्य रखना जरूरी होगा।

कन्या- आज का दिन नई उम्मीदों और सकारात्मक बदलावों का संकेत दे रहा है। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जिसका लाभ आपको आने वाले समय में मिलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई से जुड़ी किसी परेशानी को गुरुजनों की सलाह से दूर करने में सफल हो सकते हैं। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव रहेंगे, जिससे मन थोड़ा परेशान हो सकता है, लेकिन स्थिति संभाली जा सकेगी।

तुला- आज आर्थिक मामलों में राहत महसूस होगी और आपकी स्थिति पहले से मजबूत दिखाई देगी। सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता आज आपके काफी काम आएगी। फिर भी किसी काम में लापरवाही न करें, क्योंकि छोटी चूक भी नुकसान का कारण बन सकती है। पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक- आज जमीन-जायदाद और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। मेहनत का उचित परिणाम मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। यदि कोई कानूनी मामला चल रहा है तो अनुभवी व्यक्ति या योग्य वकील की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। खुद को आगे बढ़ाने और अपनी क्षमता साबित करने की इच्छा आज काफी मजबूत रहेगी।

धनु- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। यदि नए वाहन के लिए लोन का आवेदन किया हुआ है, तो उससे जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना आज बहुत जरूरी रहेगा। आपकी छोटी-सी बात भी उन्हें बुरी लग सकती है और विवाद बढ़ सकता है, इसलिए बातचीत में संयम रखें।

मकर- विद्यार्थियों के लिए आज का दिन उत्साह और खुशी देने वाला रहेगा। पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़ी कोई उलझन सुलझने से राहत मिल सकती है। संतान के परीक्षा परिणाम को लेकर घर में खुशी और गर्व का माहौल बनेगा। पिता के साथ किसी महत्वपूर्ण काम या फैसले को लेकर चर्चा हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन हल्के-फुल्के और खुशनुमा पलों से भरा रह सकता है। दोस्तों या अपनों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, लेकिन दूसरों की परेशानियों में जरूरत से ज्यादा उलझने से बचें, वरना उनका तनाव आपके हिस्से भी आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से मन काफी खुश होगा।

मीन- आज आपको हर कदम थोड़ा सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। नौकरीपेशा लोगों को किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। पैसों से जुड़ी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। सरकारी काम में थोड़ी देरी या परेशानी आ सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

शब्दजाल- 8413

कृ	श	मु	श	सी	क	हो	ना	प्या	र	हैं
ष	क्रि	ल	ना	तु	म	जा	नो	ना	ह	म
य	के	या	हे	नि	ल	ना	न	व	टि	रु
इं	ट	दें	न	शा	वा	क्ष्य	क	ले	ज	क
प	दा	ह	मी	ने	तो	हो	थ	गो	भी	त
को	स	क	प	श	स	ए	व	खु	वॉ	व
द	ई	न	न	जी	न	ह	शी	गो	ली	द
क	र	मि	प	क्श	प	क	र	चो	आ	ख
र	व	त	ल	रा	भी	त	श्मी	अ	शा	अ
क	र	ल	प	ग	ज	ता	रे	र	ह	द
क	ह	रि	म	श	या	चि	मु	की	फि	जा

शब्दजाल में ऋतिक रोशन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

कृष, कोई मिल गया, कभी खुशी कभी गम, फिजा, कहोना प्यार है, मीशन कश्मीर, यादें, ना तुम जानो ना हम, लक्ष्य, आशा.

शब्दजाल - 8412 का हल

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	व	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॉ	र	रु
ती	ज	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	व	जी	म्हो	त
वे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.43 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	08.58 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.14 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.19 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.05 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.38 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.49 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.47 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कर्क	00.00 बजे से
		सिंह	02.17 बजे से
		कन्या	04.28 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 280 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 23.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 21.41 बजे को समाप्त।
योग शुभ 02.52 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 11.54 बजे तदनन्तर तैतिल 23.17 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872855
जूलियन दिन 2461320.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 25
विशेष कृष्ण कल्कि द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कर्त्तव्य की रक्षा

बात सोलहवीं सदी की है। फ्रांसीसी शहर तूलोन के पास एक टापू के प्रकाश गृह (लाइट हाउस) में काम करने वाला व्यक्ति अचानक बीमार हो गया। सवाल उठा कि अब जहाजों को रोशनी दिखाने का काम कौन करे। रात के केवल नौ ही बजे थे। रोशनी दिखाने वाले की पत्नी ने अपने कर्त्तव्य का महत्व समझा खुद ही लैम्प जला दिया। लैम्प जलाकर वह लौटी ही थी कि उसने पाया उसका पति मरणासन्न है। वह चिंतित हो गई। इतने में उसके सात साल के बेटे और नौ साल की बेटी ने आकर बताया कि लैम्प घूम नहीं रहा है। दरअसल प्रकाश गृह का लैम्प चारों ओर घूमकर अपना प्रकाश फैलाता था। यदि वह एक ही दिशा को प्रकाशित करता तो जहाजों के टकराने और डूबने की आशंका थी। पत्नी पति को मृत्यु शय्या पर छोड़ बच्चों के साथ लैम्प ठीक करने चली गई, पर वह ठीक नहीं हुआ। उसने अपने बच्चों को वहीं बैठाते हुए कहा, 'तुम लोग रातभर लैम्प को चारों ओर घुमाते रहना।' आज बादलों के कारण चांद की रोशनी भी नहीं है।' यह कहकर वह अपने पति के पास चली गई। दोनों बच्चे सुबह के छह बजे तक लैम्प घुमाते रहे। इस तरह उन्होंने कई जहाजों को रोशनी दिखाई और उन्हें दुर्घटना से बचाया। सुबह तक उन बच्चों के पिता का निधन हो चुका था। उनकी मां रो रही थी लेकिन उसके चेहरे पर कर्त्तव्य निभाने का संतोष झलक रहा था। वह जानती थी कि उसने और दोनों बच्चों ने एक महान काम को अंजाम दिया है और यही उसके पति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7347

1		2		3		4		5	
		6							
	7			8			9		10
11			12			13			
				14			15	16	
17		18	19			20			
21					22			23	24
		25		26		27			
	28							29	
30						31			

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7346

ख्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		श	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7656

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7655 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 8871

1			2	3			4	5
		6				7		
	8				9			
10				11				12
13			14				15	
		16				17		
	18				19			
20				21				22
23			24				25	

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत,मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा,मदद-3
8. आश्रय,शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म,भाग्य-3
11. दासत्व,गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा,लालसा-3
15. दुगना,दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी,साजन-3
21. कैनाल,उपनदी-3
23. जीवन सत्व,प्राण-2
24. प्रहार,आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना,वध करना-2
3. नृत्य,कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात,अनाम-3
7. नदी,दरिया-3
8. जांच,परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश,विध्वंस-3
14. अंजन,नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक,संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड,शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8870 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	बा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		ग	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		बा	च	न	
ना		ल	क	बा		ना	य	क
ब	र		त	र	फ		न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कारंजा में विचार, विरासत और सेवा का संगम

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने स्मृति भवन व माधव नेत्रालय का किया लोकार्पण, विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर भी समर्पित

पद्मेश न्यूज। लांजी। संघ की विचारधारा में राष्ट्रसेवा केवल नारे या भाषण का विषय नहीं, बल्कि जीवन के आचरण का हिस्सा मानी जाती है। इसी सोच का जीवंत उदाहरण मंगलवार को लांजी क्षेत्र के ग्राम कारंजा में देखने को मिला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहेब देवरस और उनके छोटे भाई भाऊराव देवरस की जीवन-यात्रा एवं राष्ट्रसेवा से जुड़ी स्मृतियों को संजोने वाले स्मृति भवन तथा ग्रामीण क्षेत्र में नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने वाले बालासाहेब देवरस माधव नेत्रालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर लांजी की मां एग्रो इंडस्ट्रीज की ओर से विद्यालय परिसर के प्रवेश द्वार पर विद्यार्थियों के लिए स्थापित वाटर कूलर भी समर्पित किया गया। कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के साथ निखिल मुंडले, अतुल शिरोड़कर, डॉ. पुणेंदु सक्सेना, दीपक तामसेट्टीवार तथा सेवा न्यास कारंजा के अध्यक्ष पवन स्थापक मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यास सचिव अरविंद मार्डीकर द्वारा प्रस्तावना प्रस्तुत करने से हुआ। उन्होंने बालभाऊ देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित विभिन्न सेवा गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी तथा संस्था के सामाजिक एवं सेवा कार्यों के उद्देश्यों और अब तक किए गए कार्यों से उपस्थित लोगों को अवगत कराया।

जहां काम बोलता है, वहां शब्दों की जरूरत कम-भागवत

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जहां प्रत्यक्ष रूप से कार्य हो रहा हो, वहां ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं होती। भाषण महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन समाज में जमीन पर दिखाई देने वाला कार्य उससे अधिक मायने रखता है। उन्होंने कहा कि संघ लोगों में संगठन क्षमता बढ़ाने के साथ मातृभूमि के प्रति भक्ति और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपना मानकर उसकी सेवा करने का भाव पैदा करता है। उन्होंने कहा कि संघ से तैयार स्वयंसेवक अपने स्तर पर काम करते हैं और कार्य का श्रेय लेने की होड़ में नहीं रहते। स्वयंसेवक का अर्थ ही है कि जो स्वयं आगे बढ़कर सेवा करे। ऐसे लोग सेवा के बदले मेवा की अपेक्षा नहीं रखते, बल्कि शिव भाव से जीव की सेवा करते हैं।

भारत की मिट्टी में संवेदना का बीज

डॉ. भागवत ने भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने पिछले 200 वर्षों में ऐसे अनेक महापुरुष दिए हैं, जिनकी तुलना विश्व इतिहास में बहुत कम देखने को मिलती है। भारतीय समाज की मिट्टी में ऐसी संवेदना है कि दूसरे का दुख देखकर आंखें नम हो जाती हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने विमान हादसे से जुड़े प्रसंग का उल्लेख करते हुए पायलट स्मित मच्छर के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में दूसरों की जिंदगी को अपनी जिंदगी से पहले रखना भारतीय संस्कार और सेवा भावना का उदाहरण है।

देवरस बंधुओं की स्मृतियों को सहेजेगा भवन

बालासाहेब देवरस और भाऊराव देवरस के जीवन का उल्लेख करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि दोनों भाइयों का जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहा। बालासाहेब देवरस संघ के तृतीय सरसंघचालक रहे, जबकि भाऊराव देवरस ने प्रचारक के रूप में संगठन के विस्तार और सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कारंजा में निर्मित स्मृति भवन में देवरस बंधुओं के जीवन, विचार, कार्य और संघ से जुड़े योगदान की स्मृतियों को संरक्षित किया जाएगा। उनके जीवन से जुड़े प्रसंगों और राष्ट्रसेवा के कार्यों को नई पीढ़ी के सामने रखने का प्रयास किया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके।

नेत्रालय से ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचेगी उपचार की सुविधा

कार्यक्रम का दूसरा प्रमुख पड़ाव बालासाहेब देवरस माधव नेत्रालय रहा। इसके माध्यम से कारंजा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नेत्र जांच एवं उपचार की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में आंखों के उपचार के लिए लोगों को अक्सर दूर शहरों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होना क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। कारंजा में पहले से संचालित विद्यालय, आवासीय विद्यालय, गौशाला और सिलाई प्रशिक्षण केंद्र जैसी गतिविधियों के बीच नेत्रालय की शुरुआत सेवा कार्यों की एक और कड़ी के रूप में सामने आई है।

विद्यार्थियों के लिए वाटर कूलर भी समर्पित

इसी अवसर पर लांजी की मां एग्रो इंडस्ट्रीज की ओर से विद्यालय परिसर के प्रवेश द्वार पर विद्यार्थियों के लिए स्थापित वाटर कूलर का भी लोकार्पण किया गया। इससे विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। स्मृति भवन, नेत्रालय और वाटर कूलर—तीनों पहल सेवा के अलग-अलग आयामों को सामने लाती हैं। कारंजा में आयोजित यह कार्यक्रम एक ओर देवरस बंधुओं की राष्ट्रसेवा की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बना, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा और विद्यार्थियों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने की पहल भी सामने आई। इस तरह कारंजा में मंगलवार को विचार, विरासत और सेवा—तीनों एक साथ दिखाई दिए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत, एक घायल

नंदोरा-कड़ता मार्ग पर हुआ गंभीर सड़क हादसा

पद्मेश न्यूज। लांजी। नंदोरा-कड़ता मार्ग पर सड़क के बीच धंसी पाइप पुलिया से बना जानलेवा गड्ढा आखिरकार एक जिंदगी निगल गया। मंगलवार 6 अक्टूबर की शाम करीब 6.30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर के बाद बाइक सवार दो भाई सड़क पर धंसी पुलिया के कारण बने गड्ढे की चपेट में आ गए। हादसे में कंसुली निवासी समल पिता हीरालाल दादरे (55) की मौत हो गई, जबकि उनका छोटा भाई कमलू पिता हीरालाल दादरे (50) घायल हो गया। घटना की जानकारी देते हुए घायल कमलू दादरे ने बताया गया कि वह अपने बड़े भाई समल दादरे के साथ मोटरसाइकिल से बालाघाट से पेशी में शामिल होकर अपने घर कंसुली लौट रहे थे। नंदोरा चौक से कड़ता मार्ग पर करीब 50 मीटर आगे पहुंचने पर उनकी बाइक को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इसी दौरान सड़क के बीच धंसी पाइप पुलिया से बने बड़े गड्ढे ने स्थिति को और गंभीर कर दिया और दोनों भाई हादसे का शिकार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की मदद से दोनों घायलों को निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने समल दादरे को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल कमलू का उपचार जारी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया गया है। जिसका 7 अक्टूबर को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है।

उल्लेखनीय है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां नंदोरा-कड़ता मार्ग पर पीडब्ल्यूडी की पाइप पुलिया अंदर से धंस चुकी है। इसके चलते सड़क के बीच बड़ा गड्ढा बन गया है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। दिन के समय तो वाहन चालक किसी तरह गड्ढे से बचकर निकल जाते हैं, लेकिन रात में यह स्थान किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा था। ग्रामीणों के अनुसार पुलिया धंसने और सड़क पर गड्ढा बनने की जानकारी संबंधित विभाग तक पहुंच चुकी थी, इसके बावजूद अब तक इसकी स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई। अब इसी खतरनाक गड्ढे के कारण हुए हादसे में एक व्यक्ति की जान चली गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जिम्मेदार विभाग तत्काल मौके का निरीक्षण कर पुलिया की तकनीकी जांच कराए और सड़क की मरम्मत कराए, ताकि आगे किसी और परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

धान खरीदी से पहले पालडोंगरी कैंप मार्ग सुधारने की जरूरत

हजारों किसान और सैकड़ों वाहन होंगे प्रभावित, हर साल मुरुम डालकर होती है खानापूर्ति

पद्मेश न्यूज। लांजी। आगामी धान खरीदी सीजन में हजारों किसानों की उपज जिस रास्ते से पालडोंगरी स्थित कैंप तक पहुंचेगी, वह मार्ग अभी से बदहाल स्थिति में है। लांजी-आमगांव मार्ग से ग्राम पालडोंगरी स्थित कैंप तक जाने वाले इस रास्ते पर जगह-जगह गड्ढे और उबड़-खाबड़ स्थिति बनी हुई है। आगामी दिनों में पांच सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से दो दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की धान यहां पहुंचनी है। ऐसे में समय रहते मार्ग का सुधार नहीं किया गया तो धान खरीदी के दौरान किसानों और परिवहन वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। पालडोंगरी स्थित कैंप पर प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान का डंप एवं भंडारण किया जाता है। धान खरीदी शुरू होने के बाद इस मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली, चार पहिया वाहनों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही कई गुना बढ़ जाती है। लाखों क्विंटल धान की आवक और परिवहन के बीच जर्जर सड़क पर वाहनों के फंसने तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी।

हर साल मुरुम डालकर होती है खानापूर्ति

मार्ग की बदहाली कोई नई समस्या नहीं है। हर साल धान खरीदी का समय नजदीक आते ही सड़क पर मिट्टी और मुरुम डालकर इसे कुछ समय के लिए चलने योग्य बनाने की कवायद की जाती है। भारी वाहनों की आवाजाही शुरू होते ही मुरुम धंस जाती है और कुछ समय बाद सड़क फिर गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्ते में तब्दील हो जाती है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब हर वर्ष इस मार्ग से बड़ी मात्रा में धान का परिवहन होना तय है तो स्थायी सुधार क्यों नहीं किया जाता।

किसानों की मेहनत, रास्ते की परेशानी

किसान महीनों की मेहनत के बाद अपनी उपज लेकर खरीदी व्यवस्था तक पहुंचता है। ऐसे में कैप तक पहुंचने वाला मार्ग सुगम और सुरक्षित होना भी जरूरी है। धान खरीदी के दौरान वाहनों की संख्या बढ़ने पर यदि सड़क की यही स्थिति रही तो किसानों के साथ परिवहन में लगे वाहन चालकों और समिति कर्मचारियों को भी परेशानी हो सकती है। प्रशासन और संबंधित विभाग को खरीदी शुरू होने से पहले मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कराने की जरूरत है।

एसडीएम ने दिया निरीक्षण का भरोसा

मामले में एसडीएम लांजी आदित्य नारायण तिवारी ने कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में लाया गया है। जल्द ही मौके का निरीक्षण कर समस्या का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसानों और समिति के कर्मचारियों को धान खरीदी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आदित्य नारायण तिवारी
एसडीएम लांजी

सेवा ही राष्ट्रसेवा का माध्यम, विद्यार्थियों ने 10 से अधिक गतिविधियों में किया श्रमदान

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय लांजी में चलाए गए 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने केवल स्वच्छता और श्रमदान तक सीमित न रहते हुए शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, मतदाता जागरूकता, डिजिटल साक्षरता और सामुदायिक सेवा जैसी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवा भावना विकसित करना रहा। प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने न्यूनतम 10 चिन्हित रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता की। महाविद्यालय परिसर और आसपास के सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाकर श्रमदान किया गया। वहीं प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने रैलियां निकाली गईं और परिसर को पॉलीथीन मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

बस्तियों में पहुंचकर शिक्षा और स्वास्थ्य का दिया संदेश

विद्यार्थियों ने समाज के पिछड़े वर्गों और बस्तियों में पहुंचकर शिक्षा के महत्व को समझाया तथा साक्षरता के लिए लोगों को प्रेरित किया। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण कर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी ली गई। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य और पौष्टिक आहार को लेकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मतदाता जागरूकता (स्वीप) गतिविधियां की गईं। नशामुक्ति और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ नुक्कड़ नाटक एवं संवाद के माध्यम से संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने स्थानीय नागरिकों को डिजिटल लेन-देन और सुरक्षित बैंकिंग के तरीकों की जानकारी देने के साथ ही आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार के बुनियादी उपायों से भी अवगत कराया।

'समाज सेवा ही राष्ट्र सेवा' का दिया संदेश

पूरे अभियान में विद्यार्थियों ने अनुशासन और उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। सेवा कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों ने संदेश दिया कि सामाजिक जिम्मेदारी केवल किसी संस्था या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अभियान के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यों में भी श्रमदान किया। प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने ने अभियान के सफल समापन पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सेवा जीवन का सबसे बड़ा धर्म है। ऐसे अभियान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ उनमें नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करते हैं। उन्होंने अभियान में सहयोग देने वाले प्राध्यापकों, सह-संयोजकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के समापन के साथ विद्यार्थियों ने सेवा, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने महाविद्यालय परिसर से निकलकर समाज के बीच सेवा और जागरूकता का संदेश पहुंचाया।

श्रीमती हारबती स्वामी पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट रोड स्थित नागझिरी चौक बिसोनी निवासी संजय स्वामी की माताजी श्रीमती हारबती ईश्वरीप्रसाद स्वामी का बीमारी के चलते 5-6 अक्टूबर की मध्यरात्रि 12.05 बजे 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई। श्रीमती हारबती स्वामी का अंतिम संस्कार मंगलवार को दोपहर 1 बजे नागझिरी स्थित मोक्षधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में परिवारजनों, रिश्तेदारों, परिचितों एवं क्षेत्र के लोगों ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी और श्रद्धासुमन अर्पित किए। परिजनों ने नम आंखों से उन्हें पंचतत्व में विलीन किया। श्रीमती हारबती स्वामी अपने पीछे दो पुत्र एवं तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। परिवारजनों ने बताया कि वे सरल, सहज एवं पारिवारिक स्वभाव की थीं और परिवार के प्रति उनका विशेष लगाव रहा। उनके निधन से परिवार ने अपनी मातृछाया खो दी है। अंतिम संस्कार के दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पिंडकेपार जांच को लेकर ग्रामीणों का आंदोलन

जांच आदेश मिलने तक जिप में धरना जारी रखने की चेतावनी

रवि ठकरानी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। पिंडकेपार ग्राम पंचायत की ग्रामसभा और विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े मामलों की 23 सितंबर को प्रस्तावित जांच अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण टल गई. जांच में देरी से नाराज ग्रामीणों ने 6 अक्टूबर को जिला परिषद पहुंचकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी से मुलाकात की और तत्काल जांच के आदेश जारी करने की मांग की.

सामाजिक कार्यकर्ता व ग्रामीण सुरेंद्र गेडाम सहित नागरिकों ने बताया कि पंचायत समिति के गुटविकास अधिकारी के आदेश के बाद जांच की तारीख तय की गई थी. निर्धारित दिन अधिकारी उपस्थित नहीं हुए.

ग्रामीणों के अनुसार, संपर्क करने पर अधिकारी के प्रशिक्षण में जाने की जानकारी दी गई. ग्रामीणों ने जांच टलने के कारणों पर सवाल उठाते हुए प्रक्रिया में किसी प्रकार के दबाव की आशंका जताई. कुछ ग्रामीणों ने आर्थिक लेन-देन की आशंका भी व्यक्त की, लेकिन इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है. उन्होंने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों, ग्रामसभा की कार्यवाही और संबंधित दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की. ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जांच के आदेश जारी होने तक जिला परिषद कार्यालय परिसर में धरना जारी रखा जाएगा. वहीं, सरपंच शालिनी राऊत ने ग्राम पंचायत की बदनामी करने वाले आरोपों या बयानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है. दूसरी ओर, सुरेंद्र गेडाम ने कहा कि विकास कार्यों की जानकारी मांगना और सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार है. अब जिला परिषद प्रशासन की ओर से जांच के आदेश और जांच की अगली तारीख कब तय होती है, इस पर ग्रामीणों की नजर है.

वृत्तपत्र विक्रेता कल्याणकारी मंडल के लिए 9 अक्टूबर को मोर्चा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। मंत्रिमंडल से मंजूर स्वतंत्र वृत्तपत्र विक्रेता कल्याणकारी मंडल को तत्काल अमल में लाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र राज्य वृत्तपत्र विक्रेता संगठन की ओर से 9 अक्टूबर को राज्यभर में आंदोलन किया जाएगा। इसी के तहत गोंदिया जिला वृत्तपत्र विक्रेता एजेंट एसोसिएशन ने जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा निकालने का निर्णय लिया है।

गोंदिया स्थित वृत्तपत्र विक्रेता भवन में राज्य संगठन के उपाध्यक्ष दिनेश उके की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष प्रमोद भोयर, सचिव राजेश साठवणे, राजेश वैद्य, प्रवीण वासनिक, रमेश भोयर, राजेंद्र राजकुमार, महेश तरोणे, भास्कर कडव, जावेद अंसारी, केवलचंद लांजेवार, जयेश गजभिये, सौरभ मेश्राम, राजेश देशभरतार, प्रकाश वंजारी, प्रकाश साखरे, दुर्योधन कटरे, अनिमेष रामटेके, हर्षदिप उके, प्रवीण कोचे, प्रतीक सोनवाने, दुर्गाप्रसाद गुप्ता, भोजराज देवगडे सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। 9 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे सभी वृत्तपत्र विक्रेता, एजेंट, पायलट बॉय, पार्सल बॉय तथा वाहन

चालक, कंप्यूटर ऑपरेटर, डिजाइनर, विज्ञापन और वितरण विभाग के कर्मचारियों से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास एकत्र होने का आह्वान किया गया है। दोपहर 2 बजे यहां से मोर्चा जिलाधिकारी कार्यालय की ओर रवाना होगा। वहां जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा।

कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की मांग

संगठन ने कल्याणकारी मंडल के लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान करने के साथ ही स्वास्थ्य व दुर्घटना बीमा, बुजुर्ग विक्रेताओं के लिए पेंशन, अधिकृत विक्रेताओं का पंजीयन, आवास योजना में आरक्षण, स्थायी दिव्यांगता अथवा मृत्यु की स्थिति में आर्थिक सहायता, गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए मदद, पेपर स्टॉल के लिए जगह तथा विक्रेताओं के बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मांगें रखी हैं। मोर्चे में विक्रेताओं से परिवार सहित बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान राज्य कार्यकारिणी सदस्य दिनेश उके ने किया है।

कोरंभी में भीषण सड़क हादसा, चारचाकी का टायर फटने से स्कूटी को मारी टक्कर, चालक की मौत

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगांव तहसील के ग्राम कोरंभीटोला में रविवार को दोपहर करीब 2 बजे चारचाकी वाहन और स्कूटी के बीच हुई भीषण टक्कर में स्कूटी चालक साधु नाकाडे (70), निवासी कोरंभीटोला, की मौत हो गई। हादसे में उनके साथ स्कूटी पर सवार 19 वर्षीय पोति गंभीर रूप से घायल हो गई। उसका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, साधु नाकाडे अपनी पोति के साथ स्कूटी से अर्जुनी-मोरगाव से कोरंभीटोला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वडसा की ओर से अर्जुनी-मोरगाव की दिशा में आ रही चारचाकी के अचानक टायर फट गया। इससे चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और चारचाकी ने सामने से आ रही स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में साधु नाकाडे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि 19 वर्षीय पोति गंभीर रूप से घायल है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार चारचाकी कुणाल सुकारे, निवासी विसोरा, चला रहे थे। चारचाकी का टायर फटने के कारण हादसा होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, दुर्घटना का वास्तविक कारण पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। मामले की जांच अर्जुनी-मोरगाव पुलिस थाने के निरीक्षक काले के मार्गदर्शन में की जा रही है। घटना से कोरंभीटोला क्षेत्र में शोक की लहर है।

8वें वेतन आयोग से बढ़ेगा कर्मचारियों का बैंक बैलेंस, लाखों के एरियर की तैयारी!

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 8वें वेतन आयोग का बेसब्री से इंतजार है। केंद्र सरकार हर 10 साल में एक वेतन आयोग का गठन करती है, और चूंकि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से प्रभावी थीं, जिसका कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, इसके बाद 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इसका अर्थ यह है कि जब भी नया वेतन आयोग आधिकारिक तौर पर लागू होगा, कर्मचारियों को 1 जनवरी 2026 से लेकर लागू होने की तारीख तक का पूरा अंतर एकमुश्त एरियर के रूप में मिलेगा। वर्तमान में, वेतन आयोग देश के विभिन्न राज्यों का दौरा कर कर्मचारी यूनियनों और पेंशनभोगियों से उनके काम और वेतन संबंधी सुझाव ले रहा है। आयोग को अपनी अंतिम रिपोर्ट जमा करने के लिए 18 महीने का समय मिलेगा, जिसका मतलब है कि यह रिपोर्ट मई 2027 के आसपास केंद्र सरकार को सौंपी जा सकती है। इसके बाद, सरकार मंत्रियों के एक समूह का गठन करेगी जो सिफारिशों की समीक्षा करेगा, और अंत में केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी ली जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में अतिरिक्त 3 से 6 महीने लग सकते हैं, जिससे अंतिम लागू होने की तारीख 2027 के अंत तक जा सकती है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होने के कारण, कर्मचारियों को लगभग 20 से 24 महीनों का मोटा एरियर प्राप्त होगा। आप समझते हैं कि 50,000 रुपये की मूल सैलरी पर एरियर की गणना कैसे होगी। मान लीजिए किसी कर्मचारी की वर्तमान बेसिक सैलरी 50,000 रुपये है और उस 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिल रहा है, तब उसकी कुल सैलरी 80,000 रुपये (50,000 + 30,000) होगी। अगर सरकार 8वें वेतन आयोग के तहत 2.57 का फिटमेंट फैक्टर चुनती है, तब नई बेसिक सैलरी बढ़कर 1,28,500 रुपये हो जाएगी।

चिचगड़-ककोडी मार्ग बदहाल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। देवरी तहसील अंतर्गत चिचगड़-ककोडी मार्ग लंबे समय से बदहाल है. बारिश के कारण सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. इनमें पानी भर जाने से वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता. इससे आवागमन में परेशानी के साथ दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है.

क्षेत्र के नागरिकों के अनुसार, इस मार्ग की कई वर्षों से समुचित मरम्मत नहीं हुई है. लंबे समय से उपेक्षित रहने के कारण सड़क की सतह जगह-जगह उखड़ गई है. बारिश के दौरान स्थिति और खराब हो गई है. गड्ढों से बचने के लिए वाहन चालकों को धीमी गति से वाहन चलाना पड़ रहा है. दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक परेशान हैं. कई बार गड्ढों में वाहन उतरने से चालक संतुलन खो बैठते हैं. यह मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है. प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, विद्यार्थी, कर्मचारी और अन्य नागरिक इसी मार्ग से आवागमन करते हैं. इसके बावजूद

सड़क की बदहाली की ओर संबंधित विभाग का ध्यान नहीं है. क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग व प्रशासन से मार्ग का तत्काल निरीक्षण कर बड़े गड्ढों को भरने और सड़क की आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है. साथ ही सड़क की गुणवत्ता सुधारने के लिए स्थायी उपाय करने की मांग की गई है, ताकि आवागमन सुगम हो और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

सड़क की लगातार बिगड़ती स्थिति के बावजूद प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से नागरिकों में नाराजगी है. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या से संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ है. बारिश के दौरान स्थिति गंभीर होने के बावजूद मरम्मत नहीं होने से लोगों में रोष है।

खड़े ट्रेलर में घुसी कार, 7 की मौत

भावनगर। गुजरात के भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा शिव शक्ति होटल के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार बोलेरो एसयूवी सडक़ किनारे खड़े ट्रेलर के पीछे जा टकराई। बोलेरो में अलंग शिपयार्ड के 7 कर्मचारी सवार थे। सभी काम के सिलसिले में भावनगर से अलंग शिपयार्ड जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि भारी-भरकम ट्रेलर तक के अगले पहिए टूटकर अलग हो गए थे। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान विजयभाई चंदुभाई वोरा, पीयूषभाई बिपिनचंद्र शाह, प्रितेशभाई बिपिनचंद्र भयाणी, भार्गवभाई गोसाई, हिरेनभाई मेहता और योगेशभाई शाह और जयेशभाई हिम्मतभाई वसानी के रूप में हुई है।

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में बालाघाट की दीनू बोपचे ने हासिल किया द्वितीय स्थान

पदमेश न्यूज। बालाघाट। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। भोपाल के शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 6 अक्टूबर को आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बालाघाट की छात्रा कुमारी दीनू बोपचे ने चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन मेरे सपनों का भारत विषय पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। चित्रकला प्रतियोगिता में बालाघाट जिले से पांच विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इनमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ददिया की कुमारी दीनू बोपचे, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोलेवर्डी की कुमारी प्रीति डहरवाल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिरोड़ी की कुमारी प्रतीक्षा मर्सकोले, शासकीय हाईस्कूल देवगांव की कुमारी दुर्गा दोनगड़े तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनसुआ की कुमारी वेदांशी कुशरे शामिल रहीं। इसी प्रकार राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी की कुमारी तनवी बोपचे ने बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व किया। विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर जिले की प्रतिभा और रचनात्मक क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पदमेश न्यूज। बालाघाट। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालयों में खेल, योग, पेंटिंग, निबंध, भाषण, कविता एवं रंगोली सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कडी में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा परिसर में कबड्डी प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, मंडल अध्यक्ष लालबर्रा प्रसन्न अवधिया, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजू अवधिया, आईटी सेल प्रभारी गौरव ठाकुर सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य नवीन जैन, प्रकाश सर एवं सोनू सर सहित अन्य गणमान्यजन

उपस्थित रहे।

किशोर पालीवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। कबड्डी हमारी माटी का पारंपरिक खेल है, जो शारीरिक शक्ति बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन और टीम भावना का विकास करता है। प्रतियोगिता में विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं खेल क्लबों की महिला और पुरुष टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी फुर्ती, कौशल, रणनीति और दमदार प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया। प्रत्येक अंक पर दर्शकों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला ददिया और रामजीटोला की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें ददिया की टीम विजेता रही, जबकि मानपुर की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला जुनून स्पोर्ट्स क्लब लालबर्रा और जेजे क्लब के बीच हुआ। इसमें जुनून स्पोर्ट्स क्लब लालबर्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। महिला वर्ग में पुजारीटोला की टीम तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के समापन पर अतिथियों द्वारा विजेता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन ने युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आपसी सहयोग और फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

अवैध रेत ले जा रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गंगाझरी व तिरोड़ा पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध रेत ले जा रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा. इस कार्रवाई में कुल 13 लाख 10 हजार रु. का माल जब्त किया गया.

पहली कार्रवाई गंगाझरी थाने के तहत ग्राम भानपुर से सेजगांव खुर्द मार्ग पर की गई. इस कार्रवाई में सेजगांव खुर्द निवासी ट्रैक्टर चालक हौसीलाल देवीलाल गौतम (36) को बिना क्र. के ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध एक ब्रास रेत ले जाते हुए पकड़ा गया. इस कार्रवाई में 7 लाख रु. कीमत की ट्रैक्टर व ट्रॉली तथा 4 हजार रु. कीमत की एक ब्रास रेत ऐसा कुल 7 लाखस 4 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी हवलदार उमेश खुशरंग कावले की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार देशपांडे कर रहे हैं. दूसरी कार्रवाई तिरोड़ा थाने के तहत ग्राम खुरकुड़ी से भोंबोड़ी मार्ग पर की गई. तिरोड़ा पुलिस ने बिरोली निवासी आरोपी सचिन रामरावजी काटवाले (35) को बिना क्र. के ट्रैक्टर-ट्रॉली में एक ब्रास रेत अवैध रुप से ले जाते हुए पकड़ा. इस कार्रवाई में 6 लाख रु. कीमत की ट्रैक्टर-ट्रॉली व 6 हजार रु. कीमत की एक ब्रास रेत ऐसा कुल 6 लाख 6 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी हवलदार इंद्रजित बिसेन की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक नष्टे कर रहे हैं.

1.47 लाख रु. के आभूषण उड़ाया

पदमेश न्यूज। गोंदिया। दवनीवाड़ा थाने के तहत झालुटोला निवासी फिर्यादी राजाराम रामा गौरे (64) अपनी पत्नी के साथ नागपुर अपनी लड़की से मिलने गया था. जब वे नागपुर से लौट आए तो उनके घर के पीछे का दरवाजा तुटा हुआ दिखाई दिया. उन्हें पता चला कि अज्ञात आरोपी ने उनके घर से 1 लाख 47 हजार 500 रु. कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर दवनीवाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत भुते कर रहे हैं.

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

पदमेश न्यूज। गोंदिया। रामनगर थाने के तहत चिचटोली निवासी विरांची रविकांत देशमुख (32) दुर्घटना में घायल हो गया था. उसे केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में ले जाया गया. जहां डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी डा. सौरभ गुप्ता की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार सुमेद चंद्रिकापुरे कर रहे हैं.

घोटी में बिजली चोरी, 60 हजार का नुकसान

मीटर से छेड़छाड़ कर 3,790 यूनिट बिजली की चोरी

पदमेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव तहसील के घोटी गांव में बिजली चोरी का मामला सामने आया है. महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के भरारी पथक ने कार्रवाई करते हुए 57 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार घोटी निवासी आरोपी हईम हबीज शेख (57) के घर में महावितरण कंपनी की ओर से एचई कंपनी का सिंगल फेस, दो वायर और 5.3 एंपियर क्षमता वाला बिजली मीटर लगाया गया था. महावितरण के अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान बिजली चोरी किए जाने का मामला पकड़ा. जांच में 3,790 किलोवाट-घंटे बिजली की चोरी सामने आई. इससे महावितरण को करीब 60,739 रु. का आर्थिक नुकसान होने का उल्लेख शिकायत में किया गया है. मौके से 860 रु. कीमत का सिंगल फेस बिजली मीटर तथा करीब 150 रु. कीमत का थ्री-पिन पावर प्लग व बोर्ड ऐसा कुल 1,010 रु. का सामान जब्त किया गया. आरोपी पर 0.997 किलोवाट बिजली भार के अनुसार 4,000 रु. की समझौता राशि जमा करने के लिए कहा गया था. राशि जमा नहीं करने पर महावितरण के उड़न दस्ते के अति कार्यकारी अभियंता अविनाश गजानन कटकवार की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार देवेंद्र काटेंगे कर रहे हैं.

तेंदुए के हमले से हड़कंप

एक गाय के बछड़े का शिकार, दूसरे को किया घायल

पदमेश न्यूज। गोंदिया। अर्जुनी मोरगाव तहसील के बोंडगावदेवी गांव में सोमवार सुबह तेंदुए के हमले से हड़कंप मच गया. गांववासी गहरी नींद में थे, तभी तेंदुआ खेत की ओर से गांव में घुस आया और घर से सटी खुली जगह में बांधे गए मवेशियों पर हमला कर दिया. इसमें एक गाय के बछड़े की मौत हो गई, जबकि दूसरा बछड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया.

जानकारी के अनुसार धनराज नत्थू झोडे का घर गांव से सटे खेत परिसर में है. वे अल्पभूधारक किसान हैं और पशुपालन से परिवार का भरण-पोषण करते हैं. रविवार रात उन्होंने घर के सामने खुली जगह में मवेशियों को बांधा था. देर रात तेंदुआ वहां पहुंचा और खूंटे से बंधे बछड़े पर हमला कर उसे मार डाला. इसके बाद दूसरे बछड़े पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया. सोमवार सुबह परिवार के लोग उठे तो एक बछड़ा मृत मिला. सूचना मिलते ही वन विभाग की क्षेत्र सहायक रंजना भोगे और वनपाल पटले मौके पर पहुंचे. उन्होंने मृत व घायल मवेशियों का पंचनामा किया. इस घटना में झोडे को हजारों रु. का नुकसान होने की जानकारी है. ग्रामीणों ने वन विभाग से किसान को आर्थिक सहायता देने की मांग की है.

गांव में तेंदुए के लगातार बढ़ते आवागमन से ग्रामीणों में भय का माहौल है. खेतों से सटे घरों को देखते हुए ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और तेंदुए के बंदोबस्त की मांग की है.

ग्रामीणों को रात के समय अकेले खेत परिसर में नहीं जाना चाहिए, मवेशियों को सुरक्षित गोठे में रखने और घर के आसपास पर्याप्त रोशनी रखे. वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है.

रंजना भोगे, क्षेत्र सहायक

चोरी की आशंका में घूम रहे दो को पकड़ा

वीआईपी दौरे के चलते रामनगर पुलिस का कॉम्बिंग ऑपरेशन

पदमेश न्यूज। गोंदिया। चोरी का संज्ञेय अपराध करने के उद्देश्य से अपनी पहचान छिपाकर संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे दो युवकों को रामनगर पुलिस ने मरारटोली परिसर से पकड़ा. दोनों के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान की गई.

जानकारी के अनुसार बालाघाट जिले के सुभाषनगर वार्ड क्र. 7 निवासी जितेंद्र छबीराम रोकड़े (38) को शाम 7.30 से रात 8 बजे के बीच संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पकड़ा गया. इसी तरह बालाघाट जिले के वार्ड क्र. 33 गांधीनगर निवासी आशीष गणपत गोले (19) को रात 8.35 से 9.10 बजे के बीच मरारटोली क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में घूमते पाया गया. पुलिस ने दोनों के खिलाफ चोरी का संज्ञेय अपराध करने की आशंका और अपनी मौजूदगी छिपाकर घूमने के आधार पर कार्रवाई की. दोनों मामलों में किसी प्रकार की चोरी की सामग्री बरामद नहीं हुई है.

वीआईपी दौरे को लेकर बढ़ाई गई थी गश्त

वीआईपी दौरे की पृष्ठभूमि में रामनगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में गश्त और कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा था. इसी दौरान दोनों संदिग्ध पुलिस के हत्थे चढ़े. पहले मामले की जांच हवलदार राजकुमार पाचे तथा दूसरे मामले की जांच सहायक फौजदार राजेश भुरे कर रहे हैं.

फिल्म देखने गया शख्स विज्ञापन से हुआ परेशान, पीवीआर चुकाएगा 75 हजार रुपये

हैदराबाद। हैदराबाद में फिल्म देखने गए दर्शक को विज्ञापन के कारण फिल्म देर से शुरू होने का खामियाजा पीवीआर आइनॉक्स को भुगतना पड़ा है। एक उपभोक्ता आयोग ने पीवीआर आइनॉक्स पर कुल 75,000 रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें से 25,000 रुपये शिकायतकर्ता को सीधे मुआवजे के तौर पर मिलेगा। यह मामला 20 जून 2025 का है, जब अधिवक्ता चंदा अतीश कुमार ने मूसीरामबाग स्थित पीवीआर में तेलुगु फिल्म कुबेरा के दो टिकट खरीदे थे। टिकट पर शो का समय रात 10:35 बजे दर्ज था, लेकिन अत्यधिक कारोबारी विज्ञापन और ट्रेलर चलने के कारण फिल्म रात 10:52 बजे शुरू हुई, यानी 22 मिनट की देरी हुई। शिकायतकर्ता ने आयोग को बताया कि इस देरी से उनके देर रात घर लौटने के कार्यक्रम पर असर पड़ा, जिससे उन्हें असुविधा हुई।

जबकि पीवीआर ने तर्क दिया कि विज्ञापन दिखाना सिनेमा कारोबार का हिस्सा है, लेकिन जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार माना। आयोग ने कहा कि टिकट पर दिया गया समय दर्शकों को निश्चित सेवा का भरोसा दिलाता है। निर्धारित समय के बाद लंबे समय तक विज्ञापन चलाना ग्राहकों के हितों के खिलाफ है। आयोग ने पीवीआर सिनेमा और पीवीआर आइनॉक्स को शिकायतकर्ता को 20,000 रुपये का मुआवजा और 5,000 रुपये मुकदमे के खर्च के तौर पर देने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, 50,000 रुपये का दंडात्मक हर्जाना जिला उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा करने का आदेश दिया गया है, जिससे कुल रकम 75,000 रुपये हो जाती है। कंपनी को 45 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा, अन्यथा 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। आयोग ने पीवीआर आइनॉक्स को भविष्य में इस तरह की देरी न करने का भी निर्देश दिया है। यह फैसला उन सभी दर्शकों के लिए महत्वपूर्ण है जो सिनेमाघरों में समय पर फिल्म शुरू होने की उम्मीद करते हैं।

हरमनप्रीत ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दिया

मंधाना को मिल सकती है कमान

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अचानक ही तीनों प्रारुपों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। महिला क्रिकेट टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने वाली हरमनप्रीत ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था। इस घोषणा के बाद, भारतीय महिला टीम की अगली कप्तान के नाम पर अटकलें तेज हो गई हैं, इसमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना सबसे आगे हैं। मंधाना लंबे समय से टीम की उप-कप्तान रही हैं और तीनों प्रारुपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, इस कारण से उन्हें इस पद के लिए सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है।

अपनी पोस्ट में, हरमनप्रीत ने लिखा, आज, मैं सभी प्रारुपों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान के पद से हट रही हूं हालांकि यह मेरे लिए कोई आसान फैसला नहीं था। उन्होंने अपने कप्तानी केको याद करते हुए कहा कि इसमें इसमें कई यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल शामिल हैं जो जिंदगी भर मेरे साथ रहेंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि उन्होंने टीम को अपना सब कुछ दिया—अपना खून, अपना पसीना, अपना समय र कई बार, अपने खेल और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को भी एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि उनका मानना था कि टीम पहले आनी चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि एक कप्तान के रूप में, उन्हें मुश्किल फैसले लेने पड़े, जो हमेशा समझ में नहीं आए या आसान नहीं थे, और कभी-कभी उन्हें व्यक्तिगत कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन हर फैसले का एक ही लक्ष्या था और वह ये कि टीम को बेहतर बनाना और अन्य खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेन।

हरमनप्रीत ने अपने कप्तानी करियर के दौरान सबसे बुरे पल, दिल टूटना, संदेह और ऐसे दिन देखे जब कुछ भी टीम के पक्ष में नहीं गया, और साथ ही जीत, जश्न, देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व और हर कुर्बानी के सफल होने के ऊंचे पल भी देखे। उन्होंने शांति और भावनाओं से भरे दिल के साथ कप्तानी छोड़ने की बात कही, क्योंकि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी टीम अच्छी स्थिति में है प्रतिभा, चरित्र, विश्वास और भविष्य से भरी हुई है। अपनी पोस्ट के अंत में, उन्होंने लिखा, मुझे लगता है कि मैंने अपना फर्ज निभाया है। मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया। अब, मेरे लिए पन्ना पलटने का समय आ गया है। कप्तानी आज खत्म हो सकती है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए मेरा प्यार कभी नहीं होगा। उन्होंने सभी टीममेट्स, कोच, सपोर्ट स्टाफ, मैनेजमेंट, बीसीसीआई, परिवार और प्रशंसकों का धन्यवाद किया।

हरमनप्रीत ने पिछले लगभग एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट को अपनी सेवाएं दी हैं, जिसमें उन्होंने 2016 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी। उनकी अगुवाई में भारत ने एकदिवसीय विश्वकप के साथही कई एशिया कप खिताब और हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, जो उनकी कप्तानी की प्रमुख उपलब्धियां हैं। हरमनप्रीत ने कहा है कि अब वह बतौर खिलाड़ी भारतीय टीम को अपनी सेवाएं देती रहेंगी।

आगा की जगह साहिबजादा फरहान बने पाकिस्तान टी20 टीम के नये कप्तान

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बार फिर कप्तानी में बदलाव करते हुए सलमान आगा को बाहर कर साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंप दी है। फरहान श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 सीरीज से अपनी नई जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की लगातार बदलती रणनीतियों का अंदाजा होता है।

साहिबजादा फरहान, जिन्होंने हाल ही में एशियाई खेलों में पाकिस्तान टीम की अगुवाई की थी और अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया था, को अब सीनियर टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं आगा को महज कुछ समय पहले ही टी20 कप्तान बनाया गया था, पर उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन शायद उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा, जिसके चलते यह बड़ा फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि पाक क्रिकेट में कप्तानी में लगातार बदलाव होते रहे हैं और हर सीरीज या बड़े टूर्नामेंट से पहले नए खिलाड़ी को आजमाया जाता है हालांकि ये टीम के भीतर स्थिरता पर सवाल उठाता है और खिलाड़ियों के मनोबल को प्रभावित करता है।

गौरतलब है कि फरहान की अगुवाई में पाकिस्तान टीम श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 9 अक्टूबर को शुरू होगी, जिसका दूसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को और तीसरा व आखिरी मैच 13 अक्टूबर को खेला जाएगा। तीनों ही मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे, जहां घरेलू दर्शकों के सामने फरहान के लिए अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर होगा। इस सीरीज के लिए पाक ने टीम का भी ऐलान कर दिया है, जिसमें कुछ नए चेहरे भी शामिल किए गए हैं।

टी20 सीरीज के बाद पाक टीम इंग्लैंड और श्रीलंका के साथ एक त्रिकोणीय सीरीज में भाग लेगी। इस त्रिकोणीय सीरीज के लिए तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कप्तानी सौंपी गई है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पीसीबी अलग-अलग प्रारुपों के लिए अलग-अलग कप्तानों की रणनीति पर चल रहा है।

प्रशंसक की आंख में शॉट लगाने से मेदवेदेव हुए अयोग्य, जोकोविच फाइनल में पहुंचे

बीजिंग। यहां खेले गये चीन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में रूसी टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव का एक शॉट सीधे एक प्रशंसक की आंख में लगने से अयोग्य होकर बाहर हो गये। इससे सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सीधे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह घटना जब हुई तब मेदवेदेव सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच से 7-5, 5-3 से पीछे चल रहे थे। रूसी खिलाड़ी ने गुस्से में एक शॉट मारा जो सीधे स्टैंड्स में बैठे एक दर्शक की आंख में लग गया। इस अप्रत्याशित हादसे से सभी लोग सकते में पड़ गये। ये हादसा तब हुआ जब मेदवेदेव एक अंक हारने से निराशा थे। उन्होंने बैकबोर्ड से टकराकर वापस आ रही गेंद पर इतनी तेजी से शॉट लगाया कि गेंद सामने बैठे एक दर्शक की बाईं आंख में जा लगी। दर्शक तुरंत अपनी आंख पकड़कर दर्द से कराह उठा, जिससे खेल कुछ समय के लिए रुक गया। घायल दर्शक को तुरंत स्टेडियम कर्मचारियों की मदद से उपचार के लिए बाहर ले जाया गया। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, अंपायर मोहम्मद लाहयानी और एटीपी अधिकारियों ने मेदवेदेव को मैच से आगे खेलने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। मेदवेदेव ने घटना के बाद नेट के पास आकर जोकोविच से हाथ मिलाया और कहा कि उन्हें इस घटना का बेहद दुख है और वह दर्शक से भी माफी मांगना चाहते हैं। वहीं जोकोविच ने इस घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मेदवेदेव के प्रति सहानुभूति जताई। साथ ही कहा कि साल 2020 यूएस ओपन में उन्हें भी इसी तरह एक लाइन जज को अनजाने में गेंद लगने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था। जोकोविच ने कहा, मुझे उम्मीद है कि उस व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं आई होगी। दूसरी ओर मुझे डेनिलमेदवेदेव के लिए भी बुरा लग रहा है क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूं कि किसी बड़े मैच में अयोग्य घोषित होने पर कैसा महसूस होता है।

तन्मय के सामने टिक नहीं पायी ऑस्ट्रेलियाई अंडर-19 टीम

नई दिल्ली। स्पिनर तन्मय बलोदा की घातक गेंदबाज से भारतीय अंडर-19 टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट के पहले दिन ही हावी हो गयी। भारतीय टीम ने तन्मय के छह विकेटों की सहायता से ऑस्ट्रेलियाई यूथ टीम को पहली पारी में 174 रनों पर ही समेट दिया। इसके बाद दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने भी दो विकेट खो दिये जिससे मुकाबला अब करीबी हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की बल्लेबाजी के दौरान तन्मय ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 25 ओवर में 11 मेडन सहित मात्र 32 रन देकर छह विकेट लिए। ये उनके करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी धारदार स्पिन के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय टीम को प्रियांशु सिंह ने दूसरे ओवर में ही ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मैथ्यू लॉफ को खाता खोले बिना पवेलियन भेजकर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मोहित उलवा ने हेडन बारबुलोविक को 8 रन पर आउट कर मेहमान टीम को दूसरा झटका दिया। फिर तन्मय ने अपनी स्पिन से विरोधी टीम को दबाव में ला दिय। उन्होंने एली ब्रेन को पगबाधा किया और नील पटेल (31 रन) को स्टंप आउट किया।

इसके बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज चार्ली हेंडरसन (37 रन) और जैकब पीट्ज (26 रन) ने सातवें विकेट के लिए 70 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर पारी को कुछ हद तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, बलोदा ने पीट्ज को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद अयान अकरम ने हेंडरसन को आउट किया, जबकि बलोदा ने निचले क्रम को समेटते हुए पैट्रिक सुलिवन (20 रन) समेत बाकी बल्लेबाजों को आउट कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया।

इसके बाद भारतीय यूथ टीम की शुरुआत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। सलामी बल्लेबाजी राजेश रायचंदानी केवल एक रन बनाकर आउट हो गयेएक रन बनाकर आउट हो गये। वहीं, तेज शुरुआत देने वाले सागर वीरक ने 16 रन की अपनी पारी में तीन चौके लगाए पर लेग स्पिनर स्पेंसर ग्रीन ने उन्हें पगबाधा कर भारत को दूसरा झटका दिया।

दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दो विकेट के नुकसान पर 38 रन बना लिए थे। कुशाग्र ओझा 13 रन और कप्तान यशवर्धन चौहान 7 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। भारतीय टीम अभी भी ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर से 136 रन पीछे है।

भुवनेश्वर हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान बने

मुम्बई । अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर के अलावा स्पिन ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया गया है। भूवी के नाम से लोकप्रिय भुवनेश्वर ने भारतीय टीम के लिए पिछला मुकाबला नवंबर 2022 में खेला था। हांगकांग सिक्स सीरीज के लिए भुवनेश्वर को भारतीय टीम की कप्तानी दी गयी है। टीम में भुवनेश्वर के अलावा आईपीएल से भी कुछ खिलाड़ियों को अवसर मिला है। हांगकांग सिक्स सीरीज की शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी। वहीं टूर्नामेंट का समापन 01 नवंबर को होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों को 4 पूल्स में बांटा गया है। पूल-ए में- हांगकांग चीन, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड है। वहीं पूल-बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड है। पूल-सी में- भारत, पाकिस्तान और यूएई है। पूल-डी में- दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान और ओमान है।

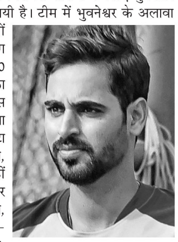

भुवनेश्वर ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 21 टेस्ट, 121 एकदिवसीय और 87 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल लिए हैं। टेस्ट की 37 पारियों में उन्होंने 63 विकेट लिए हैं। एकदिवसीय की 120 पारियों में भुवी ने 141 विकेट लिए हैं। टी20 इंटरनेशनल में भारतीय गेंदबाज ने 90 विकेट लिए है। भारतीय सीमित ओवरों की टीम से वह वह 2022 से बाहर हैं। वहीं टेस्ट टीम से वह 2018 में ही बाहर हो गए थे।

आईसीसी के सितंबर माह के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शुभमन, अभिषेक और रजा में होगा मुकाबला

मुम्बई । भारत के अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के अलावा जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा को सितंबर 2026 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया है। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। उन्होंने इस सीरीज में 76.33 की शानदार औसत से कुल 229 रन बनाए। सीरीज के पहले मैच में ही उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेलकर भारत को धमाकेदार जीत दिलाई थी। उनकी प्रतिभा का असली सबूत सीरीज के तीसरे मैच में देखने को मिला, जब उन्होंने महज 45 गेंदों पर 108 रन की ऐतिहासिक पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो टी20 में सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड बन गया। उनकी इस अद्भुत पारी में 11 छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 317.64 रहा। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने तीसरे मैच में पावरप्ले में 100/0 का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। उन्हें इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और वह पूरी सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरा स्थान मजबूत किया, जिससे उनकी पहचान एक उभरते हुए सुपरस्टार के रूप में स्थापित हुई।

वहीं भारतीय टीम के एक और सितारे, शुभमन गिल ने सितंबर माह में एकदिवसीय क्रिकेट में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 108 गेंदों पर 110 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर भारत को 296 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। यह गिल के एकदिवसीय करियर का 10वां शतक था। इसके अलावा, गिल ने सितंबर में एक और यादगार प्रदर्शन करते हुए मात्र 62 गेंदों में शतक और 117 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया, जिससे उन्होंने 223 रन की नाबाद पारी खेली। यह सफल वनडे रन चेज में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बन गया। कप्तान के रूप में भी उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। वहीं जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी इस अवॉर्ड की दौड़ में शामिल हैं।

विश्व कप से पहले 47 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी के तहत ही भारतीय टीम अब विश्वकप से पहले कुल 18 टी20, 20 एकदिवसीय और 9 टेस्ट मैच खेलेगी, इससे विभिन्न प्रारूपों में खिलाड़ियों की क्षमता और अनुकूलनशीलता की असली परीक्षा होगी। इन अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के अलावा, विश्व कप में संभावित रूप से चुने जाने वाले भारतीय खिलाड़ी प्रतिष्ठित आईपीएल और एशिया कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में भी अपनी उतरेंगे। । यह कार्यक्रम टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों के लिए कार्यभार प्रबंधन और चोट से बचाव की रणनीति बनाने में एक बड़ी चुनौती पेश करेगा।

एकदिवसीय विश्व विश्व कप से पहले भारतीय टीम का यह व्यस्त कार्यक्रम मार्च 2027 तक चलेगा, जिसके बाद विश्व कप से ठीक पहले कुछ और अहम दौरे संभावित हैं। सितंबर और अक्टूबर 2026 में, भारतीय टीम अपने घर में तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की एक सीरीज खेलेगी। इसके तुरंत बाद, अक्टूबर और नवंबर 2026 में, टीम न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी, जहाँ उसे पांच टी20, पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैचों की एक लंबी सीरीज खेलनी होगी। वहीं दिसंबर 2026 में, भारतीय टीम तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज श्रीलंका के साथ खेलेगी। वहीं नए साल, यानी जनवरी 2027 की शुरुआत, भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज से करेगी। जनवरी से मार्च 2027 के बीच, क्रिकेट प्रेमियों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच टेस्ट मैचों की रोमांचक सीरीज देखने को मिलेगी। इस कड़ी टेस्ट सीरीज के बाद, भारतीय खिलाड़ी आईपीएल और एशिया कप जैसे टूर्नामेंटों की तैयारी में जुट जाएंगे।

विश्व कप से ठीक पहले, भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे की संभावना भी प्रबल है, जहाँ टीम को पांच टी20, तीन एकदिवीसय और दो टेस्ट मैच खेलने पड़ सकते हैं।

पाक सरकार पर बरसे शास्त्री, बोले इमरान खान को तत्काल रिहा किया जाये

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि पाक टीम के पूर्व कप्तान इमरान खान को तत्काल जेल से रिहा किया जाये। शास्त्री ने पाकिस्तान सरकार द्वारा इमरान के साथ किए जा रहे व्यवहार को अमानवीय बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की और कहा कि देश को पहला एकदिवसय विश्व कप दिलाने वाले खिलाड़ी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। शास्त्री ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान की सरकार इमरान खान के साथ जो कर रही है, वह किसी भी मायने में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

शास्त्री ने इस स्थिति पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, मैं कोई राजनेता नहीं हूं, लेकिन उनके साथ जिस तरह का सलूक किया जा रहा है, वह देखना वास्तव में हैरान करने वाला है। कोई भी किसी इंसान के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करता। इमरान के साथ इस समय जो हो रहा है, वह उसके बिल्कुल भी हकदार नहीं हैं। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपने बारे में नहीं कह रहा, बल्कि पूरे विश्व में ऐसे कई क्रिकेटर होंगे जो मेरी इस बात का समर्थन करेंगे।

गौरतब है कि पाकिस्तान सरकार और सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री रहे इमरान को भ्रष्टाचार के आरोपों में साल 2023 से ही रावलपिंडी की जेल में कैद किया हुआ है। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जेल में उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। उन्हें आंखों से संबंधित गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, बावजूद इसके पाकिस्तान की सरकार उनके उचित इलाज के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है। इस गंभीर स्थिति के बीच, इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान, इमरान के दोनों बेटों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए आशंका जताई थी कि जेल में उनके पिता की हत्या की जा सकती है।

इमरान के समर्थन में दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेट हस्तियां और खेल प्रेमी उतर चुके हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के सात पूर्व कप्तानों ने भी अपनी सरकार को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है, जो इस मुद्दे की अंतरराष्ट्रीय गंभीरता को दर्शाता है।

शास्त्री ने इमरान के क्रिकेट में दिए गए योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा, इमरान ने क्रिकेट को वास्तव में बहुत कुछ दिया है। युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे ले जाना, उनकी सबसे बड़ी देन रही है। उन्होंने 40 साल की उम्र में कप्तानी करते हुए एक युवा टीम के साथ विश्व कप जीता था, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का अद्भुत उदाहरण है। भारतीय टीम के पूर्व कोच ने उम्मीद जताई कि इमरान जल्द ही जेल से बाहर आएंगे। शास्त्री ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही ठीक होंगे और उनके साथ मानवीय बर्ताव होगा। वह काफी लंबे समय से जेल में हैं और यह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद शतक से भारत ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

लखनऊ । लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। भारत की जीत के नायक कप्तान श्रेयस अय्यर रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद शतकीय पारी खेली। अय्यर ने 6 छक्कों और 10 चौकों की मदद से 102 रन बनाए और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

वेस्टइंडीज से मिले 172 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। कप्तान श्रेयस अय्यर ने एक छोर संभालते हुए तेजी से रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 21 रन, संजू सैमसन ने 11 रन और ईशान किशन ने 37 रन का योगदान दिया। भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा और टीम ने 8 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन और रॉस्टन चेज ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले टॉस के बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के शुरुआती विकेट जल्दी गिर गए, लेकिन इसके बाद शाइ होप और शरफेन रदरफोर्ड ने पारी को संभाला। शाइ होप ने 37 गेंदों में 52 रन की तेजतर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं शरफेन रदरफोर्ड ने 34 गेंदों में 56 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 3 छक्के शामिल रहे।

दोनों बल्लेबाजों की पारियों की बदौलत वेस्टइंडीज की टीम मजबूत स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में शानदार वापसी करते हुए कैरेबियाई टीम को 171 रन पर समेट दिया।

भारतीय गेंदबाजों में डेब्यू कर रहे नमन धीर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह और मयंक यादव को एक-एक सफलता मिली। भारतीय गेंदबाजों के अंतिम ओवरों के प्रभावी प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने गांगुली

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र को देखते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि कि गांगुली जैसे अनुभवी के कोच बनने से टीम आईपीएल 2027 सत्र में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गांगुली पहली बार आईपीएल में मुख्य कोच के तौर पर नजर आयेंगे हालांकि वह पहले भी दिल्ली फ्रेंचाइजी में डायरेक्टर रहे थे। उन्हें हेमंग बदानी की जगह मुख्य कोच बनाया गया है। बदानी पिछले दो साल से दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच थे पर टीम कुछ खास सफलता हासिल नहीं कर पायी। बदानी के अलावा, टीम ने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल, सहायक कोच इयान बेल और टीम डायरेक्टर वेणुगोपाल राव को भी हटाने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि गांगुली अपनी टीम को अपनी रणनीतिक सोच के अनुरूप ढालने के लिए अपना खुद का सहायोगी स्टाफ बनाना चाहते हैं, जिसके चलते ये बड़े बदलाव किए गए हैं।

गौरतलब है कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले दो आईपीएल सीज़न बेहद निराशाजनक रहे थे। टीम आईपीएल 2025 में पांचवें और 2026 में छठे स्थान पर रही थी, दोनों बार प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रही। ऐसे में, गांगुली जैसे अनुभवी और सफल लीडर की नियुक्ति को टीम के भाग्य को पलटने के एक बड़े प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गांगुली साल 2019 से ही फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं, जहां उन्होंने पुरुष और महिला दोनों टीमों में डायरेक्टर की भूमिका निभाई थी। कोचिंग स्टाफ में गांगुली को पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज युवराज सिंह का साथ मिल सकता है, हालांकि इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हेड कोच के तौर पर गांगुली का यह पहला आईपीएल अनुभव होगा, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी लीग एसए 20 लीग में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच रहते हुए वे अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में सफल रहे थे, जो उनके कोचिंग कौशल का प्रमाण है। गांगुली ने इस नई भूमिका को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम का हेड कोच का पद संभालने को उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी मेरे दिल के बहुत करीब रही है और पिछले सालों इसके साथ मेरे रिश्ते और मजबूत हुए हैं। उन्होंने एक मजबूत और निडर टीम बनाने का दावा किया, जो मैदान पर अपने प्रदर्शन से विरोधियों को चुनौती दे सके।

हर जिले में फ्री कोचिंग, अगले साल दो एमपीपीएससी की परीक्षा

सीएम यूथ कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

भोपाल । मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को कई बड़े ऐलान किए। लाल परेड ग्राउंड में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026 में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 को मध्यप्रदेश में 'युवा वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान युवाओं से सुझाव लेकर नई योजनाओं को जमीन पर उतारने की बात भी कही। कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री ने युवाओं से औपचारिक भाषण की बजाय बड़े भाई की तरह बातचीत की। युवाओं के सवालों के जवाब दिए और एक के बाद एक कई घोषणाएं कीं। सबसे बड़ा ऐलान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए रहा। सरकार अब हर जिले के सभी शासकीय कॉलेजों में मुफ्त कोचिंग क्लास शुरू करने की व्यवस्था करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को अब कोचिंग के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। प्रत्येक जिले के शासकीय महाविद्यालयों में निःशुल्क कोचिंग क्लास शुरू की जाएंगी। युवाओं के बीच यह घोषणा करते हुए सीएम ने कहा कि यह सुविधा उनके अपने भविष्य के लिए है। उन्होंने युवाओं से इस घोषणा पर तालियां बजाने को भी कहा।

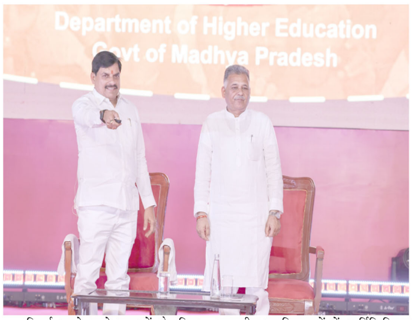

रिसर्च की राशि 16 से बढ़ाकर 25 हजार

रिसर्च करने वाले युवाओं के लिए भी मुख्यमंत्री ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से मिलने वाली रिसर्च राशि को 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रति माह किया जाएगा।इसके अलावा विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने के लिए एक करोड़ रुपये का शोध सहायता फंड बनाया जाएगा। यह राशि चरणबद्ध तरीके से विश्वविद्यालय निधि के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

हर सरकारी कॉलेज में एआई और एडवांस कंप्यूटिंग लैब

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस कंप्यूटिंग लैब स्थापित की जाएंगी। इससे विद्यार्थियों को नई तकनीक के साथ पढ़ाई, रिसर्च और रोजगार के अवसरों से जोडऩे की तैयारी है।

स्टार्टअप के लिए 5 करोड़ का आइडिया फंड

युवाओं के नए आइडिया को कारोबार में बदलने के लिए सरकार 5 करोड़ रुपये का राज्य स्तरीय आइडिया फंड बनाएगी। इसका इस्तेमाल अच्छे इनोवेशन और स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं को सहायता देने के लिए किया जाएगा। यानी सरकार का फोकस सिर्फ नौकरी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि युवाओं को आइडिया से स्टार्टअप और स्टार्टअप से रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने पर भी रहेगा।

1 लाख युवाओं को स्किल अपग्रेडेशन से जोडऩे का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार एक लाख युवाओं को कौशल उन्नयन से जोड़ेगी। वहीं युवाओं के प्लेसमेंट के लिए एक एजेंसी तय कर व्यवस्थित तरीके से काम करने की घोषणा भी की गई। यह व्यवस्था कॉलेज और स्कूल स्तर पर युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोडऩे के लिए काम करेगी।

एमपीपीएससी में अगले साल एक अतिरिक्त परीक्षा

'युवा वर्ष' को लेकर मुख्यमंत्री ने एक और बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सामान्य वार्षिक एमपीपीएससी परीक्षा के अलावा अगले साल एक विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इसे देश में पहली बार होने वाला प्रयास बताया। इसके साथ ही युवाओं को अगले साल के लिए सुझाव देने का मौका भी मिलेगा। सरकार पोर्टल के माध्यम से युवाओं से सुझाव लेगी और उनका मूल्यांकन कर उपयुक्त योजनाओं को जमीन पर लागू करने का प्रयास करेगी।

12 नए मेडिकल कॉलेज और 12 नई यूनिवर्सिटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अगले साल 12 नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। इसके साथ ही 12 नई यूनिवर्सिटी भी स्थापित की जाएंगी। इनमें रोजगार से जुड़े पाठ्यक्रमों पर विशेष फोकस रहेगा।

बेटियों और कामकाजी महिलाओं के लिए भी घोषणाएं

'गांव की बेटी' और 'प्रतिभा किरण' योजना का दायरा स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं तक बढ़ाने की बात मुख्यमंत्री ने कही। इसके अलावा प्रदेश के हर संभाग में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास बनाने की घोषणा की गई।

अगले साल फिर होगा जीआईएस

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अगले वर्ष भोपाल में जीआईएस का फिर आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में रोजगार देने वाले नए प्रकार के उद्योगों को प्रदेश में लाने पर फोकस रहेगा। युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोडऩे के लिए प्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्रस्स्) की 500 नई इकाइयां बनाने की भी घोषणा की गई।

धार को सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने सीएम डॉ मोहन को लिखा पत्र, कहा- कम बारिश से रबी की बोनी-सिंचाई पर संकट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने अल्पवर्षा को लेकर चिंता जताई और धार जिले को सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग की है। सिंघार ने फसल सर्वे, राहत पैकेज और जलाशयों में नर्मदा का पानी पहुंचाने की मांग भी की है। कांग्रेस विधायक व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अल्पवर्षा को लेकर सीएम डॉ मोहन को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा कि कम बारिश से धार जिले में रबी की बोनी और सिंचाई पर संकट मंडरा रहा है। उन्होंने सरकार से धार जिले को सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग की है।

उमंग सिंघार ने कहा कि, फसल सर्वे, राहत पैकेज और जलाशयों में नर्मदा का पानी पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 42 प्रतिशत कम बारिश हुई है। बारिश कम होने से खेतों में पर्याप्त नमी नहीं है और सिंचाई के पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में लिखा कि बाग ब्लॉक में पाइप लाइन के माध्यम से नर्मदा नदी का पानी जलाशयों में भरने की व्यवस्था की जाए। टांडा क्षेत्र, धोकधयड़ी, काकडखुआ, गुराडिया, बगोली, इंदिरा गांधी जलाशय, ताराघाटी, धायडी, खनिअंबा, बरेठा, गेटा, बडकल, चामझर सहित अन्य जलाशयों में नर्मदा का पानी दिये जाने की व्यवस्था की जाए। किसानों की रबी फसल की बोनी के लिए आवश्यक खाद, बीच की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

कमजोर मानसून से इन जिलों की हालात खराब

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में कमजोर मानसून से 11 जिलों की स्थिति गंभीर है। आलीराजपुर, धार और झाबुआ सबसे कम बारिश वाले टॉप-5 जिलों में शामिल है। आलीराजपुर में सामान्य से 52 प्रतिशत कम बारिश, सबसे ज्यादा बारिश की कमी है। 11 में से 9 जिले सूखाग्रस्त की स्थिति के करीब है, सूखाग्रस्त पैमाने पर पहुंचे। इंदौर, उज्जैन, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार और आलीराजपुर प्रभावित है। शाजापुर और पांढुर्णा में भी सामान्य से महज 3 प्रतिशत का अंतर है। बारिश की कमी से पेयजल के साथ खरीफ फसलों पर भी संकट मंडरा रहा है। सोयाबीन, मूंग, मक्का समेत खरीफ फसलों को नुकसान हुआ है।

फरार आरोपियों की अब खुलेगी पूरी आर्थिक कुंडली

बैंक खाते से लेकर जमीन, मकान, वाहन और शेयर तक तलाशेगी पुलिस; पीएचक्यू ने सभी एसपी को दिए निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहे आरोपितों के लिए अब सिर्फ गिरफ्तारी का दबाव नहीं होगा, बल्कि उनकी पूरी आर्थिक कुंडली खंगाली जाएगी। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद भी फरार रहने वाले आरोपितों की संपत्ति का ब्योरा पुलिस अलग-अलग सरकारी विभागों और एजेंसियों से जुटाएगी। इसमें बैंक खाते, जमीन-मकान, वाहन ही नहीं, शेयर, बांड और अन्य वित्तीय संपत्तियां भी शामिल होंगी। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। जिलेवार ऐसे फरार आरोपितों की सूची तैयार करने के साथ उनकी चल-अचल संपत्ति का चिट्ठा तैयार कराया जा रहा है, ताकि जरूरत पडऩे पर यह जानकारी न्यायालय के सामने प्रस्तुत की जा सके।

पीएचक्यू के निर्देशों के मुताबिक किसी आरोपित के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद भी वह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आता और न्यायालय द्वारा तय तिथि पर उपस्थित नहीं होता है तो न्यायालय के आदेश के आधार पर उसकी संपत्ति कुर्क कराने की कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य फरार आरोपितों पर ऐसा दबाव बनाना है कि वे लंबे समय तक कानून की पकड़ से बाहर न रह सकें। पुलिस मुख्यालय का मानना है कि संपत्ति कुर्क होने की कार्रवाई के डर से कई आरोपित न्यायालय के सामने आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

बैंक खाते से शुरू होगी आर्थिक पड़ताल

फरार आरोपित की आर्थिक स्थिति पता करने के लिए पुलिस अब बैंकिंग रिकॉर्ड भी खंगालेगी। बैंक खातों में जमा राशि और अन्य वित्तीय लेनदेन की जानकारी जुटाई जाएगी। इसके साथ ही आयकर विभाग से आरोपित के आयकर रिटर्न की जानकारी ली जाएगी। पैन कार्ड और अन्य उपलब्ध विवरण के आधार पर उसके नाम पर मौजूद शेयर, ऋण पत्र, बांड और दूसरी वित्तीय संपत्तियों का पता लगाने की कोशिश होगी। यानी आरोपी जिस संपत्ति को पुलिस की नजर से दूर समझकर बैठा है, उसका रिकॉर्ड दूसरे सरकारी सिस्टम से निकाला जा सकेगा।

जमीन-मकान का रिकॉर्ड राजस्व विभाग से

आरोपित के नाम पर जमीन, मकान या दूसरी अचल संपत्ति है तो उसका ब्योरा राजस्व विभाग से लिया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत सचिव, नगरीय निकाय और उप पंजीयक कार्यालय के रिकॉर्ड का भी इस्तेमाल किया जाएगा। पुलिस यह भी पता लगाएगी कि आरोपित का निवास कहां है और उसके नाम पर किस-किस स्थान पर संपत्ति दर्ज है। इससे किसी जिले में रहने वाले आरोपित की दूसरे जिले या क्षेत्र में मौजूद संपत्ति की जानकारी भी सामने आ सकेगी।

गाड़ी भी नहीं बचेगी

आरोपित के नाम पर कितने वाहन पंजीकृत हैं, इसकी जानकारी परिवहन विभाग से ली जाएगी। वाहन की जानकारी मिलने के बाद न्यायालय के आदेश के अनुसार उसकी कुर्की की कार्रवाई की जा सकेगी।

फर्जी पासपोर्ट कांड में पूर्व पासपोर्ट अधिकारी एसटीएफ की राडार पर

भोपाल। बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने के मामले में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। भोपाल, डबरा, बैतूल, छिंदवाड़ा सहित अन्य शहरो से जुड़े इस नेटवर्क की छानबीन ताल के दौरान एक पूर्व पासपोर्ट अधिकारी भी जांच के दायरे में आ गई है। सूत्र बताते है की अधिकारी का भोपाल से ट्रांसफर हो चुका है, लेकिन एसटीएफ उसकी संदिग्ध भूमिका की जांच कर रही है। एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए आधा दर्जन आरोपियों में कथित मास्टरमाइंड रियाल चौधरी से पूछताछ के दौरान 10 नए संदिग्धों की जानकारी मिली है। उनकी धरपकड़ के लिये संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन सभी फरार मिले। अफसरो के अनुसार मामले में अब फरार आरोपियों की संख्या कर 29 हो गई है। सभी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी या सूचना देने पर 20-20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। जांच एजेंसी की रडार पर कुल 70 संदिग्ध पासपोर्ट थे। पड़ताल के बाद इनमें से दो पासपोर्ट सही पाए गए हैं। जांच में सामने आया कि संबंधित आवेदकों ने अपने निवास के निकट स्थित बौद्ध मठ का पता केवल सुविधा के लिए दर्ज कराया था। उनके दस्तावेज और पहचान सही मिलने के बाद उन्हें जांच से बाहर कर दिया गया है। अब शेष 68 पासपोर्टों की जांच जारी है। फर्जी पासपोर्टों की पड़ताल में यह भी सामने आया है कि कई पासपोर्ट में स्थानीय पता मध्यप्रदेश का दर्शाया गया, जबकि जन्म प्रमाण-पत्र और अन्य दस्तावेज दूसरे राज्यों से जारी हुए थे, इसी वजह से एसटीएफ की एक दर्जन से अधिक टीमें विभिन्न राज्यों में जाकर दस्तावेजों की सत्यता की जांच कर रही हैं।

मंत्री के घर के बाहर भूख हड़ताल का ऐलान करना भाजपा विधायक को पड़ा भारी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में उस वक्त हडकंप मच गया जब धार जिले के धरमपुरी से बीजेपी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने अपनी ही पार्टी की केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर के निवास के बाहर भूख हड़ताल करने का ऐलान कर दिया था। इस मामले में अब पार्टी संगठन ने कड़ा रुख अपनाते हुए विधायक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और तीन दिन के भीतर जवाब तलब किया है। धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने धामनोद नगर पालिका के सीएमओ पर जनता की समस्याओं की अनदेखी करने और सुनवाई न करने का गंभीर आरोप लगाया था। इसी के विरोध में विधायक ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के धार स्थित सरकारी आवास के बाहर ही भूख हड़ताल पर बैठने का ऐलान कर दिया था। अपनी ही सरकार और केंद्रीय मंत्री के घर के बाहर विधायक के इस तीखे तेवर से जिले की सियासत में भूचाल आ गया था और यह मुद्दा विपक्षी दलों के बीच भी चर्चा का विषय बन गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन ने अनुशासनहीनता मानते हुए तुरंत कार्रवाई की है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ओर से 5 अक्टूबर को जारी पत्र में विधायक को सख्त लहजे में चेतावनी दी गई है। विगत दिनों आपके द्वारा जो आचरण किया गया, वह अत्यंत आपत्तिजनक है।

बागेश्वर धाम से 170 लोगों के लापता होने का मामला

- 75 दस्तयाब, अभी भी 95 लोगों का नहीं मिला सुराग

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध बागेश्वर धाम से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। हाल ही में प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जुड़े विवादों के बीच, बागेश्वर धाम से पिछले कुछ समय में 170 लोगों के लापता होने की बात सामने आई है। इस आंकड़े में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हैं। हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अगस्त और सितंबर के महीनों में 75 लोगों को ढूंढ निकाला है, लेकिन अभी भी 95 लोगों का कोई सुराग नहीं लग सका है, जिससे उनके परिजन खासे परेशान हैं और अपनों की तलाश की गुहार लगा रहे हैं।

मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा का कहना है कि बागेश्वर धाम में देश-विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, और कई बार लोग भीड़भाड़ में अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं या बिना बताए कहीं चले जाते हैं। विभिन्न राज्यों से दस्तयाब- पुलिस टीमों ने तकनीकी मदद और छानबीन करते हुए बिहार, झारखंड, गुजरात सहित कई अन्य राज्यों में दबिश दी और अब तक 75 लोगों को सुरक्षित दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

सूचना न देने की बात

पुलिस के मुताबिक, इनमें से कुछ ऐसे लोग भी थे जो सुरक्षित अपने घर पहुंच चुके थे, लेकिन उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी थी, जिससे गुमशुदगी का आंकड़ा भ्रमित कर रहा था। एसपी के अनुसार, शेष बचे 95 लापता लोगों की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार जुटी हुई हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के बयान के बाद बढ़ी चिंता

यह बड़ा आंकड़ा ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुद धाम आने वाली माताओं-बहनों से अपील की थी कि वे अकेली आने से बचें और अनजान लोगों या सेवादारों पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें। उन्होंने स्पष्ट किया था कि धाम का क्षेत्र लगभग 5 किलोमीटर में फैला हुआ है और इतने बड़े क्षेत्र में हर व्यक्ति को व्यक्तिगत सुरक्षा मुहैया कराना संभव नहीं है। इसलिए भक्तों को दर्शन करने के बाद सुरक्षित अपने घर लौट जाना चाहिए। बहरहाल, इस खुलासे के बाद से जहां एक तरफ पुलिस बाकी 95 गुमशुदा लोगों को तलाशने में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ इतने बड़े पैमाने पर लोगों के लापता होने का यह मामला चिंता का विषय बना हुआ है।

रिटायर्ड आइएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल हत्याकांड मामला

भोपाल। भोपाल में रिटायर्ड आइएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल हत्याकांड में वारदात के बाद से ही फरार चल रहे शातिर आरोपी वरुण कुमार को पुलिस काफी प्रयासो के बाद भी अब तक पकड़ नहीं सकी है। अब पुलिस उस तक पहुंचने के लिए उसके गले पर बने बिच्छू के टैटू को अहम सुराग मान रही है। सूत्रो का कहना है कि पुलिस उसड्डकी लोकेशन ट्रेस न कर सके इसलिये आरोपी मोबाइल का प्रयोग नहीं कर रहा है। ऐसे में पुलिस उसके हुलिए, टैटू और फोटो के जरिए उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। टीम ने आरोपी की फोटो, शारीरिक हुलिए और पहचान से जुड़ी जानकारी को पांच राज्यों में लुकआउट नोटिस जारी किया है। एमपी के अलावा उत्तरप्रदेश, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान में टीमें उसकी तलाश कर रही है। संदिग्ध ठिकानों और संभावित भागने के रास्तों पर आरोपी के फोटो वाले पर्चे भी बांटे जा रहे हैं, ताकि आम लोग उसे पहचान कर पुलिस को सूचना दे सकें। वरुण कुमार की लोकेशन दिल्ली में फेस डिटेक्शन तकनीक के जरिए उसका चेहरा कैमरे में सामने आया था, लेकिन पुलिस उसकी सटीक लोकेशन पता नहीं कर पाई है। पुलिस अफसरो के अनुसार आरोपी की तलाश में 15 पुलिस टीमें लगातार जुटी हैं। उसके संदिग्ध ठिकानो पर भी लगातासर नजर रखी जा रही है। हालांकि अभी तक ऐसा कोई सुराग नहीं मिला है कि भोपाल से भागने के बाद वरुण ने इनमें से किसी से संपर्क किया हो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस सेवा के संकल्प को साकार करते हुए मनाया जा रहा है -मुख्यमंत्री

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस सेवा के संकल्प को साकार करते हुए मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास को विरासत से जोड़कर आगे बढ़ाया है। कई सालों तक ब्रिटिश काल में बने भवन में हमारी संसद चलती रही। लेकिन अब हमारी संसद का नया भवन ऐसा बना है, जिसमें भारतीयता के दर्शन होते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकतंत्र को गौरवान्वित करते हुए सार्वजनिक जीवन जिया है। यह गर्व का विषय है कि अमेरिका के राष्टपति भी हमारी चुनाव प्रक्रिया की तारीफ करते हुए उसे अपनाने की मंशा जताते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी की छवि वैश्विक नेताओं के बीच विशिष्ट दिखती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस उपलब्धि पर सेवा संकल्प अभियान-2026 में पूरा देश एक साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टी.टी. नगर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभकिया। कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ।

55 जिलों से चयनित उत्कृष्ट चित्रकला कृतियों का हुआ प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश के 55 जिलों से चयनित उत्कृष्ट चित्रकला कृतियों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं ने भाषण भी प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटे-बेटियों की चित्रकला प्रतिभा और भाषण की दक्षता की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने अपने मन के भाव को भाषण और चित्रों के माध्यम से बहुत प्रभावी तरीके से अंकित और अभिव्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेरे सपनों का भारत-राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त अशोक नगर की सुश्री श्रीजी मिश्रा का वक्तव्य सुना। द्वितीय स्थान पर रहीं जिला धार की सुश्री छवि मंगरोलिया और तृतीय पर रहीं गुना जिले की सुश्री रानी रजक के विचार भी सुने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त नरसिंहपुर जिले की आयुष अहिरवार, द्वितीय स्थान पर रहीं बालाघाट की सुश्री डीनू बोपचे और तृतीय स्थान पर रहीं टीकमगढ़ की सुश्री आयुषी सिद्धी नामदेव को पुरस्कार प्रदान किए।

पांच जिला शिक्षा अधिकारियों को मिला सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य के लिए अधिकारियों को भी सम्मानित किया। इसके अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारियों में सतना की श्रीमती सलोनी शर्मा, नरसिंहपुर के श्री अनिल कुशवाहा, बालाघाट की सुश्री धनश्री जैन, अनूपपुर के श्री तुलाराम आरमो, उज्जैन के श्री महेंद्र खत्री तथा लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के संयुक्त संचालक श्री एच.एन. नेमा को उनके सराहनीय योगदान और निष्ठापूर्ण सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कार्यक्रम में शासकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोरसा जिला मुरैना की कक्षा 10वीं छात्रा कुमारी इकरा ने सम्पर्क

कर उनसे कठिन परिस्थितियों में आगे पढ़ाई संबंधी अपनी समस्या साझा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिटिया इकरा को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

देश के साथ मध्यप्रदेश भी तेजी से बदल रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने और अब तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में उन्होंने राज्य की अनेक चुनौतियों को समाप्त करते हुए गुजरात को एक सशक्त और समृद्ध प्रदेश बनाया। उनके कार्यकाल में पेट्रोकेमिकल की रिफाइनरी गुजरात में स्थापित हुईं, जिससे आज भारत ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बन पाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मेरा भारत और विकसित भारत की संकल्पना के भाव से बड़े से बड़े फैसले लिए और उन्हें सरलता से लागू भी किया। आज हम डिजिटल भुगतान के माध्यम से दुनिया में सबसे अधिक यूपीआई ट्रांजैक्शन करने वाले देश हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डीबीटी की शुरुआत की, इससे जरूरतमंदों को उनके हक की रकम सीधे बैंक खाते में पहुंचती है। देश के साथ मध्यप्रदेश भी तेजी से बदल रहा है।

स्कूल शिक्षा की बेहतरी केलिए हरसंभव प्रयास जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के लाखों विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के सेवा संकल्प अभियान में सहभागिता की है। विद्यार्थियों के लिए स्वच्छता, पौध-रोपण, प्रकृति संरक्षण, जल संरक्षण, गरीबों की मदद करना तथा माता-पिता की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यार्थियों ने सुशासन पर विश्वास रखते हुए देश के लिए प्रतिबद्धता से सभी कामों को ईमानदारी से करने का संदेश दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल शिक्षा की बेहतरी केलिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सरकार ने आगामी 2 वर्ष में स्कूलों के सभी जर्जर भवनों के स्थान पर नए भवन तैयार करने का संकल्प लिया है। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप और किताब, ड्रेस भी निःशुल्क दी जा रही हैं। हमारी सरकार ने वर्षों से लंबित शिक्षकों के प्रमोशन कर उन्हें भी नई सौगात दी है। स्कूलों के लिए शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी।

अमृतकाल की युवा पीढ़ी विकसित भारत को आकार देगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 21 वर्ष बाद दोबारा सार्वजनिक बस सेवा की शुरुआत की गई है। ये बसें प्रदेश के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी नागरिकों को सुगम परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएंगी। स्कूलों में विद्यार्थियों के आवागमन के लिए भी बसें संचालित की जा रही हैं। हमारी सरकार राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक क्षेत्र में संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश सबसे कम बेरोजगारी दर वाला राज्य बना है। प्रदेश सरकार वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाने जा रही है। हमारे अमृतकाल की युवा पीढ़ी वर्ष 2047 तक विकसित भारत को आकार देगी।

भविष्य का भारत बेहतर होगा

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रदेश के 41 हजार से अधिक विद्यालयों में जिला स्तर, ब्लॉक स्तर और राज्य स्तर पर मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के 50 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों के विचार और संस्कार सामने आए, जिन्हें सुनकर और देखकर यह विश्वास मजबूत होता है कि भविष्य का भारत बेहतर होगा।

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग बंद करने की तैयारी, प्रशासन ने किया भटेरा और वैकल्पिक मार्ग का निरीक्षण

बड़े वाहनों के लिए अलग रूट, बसों के लिए भटेरा में अस्थायी स्टैंड नवरात्रि में क्रॉसिंग बंद करने पर स्थानीय लोगों की चिंता

पदमेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर करीब 1313 मीटर लंबे और 8.4 मीटर चौड़े ओवरब्रिज के निर्माण को गति देने के लिए जिला प्रशासन ने अब यातायात व्यवस्था बदलने की तैयारी तेज कर दी है। 5 अक्टूबर को प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भटेरा रेलवे क्रॉसिंग सहित प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण में यातायात बाधा बन रहा है, इसलिए अब रेलवे क्रॉसिंग बंद कर वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकालने की तैयारी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, नगर पुलिस अधीक्षक, सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सहित नगर पालिका एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिकारियों ने भटेरा रेलवे क्रॉसिंग से निरीक्षण शुरू किया और बैहर रोड से शिशील खरे वाली गली की ओर जाने वाले परिवर्तित मार्ग सहित अन्य स्थानों का जायजा लिया। मार्ग की चौड़ाई, सड़क की स्थिति, गड्ढों और वाहनों के आवागमन की संभावनाओं को देखा गया। एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि परिवर्तित मार्ग और बाईपास को जल्द तैयार करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं। ट्रैफिक विभाग की आवश्यक स्वीकृति के बाद मार्ग को शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब दो दिनों में वैकल्पिक मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर भटेरा रेलवे क्रॉसिंग को बंद किया जा सकता है। हालांकि प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग कई स्थानों पर संकरा होने और सड़क पर गड्ढे होने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। बड़े वाहनों के आवागमन में परेशानी की आशंका पर एसडीएम ने स्पष्ट किया कि यह मार्ग अस्थायी है और यहां से भारी वाहनों का संचालन नहीं किया जाएगा। हल्के वाहनों को ही इस मार्ग से निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान करीब दो वर्ष तक यह अस्थायी व्यवस्था रह सकती है और आवश्यकता पड़ने पर मार्ग की कमियों को दुरुस्त किया जाएगा। बड़े वाहनों के लिए प्रशासन ने अलग रूट निर्धारित करने की तैयारी की है। नैनपुर, मंडला, लामता और परसवाड़ा की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को मगरदर्रा से लालबर्रा की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसके बाद वाहन सिवनी-बालाघाट मार्ग से शहर में प्रवेश कर सकेंगे। कुछ वाहनों को गोंदिया बाईपास की ओर भी भेजा जाएगा। वहीं हल्के मोटर वाहनों को प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग से शहर में प्रवेश कराया जाएगा। यात्री बसों के संचालन को लेकर भी प्रशासन ने व्यवस्था तैयार की है। एसडीएम के अनुसार नैनपुर, परसवाड़ा और लामता रूट पर प्रतिदिन करीब 24 यात्री बसों के फेरे होते हैं। इन बसों के लिए भटेरा में अस्थायी बस स्टैंड तैयार किया गया है। यहां अधिकांश काम पूरा हो चुका है, जबकि बिजली और पानी की व्यवस्था की जानी है। रात में रुकने वाली बसों को भी इसी अस्थायी बस स्टैंड पर खड़ा कराया जाएगा। ओवरब्रिज निर्माण से जुड़े भू-अर्जन के मामले में प्रशासन के अनुसार अब तक करीब 206 लोगों को भू-अर्जन की राशि का भुगतान किया जा चुका है, जबकि करीब 17 प्रकरण अभी शेष हैं। प्रशासन का कहना है कि शेष लोगों को भी जल्द राशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। इधर, नवरात्रि पर्व के बीच रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने को लेकर स्थानीय रहवासियों ने चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि पर्व के दौरान आवागमन अधिक रहता है, इसलिए नवरात्रि समाप्त होने के बाद क्रॉसिंग बंद की जाए। इस पर एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि ओवरब्रिज का निर्माण पहले ही विलंबित हो चुका है। यदि एक पर्व के लिए काम रोका गया तो आगे आने वाले अन्य त्योहारों के कारण भी देरी होती रहेगी। उन्होंने कहा कि फिर भी स्थानीय लोगों से एक बार चर्चा कर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। अब प्रशासन की पूरी कवायद ओवरब्रिज निर्माण को गति देने और भटेरा रेलवे क्रॉसिंग को बंद कर यातायात को वैकल्पिक मार्ग पर शिफ्ट करने की है। लेकिन संकरे परिवर्तित मार्ग, बड़े वाहनों के डायवर्जन और शहर में बढ़ने वाले यातायात के दबाव को संभालना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती रहेगा।

पड़ोसी जिले सिवनी में भीषण सड़क हादसा

छिंदवाड़ा बाईपास के पास पलटी सूत्र सेवा बस

एक यात्री की मौत- दर्जन भर घायल, भोपाल से बालाघाट जा रही थी यात्री बस

पदमेश न्यूज। बालाघाट। जिले के सीमा से लगे सिवनी जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। छिंदवाड़ा रोड पर बम्होड़ी ब्रिज के पास भोपाल से बालाघाट जा रही सूत्र सेवा की यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की सूचना मिलते ही कोतवाली सिवनी पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य के साथ मामले की जांच शुरू की।

भोपाल से बालाघाट जा रही थी बस

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूत्र सेवा की यात्री बस भोपाल से यात्रियों को लेकर बालाघाट की ओर जा रही थी। मंगलवार सुबह जब बस सिवनी के छिंदवाड़ा रोड स्थित बम्होड़ी ब्रिज के पास पहुंची। तभी अचानक बस चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और बस सड़क पर पलट गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि बस में सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई।

एक यात्री की मौत- दर्जनभर घायल

इस दर्दनाक हादसे में एक यात्री की जान चली गई। मृतक की पहचान यथार्थ दमाहे 27 वर्ष ग्राम कोसमी बालाघाट निवासी बताया जा रहा है। वहीं हादसे में करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। हादसे में घायल यात्रियो में 21 बालाघाट, 5 वारासिवनी तथा 4 सिवनी के यात्री सवार थे। जिनमे शिक्षक विवेक पुत्र गिरिराज किशोर पटेल (28) बाम्हन गांव, इटारसी निवासी के अलावा महेश पुत्र जगदीश गडेल (41) रूपझर बालाघाट, राहुल पुत्र प्रमोद नागेश्वर (30) लालबर्रा बालाघाट, शैलेंद्र पुत्र निर्गुण सिंह मरावी (30) मलाजखंड बालाघाट, बृजेश पुत्र नानाजी बिसेन (35) झोलिया कान्हीवाड़ा, पियूस पुत्र संजीव धुर्वे (30) कुरई सिवनी, प्रीति पिता अरविंद (27) खैरलांजी बालाघाट, आंचल पुत्री नारायण मदलेकर (27) वारासिवनी बालाघाट, संयोगिता पति नितिन श्रीवास्तव (48) वारासिवनी बालाघाट निवासी शामिल हैं।

चालक को नींद का झोंका आने की आशंका

प्रारंभिक जानकारी में आशंका जताई जा रही है कि बस चालक को नींद का झोंका आने के कारण वाहन अनियंत्रित हुआ और यह हादसा हो गया। हालांकि, दुर्घटना की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस दुर्घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सिवनी पुलिस ने शुरू की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली सिवनी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों और उनके परिजनों में चिंता का माहौल है।सिवनी में हुए इस सड़क हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्री बसों में चालक की सतर्कता और सुरक्षित यात्रा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही दुर्घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

टहलने निकले लक्ष्मण-परिवार को लगा अपहरण हुआ... साहब सीधे हैदराबाद निकल गए

पदमेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम टिंगीपुर के बाहीटोला में 28 सितंबर को सुबह-सुबह घर से टहलने निकले 40 वर्षीय लक्ष्मण परते ने परिवार को ऐसा सस्पेंस दिया कि परिजन परेशान हो गए और पुलिस तक मामला पहुंच गया। परिवार को लगा कि कहीं किसी ने उनका अपहरण तो नहीं कर लिया लेकिन अगले दिन जब लक्ष्मण का फोन आया तो सस्पेंस का पूरा पटाक्षेप हो गया। पता चला कि लक्ष्मण किसी के कब्जे में नहीं बल्कि सकुशल हैदराबाद पहुंच चुके हैं। दरअसल लक्ष्मण परते रोज की तरह सुबह करीब 5 बजे टहलने के लिए घर से निकले थे। परिवार को उम्मीद थी कि रोज की तरह कुछ देर बाद वापस लौट आएंगे। लेकिन समय बीतता गया और सुबह से दोपहर, दोपहर से शाम हो गई। लक्ष्मण का कोई अता-पता नहीं था।पत्नी शांति परते और बेटे संतोष ने पहले गांव और आसपास के इलाके में तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों से पूछताछ की गई। संभावित ठिकानों पर भी खोजबीन हुई। लेकिन लक्ष्मण कहीं नजर नहीं आए। परिजनों के मुताबिक लक्ष्मण पहले कभी बिना बताए इस तरह घर से दूर नहीं गए थे। लिहाजा परिवार की चिंता बढ़ती गई और मामला सीधे पुलिस तक पहुंच गया।

परिजन खोजते रहे गांव में-लक्ष्मण ने पकड़ ली हैदराबाद की राह

परिजनों ने पुलिस को आशंका जताई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने लक्ष्मण का अपहरण कर उन्हें कहीं छिपाकर या बंधक बनाकर रखा है। शिकायत मिलते ही मलाजखंड पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।पुलिस लक्ष्मण के हुलिए के आधार पर तलाश में जुटी ही थी कि अगले दिन अचानक उनका फोन आ गया। फोन पर लक्ष्मण ने बताया कि वे हैदराबाद पहुंच चुके हैं।बस फिर क्या था।जिस व्यक्ति को परिवार और पुलिस ढूंढ रही थी।वह खुद ही हजारों किलोमीटर दूर हैदराबाद में मिल गया। परिवार की चिंता राहत में बदल गई और अपहरण की आशंका भी फिलहाल हवा हो गई।

टहलने का सफर निकला लंबा

जानकारी के अनुसार लक्ष्मण परते खेती-मजदूरी का काम करते हैं और कमाने के लिए हैदराबाद जाते रहे हैं। इस बार भी शायद रोजगार की याद ने उन्हें इतना आकर्षित किया कि घर से निकलते समय परिवार को बताना जरूरी नहीं समझा। फर्क सिर्फ इतना रहा कि घर वालों की नजर में वे टहलने निकले थे और अगले दिन फोन पर बताया कि हैदराबाद पहुंच गए हैं।फिलहाल लक्ष्मण के हैदराबाद पहुंचने की सूचना से परिजनों ने राहत की सांस ली है। पुलिस के अनुसार लक्ष्मण के दस्तयाब होने के बाद मामले में आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट